THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 87 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.13 2082 सोमवार, 23 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 10+4 मूल्य : 8 रुपये

125 मीटर लंबा, 3900 टन वजनी, भारतीय नौसेना को मिलेगा तमाल वॉरशिप

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना को जल्द ही एक नया और आधुनिक युद्धपोत मिलने जा रहा है। इस वॉरशिप का नाम है तमाल, जिसे 1 जुलाई 2025 को रूस के कालिनिनग्राद शहर में नौसेना में शामिल किया जाएगा। इस खास मौके पर उप एडमिरल संजय जे. सिंह, जो पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख हैं, मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। तमाल को भारत-रूस के मिलकर बनाए डिजाइन से तैयार किया गया है। इसमें 33 से ज्यादा भारतीय उपकरण और सिस्टम लगाए गए हैं। इसके निर्माण की निगरानी भारत की वॉरशिप ओवरसीइंग टीम ने रूस में रहकर की।

अमेरिका का ईरान पर हमला

तीन परमाणु ठिकानों पर गिराए बम, ट्रंप बोले- युद्ध समाप्त करे ईरान

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान पर हमला कर दिया है। इस बात की आशंका ईरान इजरायल की जंग शुरू होने के बाद से ही लगाई जा रही थी कि अमेरिका कभी भी ईरान पर हमला कर सकता है। खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसकी जानकारी दी है। जानकारी के मुताबिक ईरान के तीन न्यूक्लियर ठिकानों पर अमेरिका ने हमला किया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, हमने ईरान में तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया है, जिसमें फोर्डो, नतांज़ और इस्फहान शामिल हैं। सभी विमान अब ईरान के एयरस्पेस से बाहर हैं। फोर्डो पर बमों का पूरा पेलोड गिराया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने हमलों को अंजाम देने के लिए दो बी2 बमबारी करने वाले विमानों का

इस्तेमाल किया। अमेरिका के द्वारा इस तरह के बमों का इस्तेमाल करने का यह पहला मामला है।

भविष्य में और बड़े हमले होंगे : अमेरिका के हमले के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, ईरान को अब शांति स्थापित करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो भविष्य में हमले कहीं अधिक बड़े होंगे। वे हमारे लोगों को मार रहे हैं, उनके जनरल कासिम सुलेमानी ने बहुत से लोगों को मार डाला। मैंने बहुत पहले ही तय कर लिया था कि मैं ऐसा नहीं होने दूंगा। यह जारी नहीं रहेगा।

नेतन्याहू ने क्या कहा : अमेरिका के हमले के बाद इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बयान जारी किया। नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिका ने वह किया है जो धरती पर कोई दूसरा देश नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, बधाई राष्ट्रपति ट्रंप। ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने का आपका साहसिक फैसला इतिहास बदल देगा।

सुप्रीम लीडर खामेनेई ने दी थी चेतावनी : ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने पहले ही कहा था कि अमेरिका इस जंग में दखल ना दे। उन्होंने चेताया था कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। यही बात ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी कही थी। दूसरी ओर, ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा है कि वह नेपाल और श्रीलंका के नागरिकों को भी उनकी सरकारों के अनुरोध पर ईरान से निकालने में सहायता करेगा। भारत अपने नागरिकों को लगातार ईरान से निकाल रहा है।

125 जेट भेजे, इनमें 7 बी-2 बॉम्बर

3 न्यूक्लियर साइट्स पर 14,000 किलो के दर्जनभर बम गिराए

तेहरान/तेल अवीव, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान में हमला किया जो भारतीय समयानुसार रविवार सुबह 4:30 बजे हुआ। ईरान पर हमले के करीब 13 घंटे बाद अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने हमले की डिटेल दी है। जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ जनरल डैन केन ने बताया कि इस मिशन में 125 एयरक्राफ्ट शामिल थे।

इस ऑपरेशन में 7 बी-2 स्टेल्थ बॉम्बर्स ने हिस्सा लिया, जिन्होंने ईरान के फोर्डो और नतांज न्यूक्लियर ठिकानों पर 13,608 किलो वजनी बस्टर बम गिराए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को धमकी देते हुए कहा कि अब उसे शांति कायम करनी चाहिए। अगर वह ऐसा नहीं करता है, तो उस पर और बड़े हमले किए जाएंगे।

पीएम मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति पेजेशकियन से की बातचीत

क्षेत्र में बढ़े तनाव पर जताई चिंता

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान-इस्राइल संघर्ष के बीच अमेरिका की तरफ से ईरान पर हमला किया गया। वहीं आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत की है। इस दौरान दोनों नेताओं ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हालिया घटनाक्रमों पर गंभीर चर्चा की।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस बातचीत की जानकारी एक्स पर एक पोस्ट में साझा की है। पीएम मोदी ने लिखा- हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। हालिया तनावों पर गहरी चिंता व्यक्त की।

तुरंत तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शीघ्र बहाल हो सके। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान हैं।

पीएम मोदी और मसूद पेजेशकियन के बीच यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की नजरें क्षेत्र में शांति की बहाली पर टिकी हैं।

पश्चिम एशिया में सैन्य हस्तक्षेप से बढ़ती है अस्थिरता : चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिकी हमले एक खतरनाक मोड़ हैं। 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण का हवाला देते हुए सीजीटीएन के लेख में कहा गया है कि इतिहास ने बार-बार दिखाया है कि मध्य पूर्व में सैन्य हस्तक्षेप अक्सर अनपेक्षित परिणाम उत्पन्न करते हैं। इनमें लंबे समय तक संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता शामिल है। इसलिए जरूरी है कि बातचीत को प्राथमिकता देते हुए संतुलित, कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाए।

पहलगाम हमला

आतंकियों को पनाह देने वाले 2 लोग गिरफ्तार

एनआईए ने पहलगाम से अरेस्ट किया, आरोपियों ने बताया- आतंकी पाकिस्तानी नागरिक, लश्कर से जुड़े

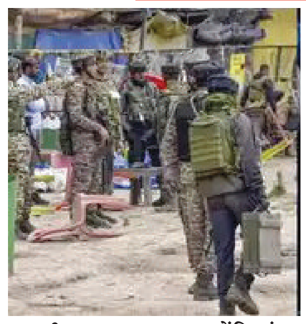

श्रीनगर, 22 जून (एजेंसियां)। पहलगाम आतंकी हमले के दो महीने बाद नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने पहलगाम के दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ है कि इन दोनों ने हमले को अंजाम देने वाले तीन आतंकियों को पनाह दी थी।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार हैं। पूछताछ में दोनों ने आतंकियों की पहचान बताई और यह भी पुष्टि की कि वे पाकिस्तानी नागरिक थे और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हुए थे। एनआईए के मुताबिक, परवेज और बशीर ने हमले से पहले इन तीनों आतंकियों को हिल पार्क स्थित एक अस्थायी ढोक (झोपड़ी) में जानबूझकर ठहराया था। उन्होंने उन्हें खाना और अन्य सुविधाएं मुहैया कराई थीं।

पहलगाम हमले में 26 पर्यटकों की जान गई थी : 22 अप्रैल को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी और 16 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। आतंकियों ने पर्यटकों को उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर चुन-चुनकर निशाना बनाया था। घटना पहलगाम शहर से 6 किलोमीटर दूर बायसरन घाटी में हुई थी।

हमले की जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे

हमले के बाद हुई जांच में तीन आतंकियों के नाम सामने आए थे। 24 अप्रैल को अनंतनाग पुलिस ने 3 स्केच जारी किए। इसमें तीन आतंकियों के नाम थे, अनंतनाग का आदिल हुसैन ठोकर, हाशिम मूसा उर्फ सुलेमान और अली उर्फ तल्हा भाई। मूसा और अली पाकिस्तानी हैं। मूसा पाकिस्तान के स्पेशल सर्विस ग्रुप में कमांडो रह चुका है। इन पर 20-20 लाख रुपये का इनाम भी रखा गया है। फिलहाल यह साफ नहीं हुआ है कि एनआईए ने जिन दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, उन्होंने इन्हीं तीन आतंकियों के नाम उजागर किए हैं या किन्हीं और आतंकियों के।

पहलगाम हमले के खिलाफ भारत का ऑपरेशन सिंदूर : भारत ने पहलगाम हमले का बदला लेते हुए 6-7 मई की रात 1:05 बजे पाकिस्तान और पीओके में एयर स्ट्राइक की। इसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसमें 9 आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया, जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए। हमले में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ मौलाना मसूद अजहर की फैमिली के 10 सदस्य और 4 सहयोगी मारे गए। भारत ने 24 मिसाइलें दागीं।

बारिश में भी नक्सलियों को सोने नहीं देंगे : शाह

चर्चा की जरूरत नहीं, चलता रहेगा ऑपरेशन, रायपुर में एनएफएसयू कैंपस का किया शिलान्यास

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। नवा रायपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह एनएफएसयू के रायपुर कैंपस का शिलान्यास किया। नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी कैंपस के अलावा हाईटेक फोरेंसिक लैब का भी शिलान्यास किया गया। कार्यक्रम के दौरान शाह ने फिर नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी।

शाह ने कहा कि, अब बारिश में भी नक्सलियों को चैन की नींद नहीं सोने देंगे। चर्चा की कोई जरूरत नहीं है, नक्सली अपने हथियार डाल दें। इसके अलावा शाह ने एनएफएसयू को लेकर कहा कि, यहां से ग्रेजुएट/पोस्ट ग्रेजुएट होने का मतलब नौकरी की गारंटी पक्की।

अमित शाह के भाषण की 5 बड़ी बातें...

नक्सलियों को चेताया : बारिश के समय नक्सली थोड़ा आराम कर लेते थे, लेकिन अब बारिश में भी एंटी नक्सल ऑपरेशन चलता रहेगा।

डेडलाइन को दोहराया : बहुत अच्छी सरेंडर पॉलिसी छत्तीसगढ़ में बनी है। हथियार डाल दीजिए। 31 मार्च 2026 को देश नक्सलवाद से मुक्त हो जाएगा।

यूथ के लिए संदेश : छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप और उद्योगों को बढ़ावा देने में ध्यान देना चाहिए। इसके लिए रायपुर में आई हब की शुरूआत की गई है।

नौकरी की गारंटी पक्की : युवाओं को विश्वास दिलाता हूं, एनएफएसयू का ग्रेजुएशन मतलब आपके नौकरी की गारंटी है।

नवा रायपुर की सराहना : आने वाले दिनों में सबसे आधुनिक और हरियाली वाली राजधानियों में नवा रायपुर का स्थान होगा।

पड़ोसी राज्यों के डीजीपी-एडीजीपी रैंक के अधिकारियों से मीटिंग : शिलान्यास कार्यक्रम के बाद गृहमंत्री शाह नवा रायपुर स्थित होटल रिसॉर्ट में छत्तीसगढ़ और पड़ोसी राज्य ओडिशा, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के डीजीपी और एडीजीपी रैंक के अधिकारियों के साथ सुरक्षा संबंधित उच्चस्तरीय बैठक किये। इसके बाद 6.30 से 8.00 बजे तक नक्सल ऑपरेशन पर विशेष समीक्षा बैठक की। बैठक में नक्सल ऑपरेशनों की वर्तमान स्थिति, अंतरराज्यीय समन्वय, खुफिया तंत्र की मजबूती, और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल पर चर्चा हुई है।

पड़ोसी देशों से रिश्ते हमेशा आसान नहीं होते : जयशंकर

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत को अपने पड़ोसी देशों से हमेशा अच्छे और आसान रिश्तों की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। लेकिन भारत ने ऐसी समझदारी वाली नीति बनाई है, जिससे चाहे किसी देश में सरकार बदले, रिश्ते फिर भी ठीक बने रहें।

जयशंकर ने कहा, आखिरकार, हमारे हर पड़ोसी को यह समझना चाहिए कि भारत के साथ मिलकर काम करने से उनका फायदा होता है और न करने से नुकसान। कुछ देशों को इसे समझने में समय लगता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपवाद है, क्योंकि वहां की पहचान सेना के इर्द-गिर्द बनी है, उसमें शुरू से ही भारत के प्रति दुश्मनी भरी रहती है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका के साथ रिश्तों में कभी-कभी अनिश्चितता होती है, इसलिए भारत ने उसके साथ ज्यादा से ज्यादा जुड़ाव बनाए ताकि रिश्ते संतुलित रहें।

'इतिहास का सबसे काला फैसला'

जगदीप धनखड़ ने की सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को आपातकाल के दौरान दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले की आलोचना की और इसे दुनिया के न्यायिक इतिहास का सबसे काला फैसला करार दिया।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक, एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि नौ उच्च न्यायालयों के फैसले को खारिज करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने तानाशाही और अधिनायकवाद को वैधता प्रदान की है।

धनखड़ ने तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद पर भी सवाल उठाया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर किए थे, न कि पूरी मंत्रिपरिषद के कहने पर। यहां राज्यसभा के प्रशिक्षुओं के एक समूह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रपति किसी एक व्यक्ति, प्रधानमंत्री की सलाह पर काम नहीं कर सकते। संविधान बहुत स्पष्ट है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति को सहायता और सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद है। यह एक उल्लंघन था, लेकिन इसका परिणाम क्या हुआ? इस देश के 1,00,000 से अधिक नागरिकों को कुछ ही घंटों में सलाखों के पीछे डाल दिया गया। आपातकाल के दौरान न्यायपालिका की भूमिका का उल्लेख करते हुए धनखड़ ने कहा कि वह ऐसा समय था जब संकट के समय लोकतंत्र का मूल सार खत्म हो गया था। लोग न्यायपालिका की ओर देखते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि देश के नौ उच्च न्यायालयों ने शानदार ढंग से परिभाषित किया है कि आपातकाल हो या न हो, लोगों के पास मौलिक अधिकार हैं और न्याय प्रणाली तक उनकी पहुंच है। दुर्भाग्य से, सर्वोच्च न्यायालय ने सभी नौ उच्च न्यायालयों के फैसले को पलट दिया और ऐसा फैसला दिया जो दुनिया में किसी भी न्यायिक संस्थान के इतिहास में सबसे काला फैसला होगा, जो कानून के शासन में विश्वास करता है। धनखड़ ने बताया कि निर्णय यह था कि यह कार्यपालिका की इच्छा है कि वह आपातकाल को उतने समय के लिए जारी रखे, जितना वह उचित समझे।

1976 के एडीएम जबलपुर मामले में पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4-1 के बहुमत से राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों के निलंबन को बरकरार रखा था। भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एएन रे और न्यायमूर्ति एमएच बेग, वाईवी चंद्रचूड़ और पीएन भगवती के बहुमत के फैसले में कहा गया था कि आपातकाल के दौरान अनुच्छेद 21 के उल्लंघन के लिए कानूनी उपाय मांगने का अधिकार निलंबित कर दिया गया था। जस्टिस एच.आर. खन्ना ने असहमति जताते हुए कहा कि जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार अंतर्निहित है, न कि केवल संविधान द्वारा दिया गया उपहार। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी निर्णय दिया कि आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होते।

ऑपरेशन सिंधु- ईरान से 290 और नागरिक भारत पहुंचे

अब तक 1,117 भारतीय स्वदेश लौटे, प्लेन से उतरते ही वंदे मातरम के नारे लगाए

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल संघर्ष के बीच ऑपरेशन सिंधु के तहत अब तक कुल 1,117 भारतीयों को निकाला गया है। मशहद से एक और प्लेन शनिवार की रात 11:30 बजे 290 नागरिकों को लेकर नई दिल्ली पहुंचा। इससे पहले शाम 4.30 बजे 310 नागरिकों को जत्था राजधानी पहुंचा था।

वहीं 20 जून को रात 2 बैच में 407 भारतीय लौटे थे। रात 10:30 बजे की फ्लाइट में 190 कश्मीरी छात्रों समेत 290 लोगों की वापसी हुई थी। इनमें दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और पश्चिम बंगाल से भी लोग थे। देर रात 3 बजे की फ्लाइट में 117 लोग थे। 19 जून को 110 छात्र आर्मेनिया और दोहा के रास्ते भारत पहुंचे थे। ईरान से दिल्ली पहुंचे इन यात्रियों ने एयरपोर्ट पर 'वन्दे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे लगाए थे। कुछ लोग भावुक भी हुए। उनकी आंखों में आंसू आ गए। कुछ ने जमीन पर माथा टेका।

ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से दिल्ली पहुंची प्रयागराज की रहने वालीं अलमास रिजवी ने कहा- हमें अच्छे होटल में रहने की जगह दी गई। समय पर लंच, डिनर, सब कुछ दिया गया। अपने देश में वापस आकर अच्छा लग रहा है। भारतीय दूतावास ने हमारी बहुत मदद की। भारत सरकार ने हमारी अच्छी देखभाल की। हमें यह एहसास भी नहीं होने दिया कि हम युद्ध जैसी स्थिति में रह रहे हैं।

ईरान ने एयरस्पेस पर लगी पाबंदी को हटाकर भारत के करीब 1000 नागरिकों को निकालने की इजाजत दी थी। इनमें से ज्यादातर छात्र हैं, जिन्हें ईरान की राजधानी से तेहरान से माशहद लाया गया था। अब इन्हें तीन चार्टर फ्लाइट्स के जरिए भारत लाया गया। ये फ्लाइट्स ईरानी एयरलाइन माहान ने चलाईं। भारत सरकार की ओर से ऑपरेशन सिंधु के तहत इनकी व्यवस्था की गई।

डीजीसीए की एअर इंडिया को चेतावनी

लाइसेंस कैंसिल कर देंगे

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एअर इंडिया को गंभीर चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर फ्लाइट ऑपरेशन में गड़बड़ियां जारी रहीं, तो एयरलाइन का लाइसेंस सस्पेंड किया जा सकता है या वापस भी लिया जा सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह कदम पायलट ड्यूटी शेड्यूलिंग और निगरानी में लगातार और गंभीर उल्लंघनों के कारण उठाया गया है।

इससे पहले शनिवार को डीजीसीए के आदेश पर एअर इंडिया को 3 अफसरों को हटाया था। इनमें डिविजिनल वाइस प्रेसिडेंट चूड़ा सिंह, क्रू शेड्यूलिंग करने वाली चीफ मैनेजर पिंकी मित्तल और क्रू शेड्यूलिंग की प्लॉनिंग से जुड़ी पायल अरोड़ा शामिल हैं। तीनों अफसरों के खिलाफ यह कार्रवाई एविएशन सेफ्टी प्रोटोकॉल के गंभीर उल्लंघन को लेकर की गई।

अंग्रेजी पर राहुल गांधी और भाजपा आमने-सामने

निशिकांत दुबे बोले- गुलामी पर गर्व क्यों?

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बीच 'अंग्रेजी भाषा' को लेकर एक बार फिर तीखा टकराव सामने आया है। राहुल गांधी के उस बयान के बाद, जिसमें उन्होंने कहा था कि अंग्रेजी गरीबों के लिए एक मौका है और यह कोई जंजीर नहीं बल्कि एक पुल है। इसपर भाजपा ने उन्हें घेरा है। भाजपा नेता निशिकांत दुबे ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर पलटवार करते हुए पूछा कि राहुल गांधी अंग्रेजी भाषा को गुलामी की तरह क्यों समर्थन दे रहे हैं?

राहुल गांधी ने हाल ही में एक पोस्ट में लिखा कि अंग्रेजी भाषा हाशिए पर खड़े लोगों के लिए समानता और अवसर की चाभी है। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चे अंग्रेजी सीखें क्योंकि वे नहीं चाहते कि वे सवाल पूछें, आगे बढ़ें और बराबरी करें। राहुल के इस बयान पर निशिकांत दुबे ने

तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ये वही विचार हैं, जो 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल थे, जो उनके पिता राजीव गांधी ने पेश की थी।

निशिकांत दुबे ने एक्स पर लिखा कि 1986 की नीति में हिंदी को बढ़ावा देने, संस्कृत सिखाने और अंग्रेजी को क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद कराने की बात कही गई थी। यही मूलभूत नीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2020 की शिक्षा नीति में भी आगे बढ़ाई गई है। उन्होंने सवाल किया कि जब रूस, चीन, फ्रांस, जापान और कोरिया जैसे देश अपनी भाषाओं पर गर्व करते हैं, तो हम क्यों नहीं?

एअर इंडिया विमान को मिली बम की धमकी : बर्मिंघम से दिल्ली आ रही थी फ्लाइट

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। एअर इंडिया की फ्लाइट एआई114 को बम की धमकी मिली है। विमान 21 जून को बर्मिंघम से दिल्ली आ रहा था। धमकी की सूचना मिलते ही विमान को रियाद की ओर मोड़ दिया गया। रियाद में विमान से सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतारा गया और सुरक्षा जांच पूरी की गई। यात्रियों को होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी।

एअर इंडिया ने कहा कि इस अप्रत्याशित व्यवधान के कारण यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। यात्रियों को उनके गंतव्य स्थानों तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तर पश्चिमी राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र और कई उत्तर भारतीय राज्यों में भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है। मौसम विभाग की तरफ से बताया गया है कि मानसून उत्तर प्रदेश और राजस्थान के अधिकतर हिस्सों तक पहुंच चुका है। ऐसे में इन इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। बारिश को लेकर इन सभी राज्यों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, राजधानी दिल्ली में भी हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना

दिल्ली में भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार,सफदरजंग में 2.6 मिमी, पालम में 0.4 मिमी, आयानगर में 0.4 मिमी और लोधी रोड में 0.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। आईएमडी के अनुसार पालम में दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच 1.4 मिमी बारिश दर्ज की गई, सफदरजंग में 0.8 मिमी जबकि आयानगर, लोधी रोड और रिज में हल्की वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग ने रविवार को तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश होने का अनुमान व्यक्त किया है तथा अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 59 रहा जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है।

हिमाचल में अलर्ट जारी

हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में शनिवार को मध्यम से भारी बारिश हुई। स्थानीय मौसम विभाग ने रविवार को राज्य के पांच जिलों और बुधवार को नौ जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। ऑरेंज अलर्ट के अनुसार रविवार को हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी, शिमला और सिरमौर में अलग-अलग स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान है, जबकि बुधवार को कुल्लू, किन्नौर और लाहौल और स्पीति को छोड़कर 12 में से नौ जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विभाग ने सोमवार और मंगलवार को राज्य के अधिकतर जिलों में भारी बारिश का 'येलो' अलर्ट जारी किया है।

हिमाचल में सबसे ज्यादा बारिश कांगड़ा में

पिछले 24 घंटों में कांगड़ा 87.8 मिलीमीटर (मिमी) बारिश के साथ राज्य में सबसे अधिक बारिश वाला स्थान रहा, जबकि नगरोटा सूरियां में 56.4 मिमी, जोगिंदरनगर में 54 मिमी, गुलेर में 40.8 मिमी, नादौन में 30 मिमी, सुजानपुर टीहरा में 28.5 मिमी, बैजनाथ में 28 मिमी, पालमपुर में 20 मिमी और नाहन में 18.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। सुन्दरनगर, कांगड़ा और बजौरा में गरज के साथ बारिश हुई और 37 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम विभाग ने कहा कि अगले दो दिनों में हिमाचल प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।

इन राज्यों के लिए अलर्ट जारी

मौसम विभाग ने देश के उत्तर पश्चिमी इलाकों, मध्य प्रदेश, गुजरात और कोंकण-गोवा क्षेत्र में 26 जून तक भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी ने मध्य महाराष्ट्र, गुजरात, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, पंजाब और उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, दक्षिण भारतीय राज्यों, ओडिशा, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और जम्मू कश्मीर के लिए येलो अलर्ड जारी किया गया है।

जनरल द्विवेदी ने कश्मीर सुरक्षा ग्रिड का लिया जायजा

हाई-टेक तकनीक से बढ़ेगा निगरानी नेटवर्क

श्रीनगर, 22 जून (एजेंसियां)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कश्मीर का दौरा कर अमरनाथ यात्रा के लिए की जा रही सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कश्मीर क्षेत्र में तैनात सुरक्षा बलों और अधिकारियों से मुलाकात कर सुरक्षा व्यवस्था और हालात की जानकारी ली। भारतीय सेना के अनुसार, जनरल द्विवेदी को मौजूदा ऑपरेशनल स्थिति और रणनीतिक पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्हें यह भी दिखाया गया कि सेना किस तरह आधुनिक तकनीकों को अपने अभियानों में शामिल कर रही है, जिससे सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था और बेहतर हो रही है। सेना प्रमुख ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अमरनाथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को पूरी सुरक्षा दी जाए और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर स्तर पर तैयारियां पूरी रहें।

बेटी की सजा परिवार को! लड़की को दूसरी जाति में शादी करना पड़ा भारी, घर के 40 लोगों को मुंडवाना पड़ा सिर

रायगढ़, 22 जून (एजेंसियां)। ओडिशा के रायगढ़ के काशीपुर भारत में आज भी अंतरजातीय विवाह को मान्यता नहीं दी जाती है। ऐसी शादियों के कारण लड़के-लड़कियों के परिवारों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ही अंतरजातीय विवाह का एक मामला ओडिशा से सामने आया है, जहां एक लड़की ने दूसरे गांव के अनुसूचित जाति के लड़के से शादी कर ली। इससे लड़की और उसके परिवार से गांव के लोग नाराज हो गए। बताया जा रहा है कि इसके बाद नाराज गांव वालों ने लड़की के परिवार वालों पर जातिगत मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए शुद्धिकरण की प्रक्रिया से गुजरने का दबाव बनाया। ये पूरा मामला ओडिशा के रायगढ़ के काशीपुर ब्लॉक के बैगनगुडा गांव का है। जानकारी के अनुसार, शुद्धिकरण की प्रक्रिया में लड़की के परिवार वालों को जानवरों की बलि देनी पड़ी।

मणिपुर में उग्रवादी गिरफ्तार हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल, 22 जून (एजेंसियां)। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में प्रतिबंधित संगठन कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (पीडब्ल्यूजी) के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया। जबकि इंफाल पूर्व और काकचिंग जिलों में अलग-अलग तलाशी अभियानों में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी जब्त किया गया। सुरक्षा बल के अधिकारी ने बताया कि उग्रवादी की पहचान यांगलेम सदानंद सिंह (26) के रूप में हुई है और उसके पास से जबरन वसूली के लिए इस्तेमाल किए गए कुल 19 मांग पत्र जब्त किए गए। इसके अलावा इंफाल पूर्वी जिले के मायोफुंग-सनसाबी हिल में तलाशी अभियान में एक .303 बाइपॉड माउंटेड राइफल, सात .303 कारतूस, दो भारी कैलिबर मोर्टार, 20 भारी कैलिबर मोर्टार गोले, दो आईईडी, चार्जर के साथ चार रेडियो सेट, तीन कारतूस के साथ एक पिस्तौल, 12 ग्रेनेड और एक बुलेटप्रूफ जैकेट जब्त किया गया। इंफाल पूर्वी जिले के चिंगखेई चिंग फकनंग गांव की तलहटी में एक अन्य तलाशी अभियान में, मैगजीन के साथ एक इंसास लाइट मशीन गन, मैगजीन के साथ एक इंसास राइफल, मैगजीन के साथ दो सेल्फ-लोडिंग राइफल, एक स्नाइपर राइफल, मैगजीन के साथ एक .32 पिस्तौल, छह 5.56 मिमी इंसास कारतूस, 5.56 मिमी के इक्कीस खाली खोखे और 9 मिमी के चार खाली खोखे जब्त किए गए। काकचिंग जिले के नोंग्माइखोंग माखा लेइकाई पहाड़ी क्षेत्र से दो मैगजीन के साथ एक एसएमजी कार्बाइन, एक एके-47 राइफल, दो सिंगल बैरल बंदूकें, दो मैगजीन के साथ एक संशोधित 9 मिमी पिस्तौल, तीन आईईडी (लगभग 2 किलोग्राम वजन), आठ वायर डेटोनेटर और 125 ग्राम वजन वाले 10 पीईके विस्फोटक पैकेट जब्त किए गए।

ईरान में भारत का खून... अबू आजमी को क्यों आया गुस्सा? बोले- खत्म होनी चाहिए अमेरिका की चौधराहट-वीडियो

पुणे/सोलापुर, 22 जून (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में ईरान और इजरायल के बीच छिड़ी जंग पर समाजवादी पार्टी के नेता अबू आसिम आजमी ने बड़ा बयान दिया है। आजमी ने कहा है कि हमारे देश (भारत) में अमेरिका का हस्तक्षेप खत्म होना चाहिए। अमेरिका फिलिस्तीन में बमबारी और भूख से मर रहे बच्चों के बारे में कुछ नहीं बोल रहा है, वह इजराइल का समर्थन कर रहा है। आजमी ने सोलापुर में कहा कि पहले इजराइल ने ईरान पर हमला किया और फिर ईरान ने जवाबी हमला किया। वह व्यक्ति (अली खामेनेई) 85 साल का है, उसके दादा भारत के बाराबंकी में पैदा हुए थे। उसके अंदर भारतीय खून है। जिस तरह से उसने इजराइल को जवाब दिया, उसने बहुत बढ़िया काम किया है। मैं उसकी सराहना करता हूं।

आजमी ने कहा जो देश (भारत) में अमेरिका की चौधराहट है। वह खत्म होनी चाहिए। आजमी ने कहा कि डॉ. राम मनोहर लोहिया ने बहुत पहले कहा था कि भारत और उसके पड़ोसी देशों का एक संघ बनना चाहिए, ताकि अमेरिका की भूमिका खत्म हो। आजमी ने कहा कि अमेरिका कह रहा है कि उसे भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवा दिया। आजमी ने कहा हमारे प्रधानमंत्री के कहने के बाद भी वह (डोनाल्ड ट्रंप) ऐसा बार-बार कर रहे हैं। आजमी ने आगे कहा कि इजरायल ने पहले हमला किया था। अबू आजमी ने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की तारीफ की।आजमी का यह बयान ऐसे वक्त पर आया है जब इजरायल-ईरान जंग में अमेरिका की एंट्री हो चुकी है। ईरान पर अमेरिकी हमले के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात की।

इजरायल-ईरान का युद्ध दसवें दिन में प्रवेश कर गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने अटैक के जरिए ईरान के परमाणु हथियार की साइट को तबाह कर दिया है। दोनों देशों की बीच हुए संघर्ष में अब तक नागरिकों और सुरक्षा कर्मियों सहित कम से कम 865 लोग मारे गए हैं।

सीमेंट के ट्रेलर में घुसी कार, हरियाणा के चार लोगों की मौत

देहरादून, 22 जून (एजेंसियां)। देहरादून में रविवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया। आशारोड़ी के पास सीमेंट के ट्रेलर में कार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार में बैठे हरियाणा के चारों लोगों की मौत हो गई। वहीं, एक गंभीर रूप से घायल है। जानकारी के अनुसार, घटना करीब साढ़े तीन बजे की है।

वाहन संख्या(एचआर 42 ई 2701) मारुति रिट्ज (सफेद रंग) सहारनपुर की ओर से देहरादून आ रही थी। इस दौरान कार चेकपोस्ट पास आगे चल रहे सीमेंट से भरे ट्रेलर संख्या (एचआर63एफ 5353) में जा घुसी। इस दौरान कार में सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

फायर टीम ने सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर उन्हें कार से निकाला और अस्पताल भिजवाया।

जहां चार लोगों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

ईरान में अमेरिकी हमले पर भड़कीं महबूबा मुफ्ती

भारत की विदेश नीति पर भी उठा दिए सवाल

जम्मू, 22 जून (एजेंसियां)। कश्मीरईरान और इजराइल के बीच लगातार हो रहे हमले को लेकर शनिवार को इस्तांबुल में इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) की बैठक हुई। इस बैठक में इजराइल और ईरान के बीच हो रहे युद्ध को लेकर चर्चा हुई। ओआईसी की इस बैठक को लेकर जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ओआईसी की बैठक में ईरान और इजराइल तनाव से संबंधित कोई खास कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करने वाला देश पाकिस्तान भी पछता रहा होगा। उन्होंने कहा कि जैसा कि अपेक्षित था, ईरान पर हमले के बाद ओआईसी ने एक बार फिर अपनी प्रतिक्रिया को केवल दिखावटी सेवा तक सीमित कर दिया है। उन्होंने कहा कि जिस देश ने डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सिफारिश करने में जल्दबाजी की थी, अब ईरान पर हमला करने के बाद खुद को शर्मसार महसूस कर रहा होगा। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ट्रंप ने ईरान पर हमला करके तनाव को और अधिक बढ़ा दिया है, जिससे क्षेत्र में हिंसा की एक नई लहर चल रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के इस हमले से दुनिया वैश्विक संघर्ष के कगार पर पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि अफसोस की बात है कि भारत को लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मामलों में ऐतिहासिक और सैद्धांतिक भूमिका निभाने वाले देश के रूप में देखा जाता है, लेकिन वह न केवल चुप है, बल्कि हमलावर के साथ खड़ा होता दिख रहा है। हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल मुनीर को लंच के लिए आमंत्रित किया था। इसी बैठक के दौरान मुनीर ने ट्रंप से कहा था कि वह ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देने की सिफारिश करेंगे।

मुनीर के यह घोषणा करने के कुछ ही दिन बाद अमेरिका ने ईरान पर हमला कर दिया। महबूबा मुफ्ती का कहना है कि इस हमले के बाद पाकिस्तान भी सोच रहा होगा की उसने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार देकर गलती कर दी। इजराइल के साथ-साथ अब पाकिस्तान भी इस युद्ध में उतर आया है। अमेरिका ने ईरान नें उसके 3 परमाणु ठिकानों पर हमला किया। इस बात की जानकारी खुद ट्रंप ने दी। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि उसे शांति से काम लेना चाहिए अगर उसने ऐसा नहीं किया तो उसे इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

चेन्नई से 209 यात्रियों को लंदन ले जा रहा था विमान, अचानक लौटा वापस,

चेन्नई, 22 जून (एजेंसियां)। एक और हवाई उड़ान में दिक्कत आई है। लंदन जाने वाला एक विमान रविवार को परिचालन संबंधी कारणों से वापस लौट आया है। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। चेन्नई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि करीब 209 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान लौट आया।

उन्होंने कहा कि यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि 168 यात्रियों को लेकर गुवाहाटी से चेन्नई जा रहे इंडिगो का एक विमान को गुरुवार रात बेंगलुरू के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग करानी पड़ी, क्योंकि विमान के कैप्टन ने अपर्याप्त ईंधन के कारण 'मई डे' (संकट) की चेतावनी दी थी।

इंडिगो फ्लाइट ई(ए321) के पायलट ने शनिवार शाम 4.40 बजे गुवाहाटी से उड़ान भरी थी। शाम 7.45 बजे चेन्नई में उतरने का प्रयास किया लेकिन लैंडिंग गियर रनवे को छूने के बाद 'बाल्क्ड लैंडिंग' नामक प्रक्रिया में 'गो अराउंड' करने का फैसला किया।

राज ठाकरे की एमएनएस ने दादर में लगाया विवादित पोस्टर! हिंदी के विरोध में लिखा- 'क्या सरकार है'

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना एमएनएस ने एक बार फिर हिंदी भाषा के विरोध में तीखा रुख अपनाया है। इस बार दादर इलाके में लगाए गए पोस्टर ने एक बार फिर मराठी बनाम हिंदी भाषा विवाद को हवा दी है। पोस्टर में लिखा गया है, क्या सरकार है।।! महाराष्ट्र में परप्रांतीयों के लिए मराठी सख्ती करनी चाहिए, लेकिन मराठी लोगों पर हिंदी थोप रहे हैं। इसी संदेश को मराठी में भी लिखा गया है, काय सालं सरकार आहे, परप्रांतीयांना महाराष्ट्रात मराठी सक्ती करायच्या ऐवजी मराठी लोकांना हिंदीची सक्ती करत आहेत। ये पहली बार नहीं है जब एमएनएस ने हिंदी विरोधी पोस्टर लगाए हैं। जब राज्य सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत पहली से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य करने का फैसला लिया था, तब भी इस फैसले का विरोध करते हुए एमएनएस ने ऐसे पोस्टर जारी करते हुए सरकार पर परप्रांतीयों को खुश करने और मराठी संस्कृति को दबाने का आरोप लगाया था। पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र में मराठी भाषा की अनदेखी कर हिंदी को थोपा जा रहा है, जो स्वीकार्य नहीं है। अप्रैल में राज ठाकरे की तस्वीर वाले पोस्टर के जरिए एक तीखा संदेश देते हुए पोस्टर में लिखा– 'हम हिंदू हैं, लेकिन हिंदी नहीं।' उस समय भी इसी तरह की भावना जाहिर की गई थी कि हिंदी भाषा को जबरन थोपा जा रहा है और मराठी अस्मिता को दरकिनार किया जा रहा है। दादर इलाके में यह दूसरी बार है जब एमएनएस ने इस प्रकार का सार्वजनिक विरोध किया है। एमएनएस का स्पष्ट कहना है कि "हिंदी राजभाषा है, राष्ट्रभाषा नहीं। अगर आज हिंदी थोप रहे हैं तो कल गुजराती या तमिल भी थोपी जा सकती है। यह जबरदस्ती नहीं चलेगी। हम मराठी हैं और मराठी ही सीखेंगे। इसके लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे।"

घुसपैठ और तस्करी पर लगाम: पंजाब में भारत-पाक सीमा पर स्मार्ट फेंसिंग, कितनी मजबूत दोनों देशों के बीच की दीवार

अमृतसर, 22 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार ने पाकिस्तान बॉर्डर से होने वाली तस्करी और घुसपैठ पर अंकुश लगाने के लिए सीमा पर लगी पारंपरिक फेंसिंग को बदलकर उसकी जगह स्मार्ट फेंसिंग लगाने को मंजूरी दे दी है। अमृतसर में बॉर्डर पर इस फेंसिंग को लगाने का काम भी शुरू हो चुका है। जानकारी के अनुसार फिलहाल जो फेंसिंग लगी हुई है, उससे पहले नई फेंसिंग के तहत पहले चार फुट की कंक्रीट की दीवार बनाई जाएगी। इस दीवार के ऊपर लोहे के एंगल लगाकर उनमें कंटीले तारों के बजाय लोहे की पट्टी लगाई जाएगी जिसे काटना और उसके से निकलना नामुमकिन होगा। गौरतलब है कि पंजाब बॉर्डर बेल्ट पर फैले रहे नशे को रोकने के लिए राज्यपाल ने अपने दौरे पर लोगों से समाधान के बारे में पूछा था। लोगों ने कहा था कि ऐसी फेंसिंग लगाई जाए, जिसमें से पाइप डालकर हेरोइन व अन्य तरह के नशे की तस्करी पर नकेल कसी जा सके।

'अवैध निर्माण पर कार्रवाई न करना सरकार की दोहरी नीति', बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा- यह अस्वीकार्य

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाते हुए कहा है कि राज्य की यह दोहरी नीति स्वीकार नहीं की जा सकती जिसमें अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों पर कार्रवाई नहीं की जाती, बल्कि उन्हें सुरक्षा भी दी जाती है। कोर्ट ने पालघर जिले में बने एक अवैध ढांचे को तोड़ने का आदेश दिया है। मामले में न्यायमूर्ति ए. एस गडकरी और न्यायमूर्ति कमल खता की पीठ ने कहा कि कानून के रखवालों की निष्क्रियता की वजह से अवैध निर्माण होते हैं, जिससे समाज में असंतोष और अशांति फैलती है। कोर्ट ने अपने 17 जून के आदेश में कहा, 'हम देख रहे हैं कि स्थानीय प्रशासन, नगर पालिकाएं और अन्य संबंधित अधिकारी सिर्फ नोटिस देकर अपनी जिम्मेदारी पूरी कर लेते हैं। उसके बाद न तो ढांचे तोड़े जाते हैं और न ही दोषियों पर केस दर्ज होता है।' कोर्ट ने यह भी कहा कि ऐसे मामलों में अवैध निर्माण करने वाले बिल्डरों से पैसे की वसूली एक दूर का सपना बन जाती है और मुकदमे का निपटारा दशकों तक लटकता रहता है। कोर्ट ने कहा कि अब तक इन अवैध निर्माणों के लिए जिम्मेदार बिल्डर, अफसर और पुलिस कोई सजा नहीं पा रहे हैं, जिससे सिस्टम में जवाबदेही की भावना खत्म हो रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि, ऐसे मामलों में बार-बार देखा गया है कि पहले बिना अनुमति के निर्माण किया जाता है, फिर उसे वैध कराने के लिए आवेदन दिया जाता है। यह साफ तौर पर कानून का मजाक उड़ाने जैसा है'। यह आदेश एक याचिका पर आया, जिसमें याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया था कि पालघर में तीन लोगों ने उसके प्लॉट पर बिना अनुमति के निर्माण कर लिया है। नगर निगम ने नोटिस तो दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। कोर्ट ने वसई-विरार नगर निगम को न केवल अवैध निर्माण गिराने का आदेश दिया, बल्कि इस निर्माण के लिए जिम्मेदार लोगों पर आपराधिक मुकदमा भी दर्ज करने को कहा। इसके अलावा कोर्ट ने वसई-विरार नगर निगम के कमिश्नर को यह भी आदेश दिया कि जो अधिकारी इस अवैध निर्माण पर कार्रवाई नहीं कर पाए, उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इससे यह संदेश जाएगा कि कानून का पालन करना जरूरी है। कोर्ट ने आखिरी में कहा, 'हमारे शहरों में जितने वैध निर्माण हैं, लगभग उतने ही अवैध निर्माण भी हैं।

ट्रंप भारत के साथ क्यों खड़े नहीं हुए

ईरान पर अमेरिकी हमले के बाद संजय राउत ने उठाए सवाल

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के युद्ध के बीच में अब अमेरिका की एंट्री हो गई है। अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है। इसी को लेकर शिवसेना उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सवाल खड़े किए हैं। संजय राउत ने पूछा है कि जब ईरान-इजराइल के बीच युद्ध चल रहा है तो डोनाल्ड ट्रंप को कूदने की जरूरत क्या है? अमेरिका ने शनिवार की देर रात ईरान पर हमला किया। अमेरिका ने ईरान की 3 परमाणु साइट पर बम दागे और कहर बरसाया। अमेरिका ने फोर्डो, नतांज और इस्फहान तीन न्यूक्लियर साइट पर हमला किया। इसी के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस बात का भी दावा किया कि यह हमले सफल रहे हैं और अमेरिका ने ईरान की न्यूक्लियर साइट को नष्ट कर दिया है।

संजय राउत ने ट्रंप पर उठाए सवाल

संजय राउत ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर सवाल उठाते हुए कहा, ईरान और इजराइल का युद्ध चल रहा है तो राष्ट्रपति ट्रंप को कूदने की जरूरत क्या है? राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध में कूद भी गए हैं और ईरान पर बम भी दागा है। जब भारत और पाकिस्तान का संघर्ष चल रहा था तो यह ट्रंप हैं जिन्होंने वॉर रुकवाई। यह बार-बार वॉर रुकवाने का क्रेडिट ले रहे हैं। वो विश्व में शांति लाना चाहते हैं। उनको शांति नोबेल पुरस्कार चाहिए। इसीलिए पाकिस्तान के जनरल मुनीर को अपने व्हाइट हाउस में डिनर पर बुलाया। दरअसल, पाकिस्तान ने ट्रंप को नोबेल पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया है। इसी को लेकर संजय राउत ने कमेंट किया। असीम मुनीर के साथ व्हाइट हाउस में डिनर के बाद ही पाकिस्तान ने नोबेल शांति पुरस्कार के लिए ट्रंप के नाम की सिफारिश की है।

"ट्रंप भारत के साथ क्यों खड़े नहीं हुए"

संजय राउत ने सवाल उठाए कि जब ईरान-इजराइल की वॉर हो रही है तो राष्ट्रपति ट्रंप इजराइल के साथ खड़े हो गए हैं। लेकिन जब भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष चल रहा था तो वो भारत के साथ क्यों खड़े नहीं हुए। संजय राउत ने कहा, हमारी वॉर आपने रुकवाया लेकिन ईरान के पास परमाणु बम है यह बोलकर आप इजराइल के साथ खड़े होगए और ईरान पर बम डाल रहे हैं। राष्ट्रपति ट्रंप भारत के साथ क्यों नहीं खड़े हो गए। वो आज इजराइल के साथ खड़े हैं, यह मोदी जी को और उनकी सरकार को सोचना चाहिए।

रात 2 बजे पति की नींद खुली, पत्नी फंदे पर मिली, प्रेम विवाह का दर्दनाक अंत

इंदौर, 22 जून (एजेंसियां)। इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। 24 वर्षीय पूजा वर्मा ने रविवार तड़के लगभग 4 बजे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब पति दीपेश वर्मा की नींद खुली, तो उसने पत्नी को फंदे पर लटका हुआ पाया। उसने तुरंत परिजनों को सूचना दी और पूजा को लेकर एमवाय अस्पताल पहुंचा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। पूजा का मायका उत्तर प्रदेश में है, जहां उसके परिजनों को सूचना भेज दी गई है। उनके आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। पुलिस के अनुसार, पूजा अपने पति दीपेश वर्मा के साथ इंदौर के भागीरथपुरा इलाके में रहती थी। दीपेश ने बताया कि शनिवार रात करीब 12:30 बजे उन्होंने साथ में खाना खाया और बातचीत करते हुए रात लगभग 2 बजे सो गए। सुबह करीब 4 बजे उसकी नींद खुली, तो उसने देखा कि पूजा ने फांसी लगा ली है। पूजा को फौरन एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दीपेश अंडे की दुकान चलाता है और देर रात तक काम करके घर लौटता है। पूजा और दीपेश की शादी को लगभग पांच साल हो चुके थे। यह विवाह आपसी सहमति और प्रेम पर आधारित था। हालांकि, शादी के बाद दोनों के कोई संतान नहीं थी। घटना के समय घर में दीपेश के बड़े भाई, भाभी, उनके बच्चे और ससुर भी मौजूद थे। दीपेश और पूजा अलग कमरे में रहते थे। घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस का कहना है कि पूजा के मायके वालों को घटना की जानकारी दे दी गई है और उनके आने के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पूछताछ की जाएगी, ताकि सच सामने आ सके।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 23 जून, 2025 3

मेरा हैदराबाद

सुविचार
जीवन में ये भ्रम ना रखे की वो हमेशा आपके साथ ही रहेंगे अगर कदर नहीं करोगे तो वो भी चले जायेंगे।

सभी पात्र लाभार्थियों को इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए जाएंगे : श्रीधर बाबू

करीमनगर, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने घोषणा की है कि अगले साढ़े तीन वर्षों में बिना किसी राजनीतिक पक्षपात के सभी पात्र लाभार्थियों को इंदिराम्मा आवास स्वीकृत किए जाएंगे तथा पार्टी संबद्धता की परवाह किए बिना गरीबों को आवास आवंटित किए जाएंगे। यहां रविवार को पूर्ववर्ती करीमनगर जिले की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा अनियमितताओं को रोकने के लिए इंदिराम्मा समितियों द्वारा जमीनी स्तर पर आवेदनों की गहन जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसानों को धान के अलावा अन्य फसलों में विविधता लाने तथा अधिक आय पैदा करने वाली खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

नकली बीज बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को क्षेत्र स्तर पर व्यापक निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और कलेक्टरों को इस दृष्टिकोण के अनुरूप जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार सरकारी स्कूलों में छात्र नामांकन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। मंत्री ने शिक्षकों और अधिकारियों के प्रयासों की सराहना की और निर्वाचित प्रतिनिधियों से बड़ी बात अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। सरकारी स्कूल के शिक्षकों की शिक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए, विशेष प्रशिक्षण पहले ही शुरू किया जा चुका है और आने वाले दिनों में और अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक के दौरान, कलेक्टरों को सरकारी स्कूलों में छात्र नामांकन और बुनियादी ढांचे में सुधार पर विधायकों और निर्वाचित प्रतिनिधियों के साथ समीक्षा बैठकें करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने जिला कलेक्टर को करीमनगर में ज्योतिबा फुले गुरुकुलम का दौरा करने और संस्थान की वर्तमान स्थितियों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

जीडीमेटला में पुलिसकर्मी की हृदयाघात से मौत

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात शहर के बाहरी इलाके जीडीमेटला में एक घर पर छापेमारी के दौरान एक पुलिसकर्मी की हृदयाघात से मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन टीम (बालानगर) में कार्यरत पुलिसकर्मी प्रवीण कुमार (38) अपने सहयोगियों के साथ ड्रग तस्करों को पकड़ने के लिए एक ऑपरेशन के तहत जीडीमेटला में एक घर में गए थे। वहां पर उसे सीने में दर्द हुआ और वह बेहोश हो गया। उसके साथ मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने देखा और प्रवीण को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल के शवगृह में भेज दिया गया है।

मशीन में मजदूर की कुचलकर मौत

संगारेड्डी, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आर.सी.पुरम औद्योगिक क्षेत्र में रविवार को एक वर्कशॉप में लोहा काटने वाली मशीन में कुचलकर उत्तर प्रदेश के 22 वर्षीय प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई। पीड़ित की पहचान राजू के रूप में हुई है, जो वेंकटरमण वर्कशॉप में मशीन चला रहा था, तभी वह गलती से फिसलकर मशीन में गिर गया। साथी कर्मचारियों ने शव को मशीन से निकालने के लिए करीब एक घंटे तक प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पटनचेरू के सरकारी अस्पताल में भेज दिया। इस बीच, पीड़िता के परिवार के सदस्य कार्यशाला में पहुंचे और न्याय की मांग की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस सरकार तेलंगाना में 17 लाख नए राशन कार्ड जारी करने जा रही है : टीपीसीसी प्रमुख

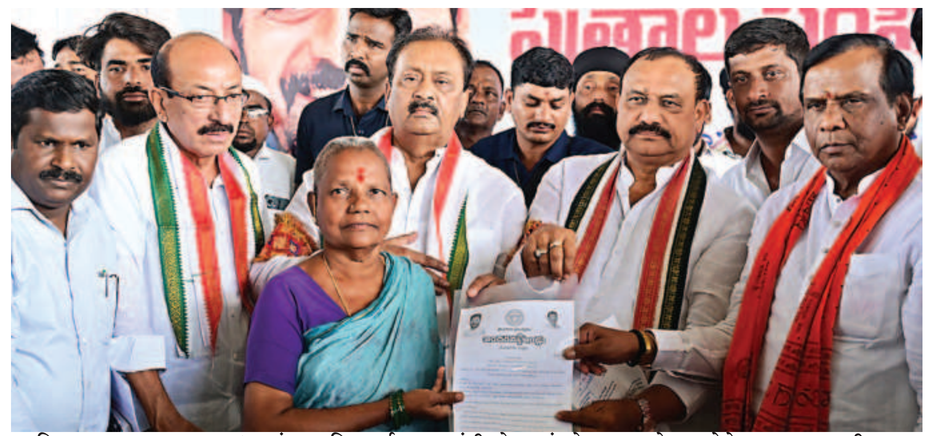

निजामाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने कहा कि राज्य सरकार आने वाले दिनों में सभी पात्र लोगों को 17 लाख नए राशन कार्ड जारी करने जा रही है।

रविवार को निजामाबाद जिले में एक कार्यक्रम के दौरान, टीपीसीसी प्रमुख ने पूर्व बीआरएस सरकार पर स्पष्ट मार्गदर्शन की कमी के कारण तेलंगाना को ऋण संकट में ले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रशासन के परिणामस्वरूप राज्य पर केवल महत्वपूर्ण ऋण भार पड़ा। केसीआर के कार्यकाल के दौरान एक भी नया राशन कार्ड जारी नहीं किया गया।

इसके विपरीत, वर्तमान कांग्रेस सरकार निकट भविष्य में 17 लाख नए राशन कार्ड प्रदान करने के लिए तैयार है। महेश कुमार गौड़ ने टिप्पणी की कि पूर्ववर्ती बीआरएस सरकार ने अपने वादों को पूरा नहीं किया, क्योंकि वह सत्ता में अपने दस वर्षों के दौरान आबादी के विभिन्न वर्गों को धोखा देते हुए एक भी डबल बेडरूम का घर देने में विफल रही। कांग्रेस सरकार ने असाधारण विकास और कल्याणकारी पहलों के कार्यान्वयन के माध्यम से जनता के समर्थन से अपने कार्यकाल के डेढ़ वर्ष पूरे कर लिए हैं। वित्तीय सीमाओं के बावजूद, मुफ्त बस यात्रा और सब्सिडी वाले चावल जैसे कार्यक्रम प्रभावी बने हुए हैं। इसके अलावा, 200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में एकीकृत स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं।

कालेश्वरम भाजपा की नीति पर पीएम मोदी के शब्द : बंडी संजय

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने विपक्षी राजनीतिक दलों पर कालेश्वरम परियोजना को लेकर अपनी पार्टी भाजपा के खिलाफ जहरीला अभियान चलाने के लिए हमला बोला है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कालेश्वरम परियोजना पर पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा बोले गए शब्द उनकी पार्टी द्वारा अपनाए गए रुख हैं। कालेश्वरम पर हमारा रुख बिल्कुल साफ है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बोले गए शब्द भाजपा की नीति है। प्रधानमंत्री के तौर पर 12 साल तक सही शासन देने वाले

मोदी ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना पूर्व सीएम केसीआर के परिवार के लिए एटीएम की तरह बन गई है। हमारी मांग है कि इस परियोजना की सीबीआई जांच हो, उन्होंने स्पष्ट किया। उन्होंने सवाल किया कि पिछले चुनाव के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कहे गए उन शब्दों का क्या हुआ कि कालेश्वरम परियोजना भ्रष्ट है और इसकी सीबीआई जांच होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि कालेश्वरम परियोजना किसी काम की नहीं रही। संजय ने दावा किया कि कुछ लोग दुर्भावनापूर्ण प्रचार कर रहे हैं कि कालेश्वरम पर भाजपा का रुख बदल गया है और उसने बीआरएस पार्टी के साथ मिलीभगत कर ली है। उन्होंने दोहराया कि कालेश्वरम परियोजना पूरी तरह से भ्रष्ट परियोजना है।

नकली मुद्रा जब्त, एक को बाचुपल्ली पुलिस ने पकड़ा

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बाचुपल्ली पुलिस ने नकली मुद्रा रखने और उसे चलाने में शामिल एक व्यक्ति को पकड़ा। आरोपी प्रथिपति प्रेम चंदू, जो आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले का निवासी है, पुणे के रहने वाले राकेश नामक व्यक्ति के संपर्क में आया, जिसने प्रेम चंदू को नकली मुद्रा नोट वितरित करके आसानी से पैसा कमाने के तरीके के बारे में बताया। राकेश के निर्देश पर, प्रेम चंदू ने कमीशन के बदले हैदराबाद में व्यक्तियों को ऐसी मुद्रा देने पर सहमति जताई। 21 जून, 2025 को लगभग 3.30 बजे, प्रेम चंदू को निज़ामपेट आर्क के पास पाया गया, जो 15,00,000 के नकली नोट देने की तैयारी कर रहा था, सभी 500 के मूल्यवर्ग में थे। गुप्त सूचना के

आधार पर, बाचुपल्ली पुलिस ने आरोपी को मौके पर ही पकड़ लिया। उसके कब्जे से कुल 15,00,000 नकली नोट और एक रेडमी मोबाइल फोन जब्त किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीसीपी बालानगर जोन के. सुरेश कुमार, आईपीएस ने नकली नोटों के प्रचलन पर अंकुश लगाने में त्वरित और कुशल कार्रवाई के लिए एसीपी कुकटपल्ली ई. रविकिरन रेड्डी, बाचुपल्ली एसएचओ उपेंद्र राव और एसआई के. श्रीनिवास और उनकी टीम की सराहना की।

अज्ञात लोगों ने 4 महीने के शिशु को नरसापुर जंगल में छोड़ा

मेदक, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अज्ञात व्यक्तियों ने रविवार को कोंडापुर के निकट नरसापुर वन क्षेत्र में चार महीने के एक शिशु को छोड़ दिया। स्थानीय लोगों ने जब शिशु के रोने की आवाज़ सुनी तो वे मौके पर पहुंचे और बच्चे को बचाया। वे बच्चे को पास के एक घर में ले गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया। महिला एवं बाल कल्याण विभाग के अधिकारियों ने पुलिस के साथ मिलकर बच्चे को चिकित्सा जांच के लिए नरसापुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और शिशु को छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

सीएम रेवंत रेड्डी तेलंगाना के स्वाभिमान को नुकसान पहुंचा रहे हैं : इटेला राजेंद्र

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सांसद इटेला राजेंद्र ने याद दिलाते हुए कि तेलंगाना राज्य का गठन कई नागरिकों के बलिदान से हुआ था, आज आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी तेलंगाना के लोगों के स्वाभिमान को नुकसान पहुंचा रहे हैं। शहर के सिकंदराबाद में आयोजित विकासशील भारत संकल्प सभा की बैठक में बोलते हुए इटेला राजेंद्र ने प्रधानमंत्री मोदी के शासन की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब वे राज्य के स्वास्थ्य मंत्री थे, तब देश की स्थिति दयनीय थी क्योंकि पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से तबाह हो गई थी और उन्होंने कहा कि उन्हें डर था कि अमेरिका और चीन में जो स्थिति हुई, वह भारत में भी होगी। उन्होंने कहा, चाहे कितने भी लोग धमकी दें,

प्रधानमंत्री मोदी डरे नहीं। प्रधानमंत्री ने देश में कोविड वैक्सीन के निर्माण को प्रोत्साहित किया। देश के लोगों ने ही नहीं, बल्कि भारत ने भी वैक्सीन उपलब्ध कराकर दूसरे देशों का साथ दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम को इस विचार के साथ लागू किया कि हमारे देश की बौद्धिक शक्ति विदेश न जाए। उन्होंने करोड़ों का फंड देकर स्टार्टअप कंपनियों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी एक महान दूरदर्शी नेता और बुद्धिमान व्यक्ति हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की घोटालों के प्रतीक के रूप में आलोचना की और दावा किया कि कांग्रेस का अन्याय का इतिहास रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि उन्होंने वर्षों तक अपमानित होने, लड़ने, खड़े होने और बलिदान देने के बाद तेलंगाना हासिल किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम रेवंत रेड्डी के कारण तेलंगाना के स्वाभिमान को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना के लोगों के स्वाभिमान का अपमान किया है। उन्होंने देश को दुनिया का शिक्षक बनाने के लिए मोदी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि देश विश्व गुरु के रूप में विकसित होगा। उन्होंने कहा कि मोदी एक ऐसे नेता हैं जो श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नक्शेकदम पर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता ऐसा नेता चाहती है, जो उनके पैरों के कांटे निकाल सके। राजेंद्र ने कहा कि केंद्र द्वारा उपलब्ध कराए गए धन से राज्य में कई कार्य और योजनाएं चलाई जा रही हैं।

खेत में काम करते समय बिजली की करंट लगने से मौत

मेदक, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मनोहराबाद मंडल के कल्लकल गांव में रविवार को एक खेत में बिजली का काम करते समय एक इलेक्ट्रीशियन की करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान तूप्रान मंडल के अल्लापुर गांव निवासी मर्री रामुलु (51) के रूप में हुई है। वह कल्लकल ग्राम पंचायत में इलेक्ट्रीशियन के पद पर कार्यरत था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और घटना की जांच कर रही है।

CLASSIFIEDS
LOST OF DOCUMENT
I, RAVULA NARAHARI GOUD S/o Late Rayula Seethaiah goud R/o. H.No:1-10-213, Begumpet, Hyderabad. I Lost My Flat Link Document No. 318/2017 SRO SR Nagar while Traveling From Begumpet to Secunderabad by Auto. If Any found Please Call 9100078588

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जब तेलुगु राज्य में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था विमान

मात्र 4 लोगों को आयी थी चोटें

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। अहमदाबाद में हाल ही में हुई एयर इंडिया विमान दुर्घटना पूरे देश के लिए हमेशा एक अविस्मरणीय अनुभव रहेगा। ऐसी कई हवाई दुर्घटनाएं हैं, जहां सैकड़ों यात्रियों को ले जा रहे विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गए और उसमें सवार सभी लोग मारे गए। एक ऐसी ही एक बहुत गंभीर घटना हमारे एक तेलुगु राज्य में घटी थी, जहां इंडियन एयरलाइंस का एक विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर जमीन पर गिर गया था, लेकिन विमान में सवार सभी यात्री चमत्कारिक रूप से बच गए थे। यात्रियों में तेलुगू फिल्म उद्योग के कई बड़े सितारे जैसे चिरंजीवी, बालकृष्ण, विजयशांति, वेंकटेश और अल्लू रामलिंगैया शामिल थे, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण विमान तिरुपति के पास धान के खेत में दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

तिरुपति विमान दुर्घटना के गवाह रहे 80 वर्षीय देसी रेड्डी ने पुरानी यादें ताज़ा कीं और क्रैश की दिल दहलाने वाली घटनाओं के बारे में बताया। घटना के दिन हैदराबाद जाने वाली इंडियन एयरलाइंस की 440 एयरबस ने 272 यात्रियों और केबिन क्रू को लेकर सुबह करीब 6.20 बजे मद्रास से उड़ान भरी थी। विमान

सुबह करीब 7 बजे बेगमपेट एयरपोर्ट पहुंचा, लेकिन चूंकि सुबह सर्दी का मौसम था, इसलिए एयरपोर्ट परिसर में घना कोहरा छाया हुआ था। चूंकि पायलट एयरपोर्ट के रनवे को नहीं देख पाया, इसलिए उसने मद्रास वापस जाने का फैसला किया। लेकिन वापस लौटते समय विमान को कुछ तकनीकी खराबी के कारण कम गति और कम ऊंचाई पर यात्रा करनी पड़ी, जिसके परिणामस्वरूप विमान का ईंधन टैंक खाली हो गया।

पायलट द्वारा विमान को मद्रास तक उड़ाने के प्रयासों के बावजूद, ईंधन खत्म होने के कारण इसे गुंडापल्ले गांव के एक खेत में उतरना पड़ा, जो तिरुपति हवाई अड्डे से 14 समुद्री मील दूर था। चमत्कारिक रूप से, विमान में सवार सभी 272 यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित बच गए, केवल चार को मामूली चोटें आईं। तेज आवाज सुनते ही गांव के लोग मौके पर पहुंचे। उस समय गांव के सरपंच रहे देसी रेड्डी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद पुलिस कर्मियों ने उस जगह को घेर लिया और यात्रियों को बचाया। रेड्डी के अनुसार, जैसे ही खबर फैली, आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मर्रीचन्ना रेड्डी मौके पर पहुंचे, क्योंकि यात्रियों में उनकी बेटी और पोती भी शामिल थीं। पूर्व सरपंच ने कहा कि उन्होंने पायलट कैप्टन राम पी भल्ला और सह-पायलट वल राज को विमान से बाहर आने के बाद डर से कांपते हुए देखा था, जिसके बाद विमान को जबरन उतारा गया।

रेड्डी ने बताया कि किस तरह उन्होंने चिरंजीवी, बालकृष्ण और अल्लू रामलिंगैया को पानी और अन्य पेय पदार्थ उपलब्ध कराए थे तथा उन्हें सांत्वना दी थी, क्योंकि वे संकट में थे। रेड्डी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद अभिनेताओं ने उनसे पूछा कि वे गांव वालों को आभार के तौर पर क्या दे सकते हैं। गांव वालों ने अस्पताल की मांग की, उन्होंने वादा किया, लेकिन वह पूरा नहीं हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान के यात्रियों की सूची में अभिनेता चिरंजीवी, बालकृष्ण, वेंकटेश, विजयशांति, अल्लू रामलिंगैया और उनकी पत्नी, मालाश्री, कॉमेडियन सुधाकर, कॉस्ट्यूम कृष्णा, निर्देशक कोडी रामकृष्ण, एसवी कृष्णा रेड्डी, उप्पलपति नारायण राव, बापू, लेखक पारुचुरी वेंकटेश्वर राव, एमडी सुंदरम, निर्माता के शेखर बाबू, कतरागड्डा प्रसाद, रासी मूवीज नरसिम्हाराव, कोरियोग्राफर सुचित्रा, फाइट मास्टर सुपर, सुब्बारायण, फोटोग्राफर केएस हरि, अनुमोलु हरि और चिरंजीवी के निजी मेकअप मैन शिवा शामिल थे।

वन्यजीवों को बढ़ावा देने के लिए वनरोपण अभियान

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सितंबर 2024 में एटुर्नगरम के जंगलों में लगभग 70,000 पेड़ों को उखाड़ने वाली तबाही के बाद, राज्य वन विभाग ने हरित आवरण को बहाल करने और वन्यजीवों की संख्या बढ़ाने के लिए एक व्यापक वनीकरण योजना तैयार की है। इस वर्ष के वन महोत्सव कार्यक्रम के तहत विभाग ने सबसे पहले बड़े क्षेत्र में घास के मैदान विकसित करने की योजना बनाई है, इसके बाद प्रमुख सड़कों के किनारे बांस के पौधे लगाने की योजना बनाई है। तडवई और मुलुगु के बीच वन क्षेत्र में एक भयंकर तूफान और अचानक बादल फटने के कारण लगभग 330 हेक्टेयर हरियाली नष्ट हो गई। 70,000 से अधिक पेड़ उखड़ गए और घास के मैदानों को भारी नुकसान पहुंचा।

नुकसान की भरपाई के लिए विभाग पहले चरण में 50 से 60 एकड़ में घास के मैदान विकसित कर रहा है। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अगले मानसून तक ये घास के मैदान पूरी तरह विकसित हो जाएंगे। इसके अलावा, ताड़वई-मेडाराम सड़क के दोनों ओर लगभग 8 किलोमीटर तक व्यापक बांस के बागान लगाने की योजना है। बांस को इसकी तेज़ वृद्धि और परिपक्व होने पर विभाग के लिए राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता के कारण चुना गया था। घास के मैदानों और बांस के बागानों का विकास जंगली बिल्लियों की आबादी बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिकारी ने कहा कि हालांकि इस क्षेत्र में अभी बाघों और तेंदुओं की संख्या सीमित है, लेकिन इस पहल से उनकी आबादी में सुधार होने की उम्मीद है।

दूसरे चरण के तहत, विभाग शिकार आधार को मजबूत करने के लिए चित्तीदार हिरण, काले हिरण और अन्य शाकाहारी जानवरों को छोड़ने की भी योजना बना रहा है। एक बार जब घास के मैदान उपयुक्त सीमा तक परिपक्व हो जाएंगे, तो विभिन्न हिरण पार्कों से चित्तीदार हिरणों को जंगलों में लाया जाएगा। इसके अलावा, नारायणपेट जिले के मकथल और कृष्णा मंडलों के साथ-साथ निजामाबाद और निर्मल जिलों के कुछ हिस्सों के किसान काले हिरणों की मौजूदगी के कारण होने वाली समस्याओं की रिपोर्ट कर रहे हैं। इन काले हिरणों को एक बार स्थानांतरित करने के बाद, घास के मैदान के विकास के बाद एटुर्नगरम के जंगलों में भी छोड़ा जाएगा।

तबाही के बाद, मौसम विभाग और राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र (एनआरएससी) की 10 टीमों ने विस्तृत अध्ययन किया था। सरकार को सौंपी गई उनकी रिपोर्ट में मुख्य रूप से कई पेड़ों की उथली जड़ प्रणाली को नुकसान पहुंचाने की बात कही गई थी। इसके अलावा, दो चक्रवाती संरचनाओं के कारण भारी बारिश और तेज़ आंधी आई थी, जिससे व्यापक नुकसान हुआ था।

बीआरएस ने 1,100 करोड़ रुपये के धान टेंडर घोटाले का लगाया आरोप, जांच की मांग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व विधायक सुदर्शन रेड्डी ने कांग्रेस सरकार पर नागरिक आपूर्ति विभाग की धान निविदा प्रक्रिया में 1,100 करोड़ रुपये का घोटाला करने का आरोप लगाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार तेलंगाना उच्च न्यायालय में बीआरएस द्वारा दायर मामले में कानूनी कार्यवाही को जानबूझकर रोक रही है। रविवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि टेंडर में केवल चार बोलीदाताओं को भाग लेने की अनुमति दी गई थी, जिसकी कीमत 2,007 रुपये प्रति क्विंटल तय की गई थी। मिल मालिकों को कथित तौर पर बिना किसी धान की खरीद के 2,230 रुपये प्रति क्विंटल तक का भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने दावा किया कि मिल मालिकों से एकत्र किया गया पैसा राज्य के खजाने को दरकिनार करते हुए सीधे बोलीदाताओं के खातों में भेज दिया गया।

उन्होंने कहा कि सरकार टेंडरों के ज़रिए 7,500 करोड़ रुपये तक कमा सकती थी, लेकिन उसे उम्मीद से आधी रकम भी नहीं मिली। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने बीआरएस द्वारा दायर जनहित याचिका (पीआईएल) में 16 स्थगन मांगकर हाईकोर्ट में कार्यवाही में बाधा डाली।

बचपन से देशभक्ति हमारे अन्दर है : निकिता दत्ता

निकिता दत्ता उन हीरोइनों में शुमार है जिन्होंने टी.वी. यानी छोटे पर्दे की दुनिया में सफल होने के बाद बॉलीवुड में कदम रखा। आज फिल्मों से लेकर ओ.टी. टी. पर शानदार पहचान बना चुकी निकिता ने छोटे पर्दे से बॉलीवुड में करियर बनाने के दौरान रिजैक्शन भी झेले हैं लेकिन कभी हार नहीं मानी।

अब तक का करियर

निकिता ने साल 2012 में फैमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। इसके बाद उसने 2014 में रोमांटिक फिल्म 'लेकर हम दीवाना दिल' से अपने अभिनय करियर की शुरूआत की। वहीं टी.वी. की दुनिया में उसने 2015 में सीरियल 'ड्रीम गर्ल' से शुरूआत की और 2016 में 'एक दूजे के वास्ते' से पहचान बनाई। वह 'गोल्ड', 'कबीर सिंह', 'द बिग बुल' और 'खाकीः द बिहार चैप्टर' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी है। हाल ही में, वह एक्शन थ्रिलर 'ज्वैल थीफ - द हीस्ट बिगिन्स' में नजर आई है ।

अनुशासित बचपन ने की मदद

अपने बचपन को याद करते हुए बताती है कि उसका बचपन काफी अनुशासित माहौल में गुजरा है । वह ऐसे माहौल में पली-बढ़ी जहां नियम और जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दी जाती थी ।

उसने इस परवरिश को व्यवस्थित और दृढ़ रहने की अपनी आदतों की नींव डालने का श्रेय दिया- ऐसे गुण जो उसके व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन को आज भी प्रभावित करते हैं। निकिता ने अपनी शुरूआती महत्वाकांक्षाओं के बारे में एक दिलचस्प खुलासा भी किया कि वह यू.पी.एस.सी. परीक्षा देकर आई.ए.एस. अफसर बन कर सिविल सेवाओं में करियर मैं एक सिविल सेवक बनाना चाहती थी। शोबिज की दुनिया में कदम रखने से बहुत पहले, उसने एक सिविल सेवक के रूप में देश की सेवा करने की कल्पना की थी । अपने करियर के सफर के बारे में बात करते हुए उसने कहा, फौजी परिवार से हूं। मेरे डैडी ही नहीं, मेरी पूरी फैमिली सेना में रही है तो देशभक्ति हमारे सिस्टम के अन्दर है क्योंकि हमने बचपन से यह सब देखा है लेकिन मेरे लि ए देशभक्ति ची ख - चीखकर नारे लगाना या झंडा फहराना नहीं है कि मैं हर वक्त नारे लगाऊं या किसी को जबरदस्ती बोलूं कि तुम भी बोलो।

यह मेरी देशभक्ति की परिभाषा कभी नहीं रही है । मैं एक डिफैंस अफसर की बेटी के तौर पर बोल रही हूं कि आपको अपने देश के लिए कुछ करने या देशभक्ति जताने के लिए फौज में जाने या जंग लड़ने की जरूरत नहीं है। आप यह सोचें कि अपनी क्षमता के अनुसार आ प दे श के लिए क्या कर सकते हैं।

"मसलन, क्या आप अपने देशवासियों से प्यार करते हैं, क्या आप उनकी इज्जत करते हैं, क्या आप अपने देश को साफ रखते हैं, अगर आप देश को साफ नहीं रखते हैं तो उसकी बेइज्जती वहीं कर रहे हैं, क्योंकि आपको लगता है कि देश को साफ करने का काम आपका नहीं है। मेरे लिए देशभक्ति यह है कि आप एक नागरिक के तौर पर अपने कर्त्तव्यों को समझें और उस जिम्मेदारी को सही से निभाएं।

"स्वाभाविक रूप से, उस अनुशासित वातावरण में पली-बढ़ी, मैं एक समय पर, यू.पी.एस.सी. परीक्षा देना और सिविल सेवा करना चाहती थी । मेरे जैसे बचपने वाली युवती के लिए अभिनय को एक पेशे के रूप में चुनना बहुत बड़ा बदलाव लगता है।

उसने कहा, हम इतने सारे नियमों, तय दिनचर्या और प्रतिबंधों के साथ बड़े हुए हैं - सब कुछ अनुशासन, कर्त्तव्य और व्यवस्था के बारे में था। फिल्मों जैसे अनिश्चितता से भरपूर फील्ड में करियर बनाना उससे पूरी तरह अलग था जिस माहौल की मैं आदी थी, लेकिन कहीं न कहीं, मुझे लगता है कि उन मूल्यों ने मुझे एक ऐसे उद्योग में केंद्रित और लचीला बने रहने में मदद की है जो अक्सर काफी उथल-पुथल से भरा रहता है ।

खुशी और प्यास से भर गई मेरी जिंदगी : शरवरी वाघ

शरवरी वाघ की सुपरहिट हॉरर कॉमेडी फिल्म श 'मुंज्या' को रिलीज हुए एक साल चुका है। इस फिल्म में उसने बेला का किरदार निभाया था, वहीं अभय वर्मा फिल्म का हीरो था । फिल्म की रिलीज को 1 साल होने के मौके पर शरवरी ने खुलासा किया कि वह इसकी रिलीज से पहले थोड़ी डरी हुई थी और साथ ही बहुत खुश और उत्साहित भी थी।

शरवरी ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़े 'बिहाइंड द सीन्स' की कुछ झलकियां शेयर कीं। साथ ही एक लंबा नोट भी लिखा, एक साल पहले आज ही के दिन फिल्म 'मुंज्या' रिलीज हुई थी। उम्मीद, हिम्मत और प्यार के साथ हमने अपनी मेहनत और खुशियों को दुनिया के सामने पेश किया।

उसने आगे लिखा, "मुझे याद है कि फिल्म रिलीज से पहले मेरी बातचीत डायरैक्टर आदित्य सरपोतदार से हुई थी। उस वक्त मैं डरी हुई थी, और उत्साहित भी थी लेकिन कौन सोच सकता था कि 1 साल बाद हम इस सुपरहिट फिल्म का जश्न मना रहे होंगे।

हमेशा खास रहेगा 'तरस' गीत

फिल्म में अपनी एक्टिंग से दर्शकों की तारीफ बटोरने के अलावा शरवरी ने अपने गाने 'तरस' के लिए भी काफी सराहना हासिल की थी। शरवरी ने लिखा, " गीत 'तरस' मेरे लिए बहुत खास रहेगा, क्योंकि यह मेरा पहला सिंगल गीत था और आज भी जब मुझे इस गाने के लिए इतना प्यार मिलता है, तो वह सच में बहुत खास और अच्छा लगता है । धन्यवाद आप सभी दर्शकों का, जिन्होंने हमारी फिल्म को इतना प्यार दिया और मेरे करियर को आगे बढ़ाया। यह सफर आप सबके बिना अधूरा है ।

टीम को कहा धन्यवाद

शरवरी ने अपनी टीम का भी शुक्रिया अदा किया और लिखा, "धन्यवाद हर एक व्यक्ति को, जिन्होंने इस फिल्म को संभव बनाया। कौन सोच सकता था कि यह छोटी- सी डरावनी कहानी 'मुंज्या ' मेरी जिंदगी में इतना सारा प्यार और खुशी लेकर आएगी।

इस फिल्म को अमर कौशिक और दिनेश विजन ने मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनाया था । चुनी गई 'यंग फिट इंडिया' आइकॉन शरवरी को हाल ही में युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 'यंग फिट इंडिया' आइकॉन के तौर पर नियुक्त किया। इसके लिए उसने आभार व्यक्त करते हुए कहा, "मुझे इसका हिस्सा बनने पर गर्व है ।

अभिनेत्री ने बताया कि 'संडे ऑन साइकिल' सरकार के 'फिट इंडिया मूवमैंट' पहल का विस्तार है। आयोजन के 25वें संस्करण में शरवरी को खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के नेतृत्व में आधिकारिक रूप से 'यंग फिट इंडिया' आइकॉन के रूप में नियुक्त किया गया। इस पर खुशी व्यक्त करते हुए, शरवरी ने कहा, यह मेरे लिए सम्मान की बात है। इस अद्भुत पहल का हिस्सा बनना रोमांचक है, जो साइकिल चलाने के जरिए फिटनैस और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता है और मुझे इसमें भाग लेने तथा अपना योगदान देने पर गर्व है।

राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शरवरी ने इसमें हिस्सा लिया और इस दौरान कर्त्तव्य पथ पर साइकिल भी चलाई । देशभर में 5,000 से अधिक स्थानों पर 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया था । विशेष संस्करण देश के उन बहादुर सैनिकों को समर्पित था, जिन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। करियर की शुरुआत और चुनौतियां शव ने 16 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रखा और 2013 में 'क्लीन एंड क्लियर फ्रैश फेस' प्रतियोगिता जीती। इसके बाद, उसने अभिनय में करियर बनाने के लिए जैफ गोल्डबर्ग स्टूडियो में नौ महीने का एक्टिंग कोर्स किया। अपने करियर की शुरूआत में, उसने 'प्यार का पंचनामा 2', 'बाजीराव मस्तानी' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम किया।

हालांकि, अभिनय में ब्रेक पाना आसान नहीं था। 2014 से शुरू हुए उसके ऑडिशन के सफर में उसे 6 साल तक कई रिजैक्शन का सामना करना पड़ा लेकिन उसने कभी हार नहीं मानी और अंततः वैब सीरीज 'द फॉरगॉटन आर्मी - आजादी के लिए' में मुख्य भूमिका हासिल की जिससे उसे पहचान मिली।

मैंने यह पैसला दिल से लिया है : निक्की तंबोली

निक्की तंबोली ने अपने लाइफस्टाइल में बड़ा बदलाव किया है। उसने सोशल मीडिया पर घोषणा की कि वह आधिकारिक तौर पर 'वीगन' यानी पूर्ण शाकाहारी बन गई है। इन दिनों एक्टर अरबाज पटेल को डेट कर निक्की ने यह कदम पूरी तरह से व्यक्तिगत विश्वास के आधार पर उठाया है और जोर दिया कि उसके इस फैसले का उसके साथी की धार्मिक मान्यताओं से कोई लेना-देना नहीं है ।

निक्की ने एक पोस्ट शेयर की, जिसमें लिखा था, "गो वीगन ! वीगन कोई डाइट नहीं है। यह आपका दिल चुनता है क्योंकि मैं वह बदलाव ला रही हूं जो मैं इस दुनिया में देखना चाहती हूं। काफी समय से मैं इस फैसले पर विचार कर रही थी और आखिरकार मेरी अंतरात्मा ने मुझे यह फैसला लेने के लिए प्रेरित किया । मुझे इस बात का एहसास हो गया है कि मेरे जीने के लिए किसी जानवर को मरने की जरूरत नहीं है । ₹

उसने जानवरों की बलि की प्रथा पर भी अपनी बात रखी। निक्की ने कहा, "मैं निश्चित रूप से ऐसे त्यौहारों के पक्ष में नहीं हूं। मैं इस बात को स्वीकार नहीं कर सकती कि अल्लाह की खातिर लाखों जानवरों की बलि दी जाती है। मैं अब इस बात को सहन नहीं कर सकती ।

अरबाज संग डेटिंग पर बोली

निक्की यहीं नहीं रुकी, उसने आगे लिखा, ₹परिवर्तन घर से शुरू होता है और इसीलिए, इस बारे में दृढ़ विश्वास रखने के लिए मुझे खुद ही शाकाहारी बनना पड़ा। यह भावना ही मुझे शांत करके सुकून देती है । मेरा रिश्ता या मेरी डेटिंग लाइफ यह तय नहीं करती है कि मैं क्या खाने जा रही हूं, है न? मेरे लिए मेरा व्यक्तित्व और खुद के साथ मेरा संबंध मेरी प्राथमिकता है और मैं इसके साथ किसी भी तरह से समझौता नहीं कर सकती ।

धर्म और खाना दो अलग बातें

उसने अंत में कहा, " धर्म और खाने का ऑप्शन पूरी तरह से अलग- अलग चीजें हैं और लोगों को दोनों को मिलाना नहीं चाहिए। मैं हमेशा से अपने दिल और अंतरात्मा की आवाज सुनने वाली रही हूं और मैं हमेशा ऐसा ही करती रहूंगी।

'बिग बॉस नहीं हुआ फायदा

बचपन से ही अभिनय का शौक रखने वाली निक्की एक मॉडल और अभिनेत्री है जो मुख्य रूप से ते लु गु , त मि ल सिनेमा और

हिं दी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में काम कर रही है। उसे अभिनय क्षेत्र में कामयाबी आसानी से न हीं मिली। रियलिटी शो 'बिग बॉस 14' उसका सबसे अधिक कामयाब शो रहा जिसमें सैकेंड रनरअप रह कर उसने काफी सुर्खियां बटोरीं लेकिन उसका कहना है कि 'बिग बॉस' में कामयाबी के बाद उसे रिजैक्शन का अधिक सामना करना पड़ा। उसने कभी इस बात पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि वह नहीं चाहती थी कि वह जब भी फ्री रहे तो इन सारी बातों की वजह से उसे डिप्रैशन का सामना करना पड़े।

परिवार का मिला साथ

उसने अपने परिवार और दोस्तों के साथ काफी समय बिताया और तभी इस समस्या से उबर भी पाई । आज उसने इंडियन एंटरटेनमैंट इंडस्ट्री में अपनी एक खास जगह बना ली है। उसकी ग्लैमरस छवि ही उसे रियलिटी शोज, म्यूजिक वीडियोज और अन्य कई प्रोजैक्ट्स में कामयाबी दिलाती है।

मुझे वजन उठाना पसंद है : कृष्णा श्रॉफ

जैकी श्रॉफ की बेटी और टाइगर श्रॉफ की बड़ी बहन कृष्णा श्रॉफ फिटनैस आइकन के साथ ही बिजनैस वूमन भी है। सच कहने से कभी पीछे न हटने वाली कृष्णा के लिए जब फिटनेस की बात आती है, तो वेट ट्रेनिंग यानी कसरत करने के लिए वजन उठाने के प्रति उसका जुनून सबसे आगे नजर आता है। फिटनैस की शौकीन कृष्णा का मानना है कि वेट ट्रेनिंग शरीर को तराशने का सबसे प्रभावी तरीका है।

वह कहती है, मेरा जुनून हमेशा से ट्रेनिंग रहा है । मेरा मानना है कि वेट्स उठाना आपके शरीर को निखारने का एक अच्छा तरीका है जिससे व्यक्ति खुद को ठीक वैसा आकार दे सकता है जैसा वह चाहता है।

वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करती है कि पारंपरिक कार्डियो वर्कआऊट की तुलना में वेट ट्रेनिंग उसे अधिक पसंद है। कृष्णा के लिए जिम सिर्फ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है, यह उस शक्ति की खोज के बारे में है जो हैवी वेट उठाने के बाद आती है।

कृष्णा के लिए स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की लत सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव है जो शरीर और मन दोनों को एक साथ बदलता है।

वह कहती है, "स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की सच में लत लग जाती है। यह सिर्फ हफ्ते-दर- हफ्ते शारीरिक प्रगति नहीं दिखाती, बल्कि यह मानसिक रूप से भी बहुत कुछ बदलती है और आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक ले जाती है।

वह कहती है, "मुझे लगता है कि जिम जाना, खास तौर पर वेट ट्रेनिंग, ने मुझे आत्मविश्वास की एक नई भावना दी है जो बचपन में मेरे पास नहीं थी ।

डाइटिंग में विश्वास नहीं

एक ऐसी दुनिया में जहां लोग 'क्विक फिक्स' परिणामों और ड्रामेटिक बदलावों के पीछे भागते हैं, कृष्णा स्वास्थ्य और फिटनैस के प्रति एक संतुलित और टिकाऊ नजरिया अपनाने की वकालत करती है। उसका मानना है कि फिटनेस का मतलब अवास्तविक लक्ष्यों के पीछे भागना नहीं है, बल्कि मानसिक और शारीरिक संतुलन पाना है।

फिटनैस और वजन कम करने के लिए डाइटिंग करने की धारणा पर कृष्णा ने कहा, ₹फिटनेस का मतलब संतुलन है, न कि अतिशयता ! जब तक आप एक सीमित दायरे में हैं... आप स्वस्थ रहेंगे। मैंने कभी फैड डाइट्स या किसी भी तरह की अतिशयता में विश्वास नहीं किया। जब तक पोषण, ट्रेनिंग और जीवनशैली में एक निश्चित सीमा के भीतर रहते हैं, तब तक आप स्वस्थ रहते हैं ।

कंगना शर्मा ने सिखाया 'सबक

फिल्म इंड्स्ट्री में कास्टिंग काऊच को लेकर कई अभिनेत्रियों ने अपने-अपने अनुभवों का खुलासा किया है। हाल ही में कंगना शर्मा ने भी ऐसा ही एक खुलासा किया। कंगना ने कहा, "शुरू में मेरे साथ जो हुआ वह बड़ा वाहियात था। फिल्म की कास्टिंग हो रही थी। एक बड़ी एजैंसी है जिसके वह मालिक थे। उन्होंने मुझे बुलाया और पूछा कि क्या कर रही हो तो मैंने उनको अपने कुछ प्रोजैक्ट्स बताए। बोल्ड सीन्स के लिए उन्होंने पूछा तो मैं तैयार थी। मैंने सोचा कि क्या ही होगा और पूरा न्यूड सीन तो सैंसर बोर्ड ही रिजैक्ट कर देगा ।

उसने बोला कि तुम क्या कर सकती हो, इस रोल के लिए तो मैंने कहा कि मैं एक्टिंग करूंगी, जो सीन करने के लिए बोले जाएंगे वे करूंगी। उन्होंने कहा कि बोल्ड सीन कर लोगी तो मैंने कहा कि हां कर लूंगी। तो बोलते हैं कि मुझे कुछ क्रेजी-सा करके दिखाओ। मैंने बोला यहां पर ? तो वह बोले हां यहां पर। मतलब पब्लिक वहां बैठी हुई है। जैसे रैस्टोरैंट में लोग बैठे रहते हैं ।

कंगना ने आगे कहा, "मैंने फ्रॉक पहनी हुई थी तो वह बोले कि अपने अंडरगार्मेंट्स उतारकर मेरे हाथ में दे दो। पहले मैं शॉक हो गई कि भाई यह कौन - सा तरीका है इतने लोगों के बीच में... फिर मैंने कहा कि तू रैपटे यहां खाएगा या कहीं और चले जाओ तू वरना जलती हुई यह डिश मैं तेरे मुंह पर मार दूंगी। फिर उसने बोला कि किसी को यह बताना मत।

कुंडली में इस तरह बनता है मांगलिक दोष

भारत के इन मंदिर के दर्शन मात्र से मंगल ग्रह होते हैं प्रसन्न

कुंडली के नवग्रहों में से मंगल को ग्रहों का सेनापति कहा जाता है, इसे भूमिपुत्र भी कहा गया है। इसके साथ ही बता दें कि इसकी प्रकृति काफी गर्म है, इसका सीधा संबंध व्यक्ति के ब्लड से होता है। मंगल ग्रह को साहस, ऊर्जा और आत्मविश्वास के साथ जमीन का भी कारक माना गया है। मंगल ग्रह मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी भी हैं। इसके साथ मंगल मकर राशि में उच्च और कर्क राशि में नीच का माना गया है।

इन लोगों की कुंडली में होता है मांगलिक दोष

वैदिक ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह को बहुत ही क्रूर और उग्र ग्रह माना गया है। ऐसे में जातक की कुंडली के पहले, चौथे, सातवें, आठवें और 12वें भाव में मंगल अगर बैठे हों तो वह व्यक्ति मांगलिक कहलाता है। ऐसे में जातक की कुंडली में अगर मंगल दोष हो तो उसके विवाह में परेशानियां आती है और संतान प्राप्ति में भी देरी हो सकती है। कुंडली के पहले भाव से जातक के स्वभाव, सेहत और व्यक्तित्व का संबंध, चतुर्थ भाव से माता, घर, संपत्ति और सुख का संबंध, सप्तम भाव से विवाह, जीवनसाथी का संबंध, अष्टम भाव से मृत्यु, विरासत का संबंध जबकि बारहवें भाव से खर्च और विदेश यात्रा का संबंध होता है।

मंगल ग्रह का स्वभाव

वैदिक ज्योतिष के अनुसार मंगल ग्रह का स्वभाव कुंडली में स्थान के अनुसार तीन तरह का होता है, सौम्य, मध्यम और कड़क। ऐसे में ज्योतिषाचार्य अर्जुन शर्मा की मानें तो सौम्य मंगल अगर जातक की कुंडली में हो तो कोई दोष नहीं लगता, मंगल मध्यम हो तो दोष 28 वर्षों में समाप्त हो जाता है लेकिन, जातक की कुंडली में अगर कड़क मंगल हो तो फिर मंगल के दोष को शांत कराना जरूरी होता है।

इस तरह करें मंगल ग्रह को शांत

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि कुंडली में मंगल ग्रह किसी शुभ ग्रह के साथ हो या उस पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टि हो तो वह सौम्य मंगल होता है। वहीं मंगल शुभ ग्रहों के साथ कुंडली में हो लेकिन उस पर अशुभ ग्रह की दृष्टि हो तो मध्यम मंगल होता है। लेकिन, मंगल ग्रह के साथ पापी ग्रह बैठे हों और उस पर पापी ग्रह की दृष्टि भी पड़ रही हो तो ऐसे जातक की कुंडली में उच्च मांगलिक दोष बनता है। वैसे देवाधिदेव महादेव और हनुमानजी की पूजा-आराधना से मंगल ग्रह के दोषों को शांत किया जा सकता है।

रंक को बना देते हैं राजा

ऐसे में हम आज आपको देश के उन खास मंदिरों के बारे में बता रहे हैं जहां मंगल दोष से मुक्ति के लिए पूजा की जाती है। इसके साथ ही इन मंदिरों में दर्शन-पूजन करने से भी जातकों के जीवन से मंगल दोष के दुष्प्रभाव समाप्त हो जाते हैं। मंगल के बारे में वैदिक ज्योतिष में कहा गया है कि इस ग्रह की स्थिति अगर कुंडली में उच्च की हो तो यह जातक को रंक से राजा बना सकता है।

मंगल ग्रह को शांत करने के लिए इन मंदिरों के करें दर्शन

ऐसे में महाकाल की नगर मध्य प्रदेश के उज्जैन को मंगल ग्रह का जन्म स्थान माना गया है। यहां क्षिप्रा नदी के किनारे पर मंगलनाथ का मंदिर है। इसे अंगारेश्वर महादेव के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान शिव ही मंगलनाथ के रूप में विराजमान हैं। उज्जैन के 84 महादेव मंदिरों में 43 वें नंबर पर इस मंदिर का जिक्र है। इसे विश्व का एकमात्र मंगल ग्रह का मंदिर माना जाता है। कहते हैं यहां मंगल ग्रह की किरणें सीधी पड़ती है। यहीं से कर्क रेखा होकर गुजरती है और सूर्य की सीधी किरणें मंगल ग्रह के प्रतीक शिवलिंग पर यहां पड़ती है। इस मंदिर का जिक्र स्कंद पुराण के अवंती खंड में मिलता है। इस मंदिर में मंगल दोष से मुक्ति के लिए भात पूजा की जाती है।

यहां है मंगलदेव की स्वयंभू मूर्ति

महाराष्ट्र के जलगांव के पास अमलनेर में मंगल देव का मंदिर है जहां मंगल देव की स्वयंभू और जागृत मूर्ति है। यहां पर मंगलदेव माता भूमि और पंचमुखी हनुमानजी के साथ विराजमान हैं।

शिव दर्शन से दूर होता है मंगल दोष

ग्वालियर से सटे घासमंडी में भी प्राचीन शिव मंदिर है। इस मंदिर में भगवान शिव के दर्शन मात्र से मंगल दोष समाप्त हो जाता है। ग्वालियर में स्थित मंगलेश्वर महादेव मंदिर तकरीबन छह सौ साल पुराना है। इस मंदिर में शिवलिंग स्वयंभू है। यह शिवलिंग मंगलवार के दिन प्रकट हुआ था। यहां के बारे में मान्यता है कि भगवान शिव का यहां दर्शन करने से मंगल दोष दूर हो जाता है।

बेहद रहस्यमयी है यहां की मूर्ति

यूपी के मिर्जापुर जिले में मंगलागौरी का मंदिर स्थित है, यहां के बारे में मान्यता है कि यहां केवल दर्शन मात्र से ही मंगल दोष की समस्या खत्म हो जाती है। यहां स्थित मंगलागौरी की मूर्ति रहस्यमयी है।

घर में सुख-शांति और समृद्धि चाहिए?

घर में पौधे लगाना सिर्फ साज-सज्जा का काम नहीं है, बल्कि ये आपकी ऊर्जा, मनोबल और किस्मत को भी प्रभावित करते हैं। भारतीय परंपरा और ज्योतिष में कुछ खास पौधों को बेहद शुभ माना गया है, लेकिन क्या सभी शुभ पौधों को एक साथ लगाना ठीक होता है? आज हम बात करेंगे दो ऐसे खास पौधों की – शमी और मनी प्लांट। इन दोनों को लेकर अक्सर यह सवाल उठता है कि क्या इन्हें एक ही जगह या एक साथ रखा जा सकता है?

शमी का पौधा क्यों खास है?

शमी का पौधा शनि देव से जुड़ा हुआ माना जाता है। यह पौधा उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद होता है जिनकी कुंडली में शनि की स्थिति अनुकूल नहीं होती। शमी को नकारात्मक असर को कम करने वाला और मानसिक शांति देने वाला पौधा माना गया है। इसे घर की उत्तर, उत्तर-पश्चिम या पूर्व दिशा में लगाना अच्छा होता है। अगर इसे नियमित रूप से जल अर्पित किया जाए और ध्यानपूर्वक रखा जाए तो यह शनि से जुड़ी परेशानियों को दूर करने में मदद करता है।

मनी प्लांट क्या करता है?

मनी प्लांट को आमतौर पर धन और समृद्धि से जोड़ा जाता है। यह पौधा न सिर्फ देखने में सुंदर होता है, बल्कि माना जाता है कि जहां मनी प्लांट ठीक दिशा में और सही तरीके से लगाया जाए, वहां पैसों की दिक्कतें कम होती हैं। इसे दक्षिण-पूर्व दिशा में लगाना शुभ माना गया है, जो कि आग्नेय कोण कहलाता है और धन की दिशा मानी जाती है। अगर इसे साफ-सफाई के साथ रखा जाए तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाता है।

क्या शमी और मनी प्लांट को एक साथ रखना सही है?

ज्योतिष और वास्तु की मान्यता के अनुसार, इन दोनों पौधों को एक साथ रखने में कोई नुकसान नहीं है। बल्कि, ये दोनों मिलकर घर की नकारात्मक ऊर्जा को हटाने और सकारात्मकता को बढ़ाने का काम करते हैं। शमी जहां शनि के प्रभाव को शांत करता है, वहीं मनी प्लांट लक्ष्मी की कृपा को आकर्षित करता है। जब इन्हें साथ रखा जाता है, तो घर में संतुलन बना रहता है – एक ओर न्याय और अनुशासन का प्रभाव, दूसरी ओर धन और समृद्धि का आशीर्वाद।

इन बातों का रखें ध्यान

-शमी को मिट्टी में और मनी प्लांट को पानी में उगाना ज्यादा फायदेमंद होता है, इसलिए दोनों के गमले अलग रखें।

-शमी को सुबह जल अर्पित करना शुभ माना जाता है।

-मनी प्लांट की बेलें ज़मीन पर ना गिरने दें, इन्हें ऊपर की ओर चढ़ाएं।

-दोनों पौधों को साफ-सुथरी जगह पर रखें और सूखे पत्तों को समय-समय पर हटाते रहें।

'S' नाम से शुरू होने वाले लोगों में होती हैं ये विशेषताएं

नाम में क्या है, यह कहना आसान नहीं है। हर नाम की अपनी ताकत, शान और खूबसूरती होती है। इसी तरह हर नाम का पहला अक्षर कई बातों को समेटे होता है। नाम का पहला अक्षर व्यक्ति के व्यक्तित्व, उसके चरित्र, उसकी पसंद, नापसंद और उसके लिए क्या सूट करता है, के बारे में कई बातें बताता है। इसलिए अगर आपका नाम 'S' अक्षर से शुरू होता है, तो देखें कि आपके व्यक्तित्व के लक्षण क्या हैं और आपको क्या सूट करता है।

बुनियादी विशेषताएं

S अक्षर से शुरू होने वाले नाम खुले, मिलनसार और व्यवहार में खुशमिजाज के होते हैं। इनको अपने आस-पास बहुत के लोगों को खुश रखना बहुत अच्छे से आता है। वे दूसरों की बातों को धैर्यपूर्वक और शांति से सुनते हैं और अच्छे से सलाह भी देते हैं। S नाम वाले बाहर से अस्थिर दिख सकते हैं पर भीतर बहुत व्यवस्थित होते हैं, ये अपने सिद्धांतों के लिए कानून या सामाजिक नियमों से टकरा सकते हैं। ये किसी एक धर्म या परंपरा से नहीं जुड़ते, बल्कि सभी से ज्ञान लेकर अपनी एक व्यक्तिगत आध्यात्मिकता विकसित करते हैं। धार्मिक होते हुए भी उदार दृष्टिकोण रखते हैं।

S वालों के प्रेम व रिश्ते

जिन लोगों का नाम S अक्षर से शुरू होता है, वे बहुत रोमांटिक लोग होते हैं। इसके अलावा, वे सभी रिश्तों को भावनात्मक रूप से देखते हैं। वे अपनी भावनाओं को शानदार ढंग से व्यक्त करते हैं। वे अपने जीवनसाथी के लिए प्यार और स्नेह रखते हैं। वे बहुत वफादार होते हैं और कभी भी

वादे नहीं तोड़ते। रिश्तों में ईमानदारी और खुलापन उनके लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

दर्शनिक और वैज्ञानिक प्रवृत्ति

ये जीवन के वैज्ञानिक होते हैं। जीवन को सुंदर, उपयोगी और संतुलित बनाने के उपाय खोजते रहते हैं। विचारशील और सुलझे हुए लेखक, शिक्षक या सुधारक भी हो सकते हैं। सामाजिक रूप से अत्यंत प्रभावशाली होते हैं। लोगों पर गहरी छाप छोड़ते हैं और लोकप्रियता अर्जित करते हैं। दोस्त और साथी इनसे लाभान्वित होते हैं।

कार्य, करियर, जीवन

जिन लोगों का नाम S अक्षर से शुरू होता है, वे जिस भी क्षेत्र में होते हैं, उसमें लक्ष्य-उन्मुख होते हैं। वे स्वभाव से मेहनती होते हैं। रचनात्मक लेखन और कलात्मक क्षेत्रों के प्रति उनकी बहुत रुचि और आकर्षण होता है। उनमें अपनी भावनाओं को व्यक्त करने की स्वाभाविक क्षमता होती है, कला उनके लिए बहुत उपयुक्त क्षेत्र है। इसके अलावा, उन्हें समस्या समाधानकर्ता कहा जाता है और वे किसी भी समस्या का आसानी से समाधान कर सकते हैं। वे अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किसी भी चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहते हैं।

कमजोरियां, नुकसान

S अक्षर से शुरू होने वाले नाम में कुछ नकारात्मक गुण भी होते हैं। इसे इनकी सबसे बड़ी कमजोरी भी कहा जा सकता है। कई बार ये लोग बदलाव का आसानी से सामना नहीं कर पाते या बदलाव पसंद नहीं करते। उनसे ज़्यादा जिद्दी कोई और नहीं है। कई बार वे बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में फैसले ले लेते हैं।

अनुशासन, संयम, नैतिकता और आत्मविश्वास की मदद से हर लक्ष्य पूरा हो सकता है

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए सिद्धियां कैसे मिल सकती हैं?
बड़े लक्ष्य हासिल करना चाहते हैं तो अनुशासन, संयम, नैतिकता और आत्मविश्वास सबसे बड़े साधन हैं। इन चार गुणों की मदद से बड़ी उपलब्धियां भी आसानी से मिल सकती हैं। जिन लोगों के पास ये गुण नहीं हैं, वे शक्तिहीन बन जाते हैं।

विष पीने के बाद शांत और ठंडी जगह की खोज में जहां पहुंचे भोलेनाथ

ऋषिकेश. सावन का महीना भगवान शिव की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। उत्तर भारत 'बोल बम' के जयकारों से गूंज उठता है। लाखों शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लाकर नंगे पांव शिवधामों में जल अर्पित करते हैं। इन धामों में सबसे प्रसिद्ध है नीलकंठ महादेव मंदिर। यह मंदिर ऋषिकेश से लगभग 32 किलोमीटर दूर एक ऊंची पहाड़ी पर है।

60 हजार साल तक तपस्या

पुजारी जगदीश प्रपन्नाचार्य के अनुसार, समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ा यह स्थान शिवभक्तों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि जब समुद्र मंथन से विष निकला तो भगवान शिव ने सृष्टि की रक्षा के लिए उसे पी लिया था। विषपान के बाद वह शांत और ठंडी जगह की खोज में थे। तभी उन्होंने मणिकूट पर्वत पर आकर 60 हजार वर्षों तक तपस्या की। बाद में इसी स्थान पर नीलकंठ महादेव मंदिर की स्थापना हुई।

कैसे पहुंचे यहां

इस मंदिर तक पहुंचने के लिए कांवड़ियों को ऋषिकेश से एक कठिन लेकिन सुंदर यात्रा करनी होती है। रास्ता लगभग 32 किलोमीटर लंबा है और जंगलों, घाटियों और पहाड़ों से होकर गुजरता है। सावन के महीने में हजारों भक्त हरिद्वार से गंगाजल भरकर इस यात्रा पर निकलते हैं। वे नंगे पांव चलते हैं और नीलकंठ पहुंचकर शिवलिंग पर जल चढ़ाते हैं। ये यात्रा केवल शरीर की नहीं बल्कि मन और आत्मा की परीक्षा होती है। कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन हर साल विशेष इंतजाम करता है। रास्ते में जगह-जगह कांवड़ शिविर लगाए जाते हैं, जहां भोजन, पानी और प्राथमिक चिकित्सा जैसी सुविधाएं दी जाती हैं।

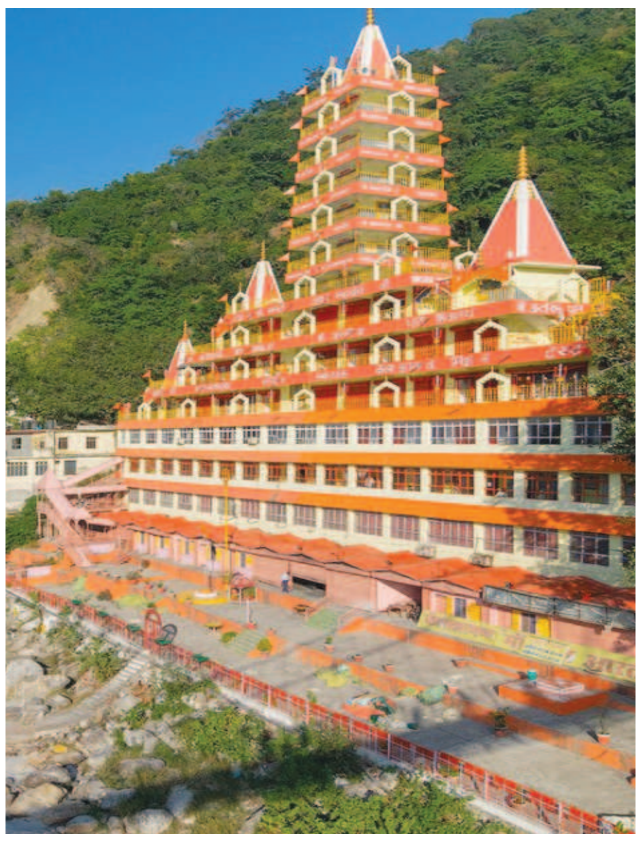

स्थानीय लोग भी पूरी श्रद्धा से कांवड़ियों की सेवा करते हैं। यह एक सामाजिक और धार्मिक समर्पण का बड़ा उदाहरण बन चुका है। नीलकंठ मंदिर की धार्मिक महत्ता के साथ-साथ इसकी भौगोलिक स्थिति भी आकर्षक है। चारों ओर हरियाली, पहाड़ और प्राकृतिक झरनों का संगम इस स्थल को बेहद शांत और दिव्य बना देता है। मंदिर में स्थापित शिवलिंग को बहुत पवित्र माना जाता है। श्रद्धालु यहां रुद्राभिषेक और विशेष पूजा कराते हैं। सावन के दौरान मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन, रात्रि जागरण और धार्मिक आयोजन होते रहते हैं, जो पूरे वातावरण को भक्तिमय बना देते हैं।

5 रुपये के सिक्के से आजमाएं ये चमत्कारी टोटके

अपने जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति मेहनत करता है। लेकिन कई बार किस्मत या परिस्थितियां सही न होने के कारण मेहनत करने के बावजूद जातक को जीवन में सफलता हासिल नहीं होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषशास्त्र में जीवन से दरिद्रता को दूर करने और किस्मत चमकाने के कई उपाय बताए गए हैं। वहीं, शास्त्रों में कुछ ऐसे टोटकों का वर्णन मिलता है, जिन्हें आजमाने से जीवन की कई समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और कभी भी धन की कमी नहीं होती है। ऐसे में अगर आप भी लगातार बाधाओं और आर्थिक तंगी का सामना कर रहे हैं, तो 5 रुपये के सिक्के के कुछ चमत्कारी टोटके आजमा सकते हैं।

करियर और कारोबार में उन्नति का टोटका

अगर आपके करियर या कारोबार में बार-बार समस्याएं आ रही हैं और पैसों की तंगी से भी परेशान हैं, तो 5 रुपये का टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और साफ वस्त्र धारण करें। अब एक साफ 5 रुपये के सिक्के पर हल्दी और सिंदूर लगाकर उसे पीले रंग के साफ वस्त्र में लपेट लें। इसके बाद, पोटली को मंदिर में रखें और विधि-विधान से पूजा करें। अगले दिन सुबह 5 रुपये के सिक्के की पोटली को उठाकर अपने कार्यस्थल के दराज में रख लें या पैसे रखने वाले लॉकर में रखें। इस टोटके को करने से कारोबार में उन्नति प्राप्त हो सकती है और करियर में आने वाली बाधाएं भी दूर होने लगती हैं। साथ ही, कार्यक्षेत्र में धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

पैसों की तंगी से छुटकारा पाने का टोटका

कई बार अच्छी कमाई होने के बाद भी हमारे हाथ में एक भी पैसा नहीं टिकता है और घर में हमेशा धन संबंधी समस्या बनी रहती है। ऐसे में आप 5 रुपये का टोटका आजमा सकते हैं। इसके लिए गुरुवार या शुक्रवार के दिन शाम के समय एक पांच रुपये के सिक्के को गंगाजल से शुद्ध कर लें। अब इसे कुछ ताजे गुलाब के फूल और चावल के साथ माता लक्ष्मी के चरणों में अर्पित करें। इसके बाद, विधि-विधान से देवी लक्ष्मी की पूजा करें और सामग्री को रातभर मंदिर में रखा रहने दें। अब अगले दिन सुबह सामग्री को उठाकर एक लाल रंग के कपड़े में बांधे और इसे अपनी तिजोरी में रख लें। साथ ही, हर शुक्रवार को फूल जरूर बदलें। ऐसा करने से पैसों की तंगी से निजात मिल सकती है और घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होने लगता है। मान्यता है कि पांच रुपये के सिक्के का यह टोटका करने से जातक को कभी भी धन संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता है।

सुख-समृद्धि और शांति बनाए रखने का टोटका

इसके लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें। इसके बाद, एक मिट्टी के छोटे से कलश में अक्षत को हल्दी में मिलाकर डालें और साथ ही, पांच रुपये का सिक्का गंगाजल से शुद्ध करके कलश में डालें। अब इस कलश को उठाकर मंदिर में रख दें और नियमित रूप से देवी-देवताओं के साथ-साथ कलश की भी पूजा करें। इस एक काम को करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। मान्यता है कि 5 रुपये के सिक्के का यह टोटका करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। अगर आप घर में होने वाले झगड़ों से भी परेशान हैं, तो एक बार इस उपाय को जरूर आजमा कर देखें। इससे परिवार में खुशहाली बनी रहती है।

बीमारी से नहीं मिल रहा छुटकारा तो घर के वास्तु दोषों को दूर कर पाएं

पहला सुख निरोगी काया, दूसरा सुख घर में माया', इस कहावत में जीवन का सच्चा रहस्य छिपा है। अच्छा स्वास्थ्य ही जीवन की सबसे बड़ी दौलत है। यदि तन स्वस्थ न हो तो धन, वैभव और सुख-सुविधाएं भी व्यर्थ हैं। स्वास्थ्य से ही मानसिक शांति और सच्चा सुख संभव है। इसलिए यदि हम घर में वास्तु परिवर्तन करें, तो उसका उद्देश्य केवल सौंदर्य या धनवृद्धि न हो, स्वस्थ जीवन का निर्माण हो। जब घर की ऊर्जा का संतुलन ठीक होता है, तभी तन-मन भी संतुलित रहता है और लक्ष्मी भी स्थायी होती है। अगर किसी व्यक्ति को लगातार स्वास्थ्य कष्ट है तो वह अपनी ग्रहदशा की जांच किसी ज्योतिषी से कराए तथा वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में वास्तुदोषों का सुधार करे। बहुत ज्यादा वास्तु दोष होने पर स्वास्थ्य लाभ के लिए यदि सम्भव हो तो अधिक

वास्तुदोष वाले मकान को छोड़कर दूसरे मकान में रहने का प्रयास करें, ऐसा करने से स्वास्थ्य में शीघ्र सुधार होने लगता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए अपने घर में इन बातों का रखें ध्यान -

घर के दक्षिण-पश्चिम कोण पर गड्ढे न हों।

घर का उत्तरी भाग, दक्षिण-पूर्वी भाग से ऊंचा न हो।

रसोई दक्षिण-पश्चिम यानि नैऋत्य कोण या उत्तर-पूर्व यानि ईशान कोण में न हो।

आंगन चारों तरफ से नीचा न हो।

प्रवेश द्वार के सामने हर समय कूड़ा-करकट, कीचड़ आदि न हो।

प्रवेश द्वार दक्षिणी या पश्चिमी दीवार पर न हो।

उत्तर-पूर्व यानि ईशान कोण में शौचालय न हो।

सोते समय आप सिर उत्तर या पश्चिम की तरफ न करते हों।

घर या कार्यालय में किसी से बाते करते वक्त अथवा भोजन आदि ग्रहण करते समय दक्षिणाभिमुख या पश्चिमाभिमुख न रहते हों।

घर में आने वाला सूर्य का प्रकाश सामने के पेड़ या मकान आदि से बाधित न होता हो।

दर्पण दक्षिण दिशा में न लगा हो।

पूजा कक्ष में भगवान की मूर्ति पूर्वाभिमुख न हो।

घर का कोई दरवाजा बन्द करने या खोलने में ज्यादा आवाज न करता हो।

पूजा कक्ष में एक से अधिक एक ही देवता की अधिक मूर्ति या चित्र न हों।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 23 जून - 2025

तबाही या फिर बातचीत

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ा तनाव सीमा पार कर चुका है। ईरान अमेरिकी प्रभुत्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं है। इसका नतीजा कुछ भी हो सकता है। परमाणु तबाही या फिर शांतिपूर्ण समाधान भी निकल सकता है। अमेरिका की दादागिरी में ट्रंप के आने के बाद कमी दिखाई देने लगी है। इससे नई तरह की बहुध्रुवीय दुनिया बन रही है। इसका असर भारत पर भी पडे बिना नहीं रहेगा। भारत तो हमेशा से चाहता था कि दुनिया में कई ताकतें हों। पहले शीत युद्ध के समय सिर्फ दो ताकतें थीं। फिर अमेरिका अकेला दादा बन गया। लेकिन अब डोनाल्ड कई ताकतें उभर रही हैं। अमेरिका की नश ढीली पड़ने से पुतिन ने जॉर्जिया और मोल्दोवा में रूसी लोगों के इलाकों पर कब्जा कर लिया। जब कोई रुकावट नही दिखी तो रूस ने क्रीमिया पर भी कब्जा जमा लिया। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन ने यूक्रेन को रूस पर बमबारी करने या कब्जा करने से मना कर दिया था। वे नहीं चाहते थे कि ये लड़ाई तीसरे विश्व युद्ध में बदल जाए। यूक्रेन ने उनकी बात नहीं मानी। ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका दुनिया के झगड़ों में न पड़े। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अमेरिका दूसरों को मुफ्त में सुरक्षा क्यों और कब तक दे। वे चाहते हैं कि अमेरिका ने पिछले 80 साल में जो व्यापार, निवेश और सुरक्षा की व्यवस्था बनाई है, उसका पैसा वापस मिले। यही वजह है कि ट्रंप ने न सिर्फ पुराने दुश्मनों रूस और चीन पर टैरिफ वॉर छेड़ा, बल्कि पुराने दोस्तों यूरोप, जापान, कनाडा और मैक्सिको पर भी हमला किया। वे नियमों के आधार की बजाय सिर्फ अमेरिका का हिस्सा बढ़ाना चाहते हैं, भले ही इससे दुनिया की अर्थव्यवस्था धीमी पड जाए। ट्रंप और उनके समर्थक नहीं चाहते कि अमेरिका दूसरों के झगड़ों में पड़े। इजराइल, जो कभी अमेरिका का छोटा सा साथी था, अब एक अमीर देश बन गया है। ट्रंप को बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी तरफ खींच लिया है। ट्रंप कहते हैं कि किसी और को पता नहीं है कि वे आगे क्या करेंगे। लेकिन, नेतन्याहू को ये बात अच्छी तरह से पता है कि उन्हें ईरान से परमाणु खतरे को खत्म करना है। इसके लिए उन्हें ईरान के 60 फीसदी तक समृद्ध यूरेनियम के भंडार और उसे बनाने वाली मशीनों को खत्म करना होगा। इजरायल ने लेबनान में ईरान के साथियों हिज्बुल्लाह और गाजा में हमास को तबाह कर दिया। ईरान के एयर डिफेंस सिस्टम को भी कमजोर किया है। और अब, नतांज, इस्फहान और फोर्डो में ईरान के परमाणु ठिकानों पर बमबारी की है। ईरान के पास फोर्डो पहाड़ के अंदर यूरेनियम का भंडार और खास मशीनें है। ईरान का कहना है कि उसने अपने यूरेनियम के भंडार को कई जगहों पर फैला दिया है, ताकि उन्हें कभी भी पूरी तरह से नष्ट न किया जा सके। सबसे पहले, वह 90 फीसदी तक यूरेनियम का संवर्धन कर परमाणु बम बना सकता है। वह 60 फीसदी तक समृद्ध यूरेनियम से भी कच्चे परमाणु बम बना सकता है, जो भारी नुकसान पहुंचाने में सक्षम हैं। सबसे बडा खतरा यह है कि ईरान हताश होकर साधारण बम या समृद्ध यूरेनियम को जिहादी समूहों को न दे दे, ताकि वे इजराइल पर आत्मघाती हमला कर सकें। अगर लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे समूहों को ऐसे हथियार मिल जाते हैं, तो क्या वे उनका इस्तेमाल भारत को परमाणु हथियारों से ब्लैकमेल करने की कोशिश नहीं करेंगे? हो सकता है कि अमेरिकी हमले के बाद ईरान में अंदरूनी तौर पर सरकार बदल जाए, क्योंकि अयातुल्लाह लोकप्रिय नहीं हैं। उनका शासन तानाशाह जैसा है। वे कट्टरपंथी हैं और उनकी वजह से देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है। विपक्षी पार्टियां हैं, लेकिन वे चुनाव नहीं जीत सकतीं क्योंकि अयातुल्लाह को किसी भी बदलाव को मंजूरी देनी होती है। कई ईरानी और विपक्षी समूह जिहाद की बातों से तंग आ चुके हैं। वे प्रतिबंधों से भी परेशान हैं। ऐसे में, ईरान में एक नई सरकार बन सकती है जो लोकतांत्रिक हो और इजराइल के साथ शांति से रहने का वादा करे। वह फिलिस्तीनी अधिकारों का समर्थन करने के लिए हिंसा का इस्तेमाल न करे, बल्कि कूटनीति का इस्तेमाल करे।

दो देशों के युद्ध में 'चौधरी' बनता तीसरा मुल्क

सचिन त्रिपाठी

जब धरती की छाती पर युद्ध के नाल बजते हैं तो केवल वे दो मुल्क नहीं कांपते जो एक-दूसरे के विरुद्ध शस्त्र उठाते हैं; कांपती है मानवता, कांपती हैं सीमाएं, और सबसे अधिक उभरती है एक तीसरी परछाईं, वह देश जो स्वयं युद्ध के मैदान में नहीं उतरता पर हर दिशा, हर निर्णय, हर विनाश में उसका हित छिपा होता है। वह युद्धरत पक्षों का 'मध्यस्थ', 'मित्र' या 'शांति-स्वर' कहलाता है परंतु उसके पीछे छिपा होता है सत्ता का वह लालच, जो रक्त की धाराओं में अपना विस्तार खोजता है। इतिहास की गहराइयों में झांके, तो पाएंगे कि दो विश्वयुद्धों ने दुनिया को केवल विभाजित नहीं किया, उसने सत्ता की परिभाषा बदल दी। निर्णायक वही नहीं रहा जो मैदान में लड़ा, बल्कि वही हुआ जो अपने 'विचारों', 'संधियों' और 'वित्तीय सहायता' से बना। युद्ध यूरोप की गलियों में भड़का। ब्रिटेन, फ्रांस, रूस एक ओर, जर्मनी और ऑस्ट्रो-हंगेरियन साम्राज्य दूसरी ओर। प्रारंभ में अमेरिका तटस्थ रहा, मानो वह युद्ध से परे था। पर भीतर ही भीतर वह लोहे और बारूद का व्यापारी बनता गया। 1917 में जर्मनी के एक संकेत (ज़िमरमन टेलीग्राम) और समुद्री हमलों ने अमेरिका को अवसर दिया और वह उतर आया युद्ध के नाम पर दुनिया के निर्णायक मंच पर। शांति के बाद वुडरो विल्सन ने 'लीग ऑफ नेशंस' की बात की और अमेरिका ने स्वयं को विश्व का नियंता बताना आरंभ किया। यह शांति नहीं थी, यह प्रभुत्व की शुरुआत थी। युद्ध दूसरों ने लड़ा मगर उसका साहित्य और संविधान अमेरिका की मेज पर लिखा गया। दूसरे महायुद्ध ने केवल जर्मनी और जापान को नहीं तोड़ा, उसने दुनिया को दो हिस्सों में बांट दिया। एक ओर अमेरिका, दूसरी ओर सोवियत संघ। युद्ध की विभीषिका के बाद अमेरिका ने मार्शल प्लान के नाम पर यूरोप को फिर खड़ा किया पर हर ईंट पर उसका नाम उकेरा गया। उधर रूस ने पूर्वी यूरोप में लाल झंडे गाड़े और विश्व शीत युद्ध के दो छोरों में बंट गया पर आश्चर्य यह कि युद्ध समाप्त हो गया था, फिर भी नियंत्रण, भय और गठबंधनों का नया खेल शुरू हो गया। युद्ध का मैदान भले शांत था पर 'चौधरी' बनने की होड़ और भी तीव्र थी। इस बार बंदूकें पीछे थीं पर डॉलर, विचारधाराएं और सैन्य गठबंधन (नाटो, वारसा) आगे।

रूस और यूक्रेन की जंग, गाज़ा पट्टी का संघर्ष, या ताइवान की ओर चीन की निगाहें। हर बार तीसरा कोई देश, अपने 'शांति प्रस्ताव', 'हथियार आपूर्ति' और 'राजनयिक दवाब' के साथ उपस्थित होता है। अमेरिका, चीन, रूस ये आज भी वही भूमिका निभा रहे हैं जो पहले अमेरिका अकेले निभाता था। युद्धरत राष्ट्रों के जख्मों पर मरहम नहीं, बल्कि 'रणनीतिक निवेश' किया जाता है। हथियार बेचे जाते हैं, ऋण दिए जाते हैं, और बदले में अधिकार छीन लिए जाते हैं। आज 'शांति' भी एक व्यवसाय बन चुकी है, और 'चौधरी' वही है जो उस व्यवसाय का सबसे बड़ा व्यापारी है। भारत का स्वभाव ऐतिहासिक रूप से गुटनिरपेक्ष रहा है पंचशील, बुद्ध का दर्शन, गांधी का सत्य।

विदेश और सुरक्षा नीति पर राजनीति आत्मघाती कदम

राजेश कुमार पासी

लगातार तीन लोकसभा चुनावों में मिली हार के बाद कांग्रेस को यह समझ नहीं आ रहा है कि वो मोदी सरकार पर हमला कैसे करे । उसे समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा क्या करें जिससे कि मोदी सरकार की साख खत्म हो जाए, वो जनता की नजरों में गिर जाए और उसे सरकार बनाने का मौका मिल जाये । 2024 के चुनाव में 99 सीट जीतकर कांग्रेस को लगा कि उसने मैदान मार लिया है और अब मोदी प्रधानमंत्री नहीं बनने वाले हैं । जब मोदी प्रधानमंत्री बन गए तो लगा कि वो बहुत कमजोर प्रधानमंत्री बनेंगे क्योंकि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है । जब कांग्रेस को महसूस हुआ कि वो इस बार भी बुरी तरह से हार गई है और मोदी पहले की तरह ही मजबूती से शासन कर रहे हैं और उनका गठबंधन मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा हुआ है तो कांग्रेस फिर से जंग के मैदान में कूद गई है । दस साल तक कांग्रेस ने मोदी से लड़कर देख लिया है और उसे कुछ हासिल नहीं हुआ । कांग्रेस को अभी तक यह समझ नहीं आया है कि वो मोदी से किस मुद्दे पर लड़े ताकि उसका कुछ भला हो ।

कांग्रेस नये-नये मुद्दों की तलाश में रहती है और हर नए मुद्दे पर राजनीति शुरू कर देती है । कांग्रेस हमेशा मोदी सरकार पर हमला करने के लिए तैयार रहती है और मौका मिलते ही टूट पड़ती है। समस्या यह है कि कांग्रेस जल्दबाजी में यह भी नहीं देख पाती कि मुद्दा राजनीति करने के काबिल है या नहीं। यही कारण है कि वो देशविरोध तक पहुंच जाती है । उसे सिर्फ मोदी पर हमला करना है फिर चाहे उससे देश का कितना भी नुकसान हो जाए । समस्या यह है कि मोदी कांग्रेस के सवालों पर चुप्पी साधे रहते हैं । कांग्रेस कितनी भी उछल-कूद करे लेकिन मोदी अपनी प्रतिक्रिया अपने समय पर देते हैं । वो कांग्रेस के मुद्दों का अपने ढंग से और अपनी सुविधा के अनुसार जवाब देते हैं । 11 साल बाद भी कांग्रेस को यह बात समझ नहीं आयी है कि मोदी बहुत शांत मन से लंबी सोच के साथ राजनीति करते हैं। उन्हें छुटपुट हमले करके नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता। इतनी अनुभवी पार्टी को यह नहीं पता कि मोदी को हराने के लिए मोदी जैसा बनना होगा लेकिन कांग्रेस की समस्या यह है कि वो बेशक पुरानी पार्टी है लेकिन उसको चलाने वाले लोग नए हैं। आज़ादी के बाद से भारतीय राजनीति में सभी दलों में एक आपसी समझ बनी हुई थी कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर राजनीति नहीं की जाएगी। विशेष तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दे पर सार्वजनिक बहस से बचा जाएगा और अगर चर्चा की जरुरत होगी तो ये चर्चा संसद में की जाएगी । कांग्रेस ने लगभग 55 साल राज किया है और वो अच्छी तरह जानती है कि राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों पर सरकार ज्यादा कुछ नहीं बोल सकती है। अगर सुरक्षा और विदेश नीति के मुद्दे पर सरकार को घेरा जाए तो सरकार अपना अच्छी तरह से बचाव नहीं कर सकती । सरकार के पास ऐसी सूचनाएं होती हैं जिन्हें वो सार्वजनिक रूप से कभी प्रकट नहीं कर सकती । कई बार वो जवाब दे सकती है लेकिन देशहित में चुप रहना उसकी मजबूरी होती है। राहुल गांधी ने सरकार की इस कमजोरी को भांप लिया है इसलिए अब वो विदेश और सुरक्षा के मामलों पर सरकार को घेरने में लगे हुए हैं। वास्तव में वो सरकार की राष्ट्रवादी छवि को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। जब सरकार उनके सवालों का जवाब नहीं देती है तो वो उसकी छवि खराब करने की कोशिश में लगे रहते हैं। राहुल गांधी के हमले के बाद उनके कुछ नेता सरकार के खिलाफ मुहिम चलाना शुरू कर देते हैं। कांग्रेस में कुछ ऐसे नेता हैं जो राहुल गांधी के बयानों का इंतजार कर रहे होते हैं और जैसे ही राहुल गांधी कोई बड़ा बयान देते हैं ये नेता राहुल गांधी से भी आगे बढ़कर बोलना शुरू कर देते हैं। ऐसा लगता है कि उन्हें इससे राहुल गांधी को खुश करने का मौका मिल गया हो । देखने में आ रहा है कि ऐसी ओछी राजनीति के कारण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कांग्रेस की राजनीति से दूरी बनाते जा रहे हैं। उन्हें समझ आ गया है कि पार्टी गलत रास्ते पर जा रही है लेकिन वो खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। अब पार्टी में उनकी सुनने वाला कोई नहीं है इसलिए वो चुपचाप देख रहे हैं । ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने कांग्रेस को बेचैन कर दिया है । उसे लगता है कि भाजपा विधानसभा चुनावों में इस सफलता का फायदा उठा सकती है, इसलिए भाजपा को रोकने के लिए कांग्रेस इस कार्यवाही की सफलता पर ही प्रश्नचिन्ह लगा रही है। कांग्रेस को याद नहीं है कि उसने भी 1971 में मिली जीत का फायदा उठाया है और भाजपा को भी इस कार्यवाही की सफलता का राजनीतिक फायदा होना निश्चित है। कांग्रेस अपनी राजनीति के चक्कर में जनता में अपनी छवि खराब करती जा रही है। जब देश पाकिस्तान की बुरी तरह हुई पराजय का जश्न मना रहा था तो राहुल गांधी बार-बार यह सवाल पूछ रहे थे कि पाकिस्तान ने भारतीय वायुसेना के कितने विमान गिरा दिए हैं। यह विमर्श भी चलाने की कोशिश की गई कि पाकिस्तान ने भारत के 6 राफेल युद्धक विमान गिरा दिए हैं।

वायुसेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बता दिया कि हमारा भी नुकसान हुआ है और इसका पूरा विवरण सही समय पर बता दिया जाएगा लेकिन कांग्रेस फिर भी चुप नहीं हुई। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी कांग्रेस सरकार पर कोई कार्यवाही न करने का आरोप लगा रही थी और ऐसा ही वो उरी और पुलवामा हमले के बाद भी कर चुकी है । मोदी ने ऐसे हमलों का जवाब दो हफ्ते बाद दिया था और इस बार भी ऐसा ही किया है लेकिन कांग्रेस 15 दिन का इंतजार भी नहीं कर पाई और शोर मचाती रही। जब कार्यवाही हो गई तो कितना नुकसान हुआ ये पूछने के लिए व्याकुल है । विदेश मंत्री एस जयशंकर को कांग्रेस ने मुखबिर और जयचंद की उपाधि देते हुए मर्यादा की सभी सीमाएं लांघ दी । भारतीय राजनीति में आजतक किसी ने भी वर्तमान विदेश मंत्री को मुखबिर नहीं कहा है क्योंकि ऐसा काम कोई विदेश मंत्री नहीं कर सकता । पाकिस्तान के जनरल आसिम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लंच करवाने के फैसले को मोदी सरकार की असफलता बताया जा रहा है । सवाल यह है कि क्या अमेरिका भारत से पूछकर अपनी विदेश नीति तैयार करेगा । ट्रंप को अगर किसी को लंच पर बुलाना है तो क्या वो मोदी से पूछ कर बुलायेंगे । हम क्या रूस के साथ अमेरिका से पूछ कर रिश्ते निभाते हैं । हर देश अपने हितों के हिसाब से विदेश नीति बनाता है और हम नहीं जानते कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ क्या हित जुड़े हुए है और पाकिस्तान का कैसा इस्तेमाल करना चाहता है । इजराइल-ईरान युद्ध के दौरान पाकिस्तान अमेरिका की कैसी मदद करने वाला है । युद्ध-विराम पर ट्रम्प के मध्यस्थता वाले बयान पर भी कांग्रेस ने जमकर राजनीति की है। जब सरकार के विदेश मंत्रालय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बता दिया कि युद्ध-विराम दोनों देशों ने आपस में बातचीत करके किया है तब भी कांग्रेस नहीं रुकी । कांग्रेस को अपने देश की सरकार से ज्यादा भरोसा बड़बोले ट्रम्प पर है।

अब पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने बयान दिया है कि हमने ही भारत से युद्ध विराम करने की गुहार लगाई थी क्योंकि हमारे महत्वपूर्ण एयरबेस तबाह हो गए थे। राहुल गांधी मोदी जी पर सरेंडर करने का आरोप लगा रहे हैं । कभी युद्ध जीतने वाला भी सरेंडर करता है क्या, लेकिन राहुल गांधी बोलते जा रहे हैं। सवाल यह है कि एक तरफ राहुल गांधी सेना को जीत की बधाई देते हैं तो दूसरी तरफ प्रधानमंत्री को आत्मसमर्पण करने वाला बोल देते हैं। जब सेना ने युद्ध जीत लिया तो सरेंडर कैसे होगा। क्या युद्ध-विराम का मतलब सरेंडर होता है जी -7 की बैठक में मोदी जी को न्यौता न मिलने का मजाक बनाया और जब न्यौता मिल गया तो उनको सम्मान न देने का विमर्श चलाया गया । जी-7 की बैठक में कनाडा ने मोदी जी को सम्मान के साथ बुलाया और रिश्ते सुधारने की भी बात की । 2024 की एक रिपोर्ट में खुद कनाडा ने माना है कि उसकी धरती का इस्तेमाल खालिस्तानी समर्थको द्वारा 45 साल से किया जा रहा है, भारत के खिलाफ उग्रवाद और उसके लिये वित्तीय मदद का इंतज़ाम किया जा रहा था । मोदी सरकार विदेश और रक्षा के मामलों को बहुत गंभीरता से ले रही है। कांग्रेस अगर इन मुद्दों पर राजनीति करेगी तो अपना ही नुकसान करेगी। देश की जनता को इन मुद्दों पर राजनीति करना पसंद आने वाला नहीं है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रेरक विरासत

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब इतिहास के पन्नों पर साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की अमर गाथा लिखी जाती है, तो डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नाम स्वर्णिम अक्षरों में उभरता है। वे एक व्यक्ति नहीं, एक विचार थे; एक ऐसी ज्वाला, जो भारत की अखंडता और गौरव के लिए जलकर भी अनंत प्रेरणा देती है। उनकी पुण्यतिथि कोई साधारण स्मरण नहीं, बल्कि एक हुंकार है—हर भारतीय के हृदय में राष्ट्र के लिए जीने, लड़ने और मरने की चेतना जगाने वाली। वे उस युग के ध्रुवतारे थे, जिन्होंने न केवल अपने समय को रोशन किया, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक ऐसा मार्ग प्रशस्त किया, जो सत्य, साहस और समर्पण से बना है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई, 1901 को कोलकाता के एक प्रतिष्ठित बंगाली परिवार में हुआ, जहां संस्कृति, शिक्षा और नैतिकता का अनूठा संगम था। उनके पिता, सर आशुतोष मुखर्जी, एक महान शिक्षाविद् और बैरिस्टर थे, जिनसे उन्हें बौद्धिक तेज और देशसेवा का जुनून विरासत में मिला। युवावस्था में ही उनकी प्रतिभा ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया। 1923 में बीए और 1924 में एमए की डिग्री हासिल करने के बाद, उन्होंने बैरिस्टर बनकर कानूनी क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई। लेकिन उनकी असली उड़ान तब शुरू हुई, जब मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कोलकाता विश्वविद्यालय के कुलपति बने—एक ऐसा रिकॉर्ड, जो उनकी असाधारण बौद्धिकता और प्रशासनिक क्षमता का जीवंत प्रमाण था। इस पद पर रहते हुए उन्होंने शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का आधार बनाया और भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए कई क्रांतिकारी सुधार किए, जो आज भी प्रेरणादायक हैं। स्वतंत्रता संग्राम के दौर में, जब भारत गुलामी की जंजीरों को तोड़ने के लिए छटपटा रहा था, डॉ. मुखर्जी ने अपनी बौद्धिक शक्ति और वैचारिक दृढ़ता से राष्ट्रीय आंदोलन को नई ऊर्जा दी। शुरू में वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के साथ थे, लेकिन जब उन्हें लगा कि कांग्रेस की नीतियाँ राष्ट्रहित से भटक रही हैं, तो उन्होंने सिद्धांतों से समझौता करने के बजाय अपनी राह चुनी। उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जैसे क्रांतिकारियों का समर्थन किया और बंगाल में हिंदू महासभा को एक सशक्त मंच बनाया। स्वतंत्रता के बाद, जब वे भारत के पहले मंत्रिमंडल में उद्योग और आपूर्ति मंत्री बने, तो उन्होंने देश की औद्योगिक नींव को मजबूत करने के लिए दूरदर्शी कदम उठाए। लेकिन उनकी असली अग्निपरीक्षा तब आई, जब जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर केंद्र सरकार की नीतियाँ उन्हें राष्ट्रविरोधी प्रतीत हुईं।

डॉ. मुखर्जी का विश्वास था कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और धारा 370 के तहत दिया गया विशेष दर्जा देश की एकता के लिए घातक है। उन्होंने 'एक देश, एक विधान, एक निशान' का नारा दिया—एक ऐसा नारा, जो केवल शब्द नहीं, बल्कि भारत की संप्रभुता और अखंडता का प्रतीक बन गया। इस मुद्दे को उन्होंने संसद से लेकर सड़कों तक बुलंद किया। जब उनकी आवाज को दबाने की कोशिश हुई, तो उन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की — जो आज भारतीय जनता पार्टी के रूप में देश की सबसे बड़ी राजनीतिक शक्ति बनी है। यह एक राजनीतिक दल से कहीं अधिक था—यह एक वैचारिक क्रांति थी, जो राष्ट्रवाद और भारतीय संस्कृति को केंद्र में रखकर देश को एक नई दिशा देना चाहती थी।

1953 में, डॉ. मुखर्जी ने धारा 370 के खिलाफ जम्मू-कश्मीर में सत्याग्रह शुरू किया। उनका संदेश स्पष्ट था—कश्मीर भारत का हिस्सा है, और किसी भारतीय को वहां प्रवेश के लिए परमिट की जरूरत नहीं। लेकिन यह यात्रा उनके जीवन की अंतिम यात्रा बन गई। 8 मई, 1953 को उन्हें श्रीनगर में गिरफ्तार कर लिया गया और जेल में रखा गया। 23 जून, 1953 को रहस्यमयी परिस्थितियों में उनकी मृत्यु हो गई। उनकी मृत्यु आज भी सवालों के घेरे में है—क्या यह हत्या थी? क्या यह एक साजिश थी? लेकिन इन सवालों से बड़ा सत्य यह है कि उनकी मृत्यु एक व्यक्ति का अंत नहीं, बल्कि एक विचारधारा का बलिदान था—जो भारत की एकता को सर्वोच्च मानती थी। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया। उनके विचारों ने लाखों लोगों को प्रेरित किया, और भारतीय जनसंघ ने उनके सपनों को साकार करने का संकल्प लिया। 2019 में, जब भारत सरकार ने धारा 370 को समाप्त किया, तो यह डॉ. मुखर्जी के बलिदान की सच्ची जीत थी। यह उस सपने की पूर्ति थी, जिसके लिए उन्होंने अपने प्राण न्यौछावर किए। लेकिन उनका योगदान केवल कश्मीर तक सीमित नहीं था। वे एक ऐसे भारत के स्वप्नद्रष्टा थे, जहां जाति, धर्म, भाषा या क्षेत्र की दीवारें न हों। वे चाहते थे कि भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करे, लेकिन आधुनिकता और प्रगति के रास्ते पर भी अग्रसर हो।

डॉ. मुखर्जी का जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची राष्ट्रभक्ति सत्ता की चाह में नहीं, बल्कि सिद्धांतों की अडिगता में है। उन्होंने सत्ता का त्याग किया, लेकिन सत्य और राष्ट्रहित को कभी नहीं छोड़ा। उनकी पुण्यतिथि हमें यह याद दिलाती है कि राष्ट्र निर्माण केवल नेताओं का काम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। हमें उनके जैसे निर्भीक, निष्ठावान और समर्पित बनना होगा। हमें यह पूछना होगा—क्या हम उनके सपनों के भारत को साकार करने के लिए तैयार हैं? क्या हम उनके बलिदान का मूल्य समझते हैं?

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि एक मशाल है, जो हमें अंधेरे में भी मार्ग दिखाती है। यह एक संकल्प का क्षण है—राष्ट्र के लिए जीने का, राष्ट्र के लिए लड़ने का, और यदि जरूरत पड़े, तो राष्ट्र के लिए मरने का। वे भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी चेतना हर उस भारतीय के हृदय में धड़कती है, जो भारत को सर्वोपरि मानता है। उनकी मृत्यु एक अंत नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत थी—एक ऐसे भारत की शुरुआत, जो एकजुट, सशक्त और गौरवशाली हो। उनकी ज्योति आज भी हमें पुकारती है—उठो, जागो, और अपने कर्तव्यों को निभाओ। यह संकल्प ही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि है, और यही वह शक्ति है, जो हमें उनके सपनों के भारत की ओर ले जाएगी।

बिहार में सामाजिक न्याय के दम तोड़ते मुद्दे

ओ. पी. सोनिक

पिछले महीने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के दरभंगा में अम्बेडकर छात्रावास का दौरा किया जबकि पुलिस ने उन्हें रोकने के प्रयास भी किए। छात्रावास दौरे के करीब एक महीने बाद उन्होंने अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यााथियों की छात्रवृत्तियों से संबंधित मुद्दों पर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है। बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को डा. अम्बेडकर के अपमान के आरोप में घेरने की राजनीतिक कोशिशें जारी हैं। राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने लालू प्रसाद यादव को उक्त मामले में नोटिस जारी कर जबाव देने को कहा है। अब एक नए मुद्दे ने बिहार की राजनीति में निष्क्रिय पड़े नेताओं को सक्रिय कर दिया है। बिहार के उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रोहतास जिले के शिवसागर प्रखंड परिसर में डा. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया है जिसका स्वागत किया जाना चाहिए पर कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे को अपने परम्परागत तरीके से भुनाने में जुट गयी है। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने डा. अम्बेडकर की अनावरित प्रतिमा को दूध से धोकर शुद्धिकरण किया है। कांग्रेस का मानना है कि उप मुख्यमंत्री ने डा. अम्बेडकर की प्रतिमा का अनावरण कर उसे अशुद्ध कर दिया है।

अगर विशुद्ध राजनीति के नजरिए से देखें तो कांग्रेस ने डा0 अम्बेडकर की प्रतिमा पर दूध बहाकर ओछी राजनीति का परिचय दिया है। जिस राज्य में वंचित वर्ग के हजारों बच्चे कुपोषण की समस्या से जूझ रहे हों , जो राज्य गरीब राज्यों की सूची में शुमार हो, उस राज्य में दूध को इस तरह बहाकर बर्बाद करना उचित नहीं माना जा सकता है और न ही अम्बेडकर की विचारधारा से इसका कोई ताल्लुक है। जहाँ तक शुद्धिकरण की बात है, तो डा. अम्बेडकर को समाज में शुद्धिकरण के नाम पर समय-समय पर अपमानित होना पड़ा था। राहुल गांधी ने अनुसूचित जाति एवं जनजातियों के जिन मुद्दों को लेकर प्रधानमंत्री को पत्र लिखा है, कांग्रेसी कार्यकताओं ने उन मुद्दों पर पानी फेरने काम किया है। राहुल गांधी ने बिहार का जिक्र करते हुए लिखा है कि बिहार में वर्ष 2021-22 में अनुसूचित जाति के किसी भी विद्यार्थी को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृति नहीं मिली। वर्ष 2022-23 में कुल 1 लाख 36 हजार विद्यार्थियों को पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति मिली और वर्ष 2023-24 में पोस्ट-मैट्रिक का लाभ लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या घटकर 69 हजार रह गयी।

राज्य सभा में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में पेश आंकड़ों के अनुसार बिहार में वर्ष 2021 में अनुसूचित जाति वर्ग से संबंधित 5 हजार 842, वर्ष 2022 में 6 हजार 509 मामले दर्ज हुए. वर्ष 2022 के मामलों में 168 दलितों को मौत के घाट उतार दिया गया। इस वर्ष दलितों की हत्या के मामलों में बिहार टाप 5 राज्यों में दूसरे नम्बर पर रहा। जहां तक दलितों को विधिक सहायता देने की बात है तो बिहार में वर्ष 2022 में 11 हजार 877, वर्ष 2023 में संख्या घटकर 6 हजार 348 रह गयी और वर्ष 2024 में विधिक सहायता पाने वाले दलितों की संख्या सिमटकर मात्र 4 हजार 802 रह गयी।

आधुनिक ओलम्पिक खेलों के 129 वर्ष

योगेश कुमार गोयल

भारत आधुनिक ओलम्पिक खेलों में 105 वर्ष का सफर पूरा कर रहा है। भारत ने पहली बार वर्ष 1900 में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था। तब भारत की ओर से केवल एक एथलीट नॉर्मन प्रिचर्ड को भेजा गया था, जिसने एथलेटिक्स में दो रजत पदक जीते थे। हालांकि भारत ने अधिकारिक तौर पर पहली बार 1920 में ओलम्पिक खेलों में हिस्सा लिया था। 2024 में पेरिस ओलम्पिक में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक भारत की झोली में डाले थे जबकि उससे पहले 2021 में टोक्यो ओलम्पिक में भारत 7 पदक जीतने में सफल हुआ था। ओलम्पिक खेलों की शुरूआत करीब 2798 वर्ष पूर्व ग्रीस में जीयस के पुत्र हेराकल्स द्वारा की गई मानी जाती है किन्तु ऐसी धारणा है कि यह खेल उससे भी काफी पहले से ही खेले जाते रहे थे। 776 ईसा पूर्व विधिवत रूप से शुरू हुए ओलम्पिक खेलों का सिलसिला उसके बाद निर्बाध रूप से 393 ई. तक अर्थात 1169 वर्षों तक चलता रहा। इन खेलों के माध्यम से ऐसा प्रदर्शन किया जाता था, जो मानव की शक्ति, गति एवं ऊर्जा का परिचायक माना जाता था। प्राचीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन ईश्वर को श्रद्धांजलि देने के लिए किया जाता था। अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक दिवस मनाए जाने की शुरूआत 23 जून 1948 को हुई थी।

दरअसल आधुनिक ओलम्पिक खेलों का पहला आयोजन तो वर्ष 1896 में हुआ था लेकिन अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति (आईओसी) की स्थापना पियरे द कुबर्तिन द्वारा 23 जून 1894 को की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष बने थे यूनानी व्यापारी डेमट्रियोस विकेलास। आईओसी का मुख्यालय स्विट्जरलैण्ड के लॉजेन में स्थित है और वर्तमान में दुनियाभर में 205 राष्ट्रीय ओलम्पिक समितियां इसकी सदस्य हैं। आईओसी के स्थापना दिवस 23 जून को ही बाद में अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति द्वारा प्रतिवर्ष ओलम्पिक दिवस के रूप में मनाया जाना शुरू किया गया। आईओसी द्वारा प्रत्येक चार वर्ष के अंतराल पर ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल, शीतकालीन ओलम्पिक खेल और युवा ओलम्पिक खेल का आयोजन किया जाता है। पहला ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक वर्ष 1896 में यूनान के एथेंस में तथा पहला शीतकालीन ओलम्पिक 1924 में फ्रांस के चेमोनिक्स में आयोजित किया गया था। ओलम्पिक दुनिया की सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता है, जिसमें दो सौ से ज्यादा देश हिस्सा लेते हैं। फ्रांस के युवा शिक्षाशास्त्री पियरे द कुबर्तिन ने आधुनिक ओलम्पिक खेलों की आधारशिला रखी थी और उनके द्वारा 23 जून 1894 को अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति की स्थापना किए जाने के बाद नए रूप में 1896 से आधुनिक ओलम्पिक खेलों का आयोजन शुरू हुआ। उसके बाद ओलम्पिक खेल प्राचीन ओलम्पिक खेलों की ही भांति हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने लगे। एक जनवरी 1863 को जन्मे पियरे द कुबर्तिन की उम्र उस वक्त सिर्फ सात साल थी, जब 1870 में फ्रैंच-परसियन लड़ाई में जर्मनी ने फ्रांस पर कब्जा कर लिया था। माना जाता है कि उस हार के कुछ वर्षों बाद कुबर्तिन इसका विश्लेषण करने पर इस नतीजे पर पहुंचे कि फ्रांस की हार का कारण उसकी सैन्य कमजोरियां नहीं बल्कि फ्रांसीसी सैनिकों में ताकत की कमी थी।

जर्मन, ब्रिटिश और अमेरिकन बच्चों की शिक्षा का अध्ययन करने के बाद कुबर्तिन ने पाया कि उन्हें ताकतवर और हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने में खेलों में उनकी भागीदारी की सबसे प्रमुख भूमिका थी जबकि फ्रांसीसी खेलों में भागीदारी के मामले में काफी पिछड़े थे। उसके बाद कुबर्तिन ने कोशिशें की कि फ्रांसीसियों को किसी भी तरह खेलों के प्रति आकर्षित किया जाए लेकिन उन्हें इन प्रयासों में उत्साहजनक सफलता नहीं मिली किन्तु कुबर्तिन अपने इरादों पर दृढ़ थे। 1890 में कुबर्तिन ने 'यूनियन डेस सोसायटीज फ्रांसीसीज द स्पोटर्स एथलेटिक्स' नामक एक खेल संगठन की नींव रखी और उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन के दिमाग में ओलम्पिक खेलों को पुनर्जीवन देने का विचार आया। खेल संगठन की 25 नवम्बर 1892 को पेरिस में हुई एक मीटिंग में उन्होंने इस संबंध में अपने विचार भी रखे किन्तु उनके उस भाषण से कुछ हासिल नहीं हुआ।

उसके दो वर्ष बाद कुबर्तिन ने 9 देशों के कुल 79 डेलीगेट्स की एक मीटिंग आयोजित की। इस मीटिंग में कुबर्तिन ने पूरे उत्साह से ओलम्पिक खेलों की नए सिरे से पुनः शुरूआत करने संबंधी भाषण दिया और इस बार वह लोगों को अपने विचारों से प्रभावित करने में सफल हुए। कांफ्रेंस में सभी डेलीगेट्स ने एकमत से ओलम्पिक खेल कराए जाने के पक्ष में वोट दिया और तय किया गया कि कुबर्तिन इन खेलों के आयोजन के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समिति का गठन करें। उसके बाद 'अंतर्राष्ट्रीय ओलम्पिक समिति' का गठन हुआ, जिसके प्रथम अध्यक्ष के रूप में ग्रीस के डेमट्रियोस विकेलास का चयन हुआ।

निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी पर बोले मंत्री जोगाराम पटेल

कांग्रेस शासनकाल के मामले पर हुई कार्रवाई

जोधपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छात्रनेता निर्मल चौधरी की गिरफ्तारी को लेकर कैबिनेट मंत्री जोगाराम पटेल ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह मामला वर्ष 2022 का है, जिसमें राजकार्य में बाधा डालने और पुलिस के साथ धक्का-मुक्की करने का आरोप है। उस समय प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी और जांच भी कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में पूरी हो चुकी थी। अब जब जांच में आरोपी पाया गया है, तो सामान्य कानूनी प्रक्रिया के तहत गिरफ्तारी की गई है।

मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि कानून अपना काम करेगा और सभी को न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी के खिलाफ दुर्भावना से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

यदि को आपत्ति है तो न्यायालय में जाकर अपना पक्ष रखना चाहिए, कानून सबके लिए समान है।

इस गिरफ्तारी को लेकर कांग्रेस द्वारा भाजपा पर लगाए गए आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए पटेल ने कहा कि यह कांग्रेस की ओछी मानसिकता को दर्शाता है। मुकदमा कांग्रेस सरकार के समय दर्ज हुआ, जांच भी उसी दौरान हुई और अब कार्रवाई हो रही है, लेकिन आरोप भाजपा पर लगाए जा रहे हैं, इससे कांग्रेस की राजनीतिक स्तरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

अपने जोधपुर दौरे पर मंत्री जोगाराम पटेल ने सर्किट हाउस में आमजन से मुलाकात और जनसुनवाई की। इस दौरान उन्होंने जोधपुर के ड्रेनेज सिस्टम की समस्याओं पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भैरवनाला और नांदड़ी नाला अभी अधूरे हैं, जिससे इस मानसून में शहरवासियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि जनहानि से बचने और ट्रैफिक जाम जैसी समस्याओं से निपटने के लिए ड्रेनेज सुधार कार्य को प्राथमिकता दी जा रही है, हालांकि यह काम बरसात में पूरा नहीं हो पाएगा।

भाजपा में अंदरूनी कलह से जुड़े एक सवाल पर मंत्री ने कहा कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र है। यदि किसी वरिष्ठ नेता ने जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर कोई बात कही है तो उसे नोटिस दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमारे प्लेटफॉर्म पर बात करने की पूरी आजादी है, लेकिन सार्वजनिक मंच पर अनुशासन जरूरी है। पार्टी इस पर कार्रवाई कर रही है।

राज्यवर्धन सिंह राठौड़ बोले

मोदी युग ने बदली भारत की तस्वीर

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर जिले की ओर से भाजपा प्रदेश कार्यालय में "संकल्प से सिद्धि तक" अभियान के अंतर्गत एक विशेष प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्षों के नेतृत्व को युगांतकारी करार दिया।

राठौड़ ने कहा कि मोदी सरकार ने नीति, तकनीक और नीयत के माध्यम से भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। 2014 के बाद देश को नई लीडरशिप, मजबूत अर्थव्यवस्था और सशक्त विदेश नीति मिली। गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिए अनेक योजनाएं लागू की गईं।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 4 करोड़ से अधिक गरीबों को आवास, उज्ज्वला योजना के तहत 11 करोड़ गैस कनेक्शन और हर घर जल मिशन में 15 करोड़ से अधिक घरों को नल से जल मिला। राठौड़ ने कहा कि भारत अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। यूपीआई सिस्टम गांव-गली तक पहुंच चुका है, जिससे छोटे दुकानदार भी डिजिटल हो रहे हैं। सेना की शक्ति में भी भारी इजाफा हुआ है-अब भारत गोली का जवाब गोले से देने में सक्षम है।

उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा राष्ट्र प्रथम की है और यह पार्टी हर नागरिक के सम्मान और राष्ट्र निर्माण के लिए कार्य कर रही है। भाजपा जयपुर शहर जिला अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि 2014 से पहले सरकारें जुगाड़ से चलती थीं, अब ₹संकल्प₹ से चलती हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर संकल्प को सिद्धि में बदलने का कार्य किया है।

कार्यक्रम में जयपुर सांसद मंजू शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया और जिला संयोजक राघव शर्मा ने प्रस्तावना प्रस्तुत की। इस अवसर पर उप महापौर पुनित कर्नावट, तेज सिंह, कार्यक्रम संयोजक सुरेश गर्ग, विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरभ सारस्वत सहित बड़ी संख्या में डॉक्टर, सीए, अधिवक्ता, पूर्व सैनिक, व्यापारी एवं शहर के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

गहलोत पायलट पर बरसे हनुमान बेनीवाल

छात्र संघ चुनाव बंद कराने वाले अब दिखा रहे समर्थक

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के संयोजक और सांसद हनुमान बेनीवाल ने कांग्रेस नेताओं अशोक गहलोत और सचिन पायलट पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने छात्र संघ चुनावों को लेकर गहलोत की हालिया टिप्पणी पर नाराज़गी जाहिर की और कहा कि गहलोत खुद ही छात्र राजनीति को खत्म करने के जिम्मेदार रहे हैं।

बेनीवाल ने कहा, आज अशोक गहलोत छात्र संघ चुनावों को लेकर ट्वीट कर रहे हैं, जबकि इन्हीं के कार्यकाल में चुनाव बंद कराए गए थे। उनका ट्वीट देखकर मन खिन्न हो गया।₹

सचिन पायलट पर निशाना साधते हुए बेनीवाल ने कहा, जब पायलट मानेसर गए थे, तब उन्होंने मुझसे मदद मांगी थी, तब मैं उन्हें बुरा नहीं लगा था। अब उन्हें मेरा नाम लेने में भी शर्म आ रही है।

छात्र नेता निर्मल चौधरी का समर्थन करते हुए बेनीवाल ने सख्त लहजे में कहा, निर्मल मेरा छोटा भाई है, अगर उसे किसी ने हाथ लगाया तो यह ठीक नहीं होगा। इसके साथ ही बेनीवाल ने कांग्रेस को नसीहत दी कि सोशल मीडिया पर राजनीति करने से कुछ नहीं होगा। उन्होंने कहा, अगर कांग्रेस को जनता का समर्थन चाहिए, तो नेताओं को सड़कों पर उतरना होगा। अगर कांग्रेस को सड़कों पर लड़ाई लड़नी है और जरूरत पड़ी, तो आरएलपी उनका साथ देगी – जैसे हमने उपचुनाव में किया था।

नाबालिग से हैवानियत पर कोर्ट का बड़ा फैसला, दोषी को 20 साल जेल

अलवर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले के बेहतुकला थाना क्षेत्र में 13 मार्च 2024 को हुई एक नाबालिग बालिका से दुष्कर्म की गंभीर घटना में अदालत ने सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने 30 हजार रुपये का आर्थिक दंड भी लगाया है।

पीड़िता के अधिवक्ता ने बताया कि आरोपी अजीत, जो उसी गांव का निवासी है, ने पहले पीड़िता को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश किया, और फिर उसे खेत में ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। जब पीड़िता को होश आया, तो उसने परिजनों को सारी जानकारी दी। परिवार की ओर से तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई, जिसके आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू की गई और पुलिस ने आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार कर लिया।

मामले को पॉक्सो एक्ट के तहत विशेष न्यायालय संख्या एक में प्रस्तुत किया गया, जहाँ सुनवाई के दौरान 21 गवाह और आवश्यक दस्तावेज पेश किए गए।

विशेष न्यायाधीश योगेंद्र अग्रवाल ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद यह स्पष्ट किया कि पीड़िता की बेहोशी की हालत में किया गया अपराध और अधिक गंभीर माना जाएगा। अदालत ने इसे निर्दय, योजनाबद्ध और जघन्य अपराध मानते हुए 20 वर्षों की कठोर सजा और आर्थिक दंड का आदेश दिया।

मंत्री किरोड़ीलाल मीना ने 80 हजार किलो खाद पकड़ी

बीकानेर, 22 जून (एजेंसियां)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीना बीकानेर पहुंचे और बीछवाल में अवैध रूप से भंडारित खाद पकड़ी। करीब 80 हजार किलो (468 क्विंटल) इस खाद को करोड़ों रुपए में किसानों को बेचने की तैयारी थी। मंत्री मीना ने कहा कि गुजरात में तैयार इस खाद का उपयोग करने पर किसान की जमीन बंजर हो जाती।

मंत्री मीना ने रात में बीछवाल में सरकारी गोदाम की जांच की। यहां पर खाद कम्पनियों के कई थैले मिले। प्लॉट संख्या एफ 27 बी, द्वितीय फेज बीछवाल औद्योगिक क्षेत्र में किराए के गोदाम से गोदारा एग्रो एजेंसी नई अनाज मंडी की ओर से भंडारित ग्रीन अर्थ एग्रो केमिकल्स जूनागढ़ (गुजरात) के निर्मित विभिन्न बायो स्टीमूलेंट बरामद हुए।

मंत्री बोले-मिलीभगत कर बेची जाती है नकली खाद

मंत्री ने कहा कि मुझे जानकारी मिली है कि इफको का कर्मचारी और कॉन्ट्रेक्टर निकित लाम्बा नकली माल तैयार करता है और किसानों को लूटता है। नीचे के स्तर पर मिलीभगत कर नकली खाद बेची जाती है।

दस्तावेज की जांच से पता चला कि गोदाम की स्वीकृति नहीं ली हुई है। बायो स्टीमूलेंट को राजस्थान में बिक्री की अनुमति से संबंधित स्वीकृति प्रस्तुत नहीं की गई।

दिनदहाड़े पत्थर से सिर कुचलकर युवक की हत्या

लव मैरिज से नाराज ससुराल वाले शक के दायरे में

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र में रविवार को एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जहां एक 25 वर्षीय युवक गोविंद प्रजापत की दिनदहाड़े पत्थर से सिर कुचलकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह सनसनीखेज वारदात परसा वाली ढाणी के पास हुई, जो कि पशु अठवाड़ा चौकी से महज 800 मीटर की दूरी पर स्थित है।

पुलिस के अनुसार मृतक गोविंद टोडा मीणा गांव का रहने वाला था और एक साल पहले उसने परसा वाली ढाणी की युवती पायल सैनी से प्रेम विवाह किया था। दोनों की शादी अंतरजातीय थी, जिससे लड़की का परिवार नाखुश था। शादी के बाद गोविंद ने ससुराल के पास ही मकान बनाकर रहना शुरू कर दिया था। प्राथमिक जांच में हत्या के पीछे इसी पारिवारिक रंजिश की आशंका जताई जा रही है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हमलावर ने करीब 15 किलो वजनी पत्थर से गोविंद के सिर पर जोरदार वार किया और घटनास्थल से फरार हो गया। घायल गोविंद करीब आधे घंटे तक सड़क पर तड़पता रहा, लेकिन किसी राहगीर ने मदद नहीं की। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तब तक युवक की मौत हो चुकी थी।

मौके से पुलिस ने खून से सना भारी पत्थर, एक बाइक, 50 हजार रुपये नकद और एक बैंक डायरी बरामद की है। थानाधिकारी मुकेश मीणा ने बताया कि हत्या के पीछे लड़की के परिजनों की संलिप्तता की जांच की जा रही है। फिलहाल चार संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

युवक की खुदकुशी के बाद गरमाया माहौल

धरने पर बैठे परिजन; 6 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज

जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर के पुलिस थाने में युवक की खुदकुशी मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मृतक के परिजन आज सुबह से ही सवाई मानसिंह अस्पताल की मॉर्च्युरी के बाहर धरने पर बैठे हुए है। इसी बीच पुलिस प्रशासन ने बड़ा एक्शन लेते हुए थानाधिकारी सहित 6 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया है।

दरअसल, जयपुर के सदर इलाके में वाहन चुराने के मामले में पकड़े गए युवक ने थाने में फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली थी। पुलिस ने शव को एसएमएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है जहां आज शव का पोस्टमार्टम होना था। लेकिन, इससे पहले ही परिजन जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग को लेकर अस्पताल की मॉर्च्युरी के बारह धरने पर बैठ गए।

सूचना मिलते ही कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास धरना स्थल पर पहुंचे और मृतक के परिजनों से बात की। इसके बाद खाचरियावास भी मृतकों के परिजनों के साथ धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि पुलिस थाने में खुदकुशी गंभीर मामला है। सरकार लापरवाह पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई करें और पीड़ित के परिजनों को मुआवजा दिए जाएं।

प्रतापसिंह खाचरियावास ने एक्स पर लिखा कि जयपुर के सदर थाने में एक नौजवान मनीष पांडे, जिसकी 2 छोटी बेटियां है। वो पुलिस की दहशत से तंग आकर आत्महत्या कर लेता है। परिवार दुखी है। राजस्थान की गूंगी-बहरी सरकार से न्याय की गुहार लगा रहा है।

वहीं, मामले की गंभीरता को देखते हुए जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने न्यायिक मजिस्ट्रेट से जांच के आदेश दे दिए है। साथ ही सदर थानाधिकारी सहित 2 एसआई, 2 हेड कॉन्स्टेबल और 1 कॉन्स्टेबल को लाइन हाजिर कर दिया है।

सदर थाना पुलिस ने बाइक चोरी के मामले में मनीष पांडेय को हिरासत में लिया था, वह जयपुर में मांग्यावास में किराए से रहता था और मूलतः उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। पुलिस उससे पूछताछ कर रही थी। इसी दौरान उसने कमरे में रखे तौलिए से फंदा लगा लिया। आवाज सुनकर संतरी ने पुलिस स्टॉफ को अलर्ट कर उसे फंदे से नीचे उतारा। पुलिसकर्मी उसे बनीपार्क सैटेलाइट हॉस्पिटल ले गए। वहां से चिकित्सकों ने एसएमएस रेफर कर दिया, जहां उसकी मौत हो गई।

ससुर ने मांगा खाना, बहू ने पेट्रोल डालकर जिंदा जला दिया

अलवर, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर जिले से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। तिजारा थाना क्षेत्र के राईखेड़ा गांव में एक बहू ने अपने ससुर पर पेट्रोल छिड़ककर उन्हें आग के हवाले कर दिया। पीड़ित ससुर, लाल सिंह जोगी, बीएसएफ से रिटायर्ड हेड कांस्टेबल हैं और वर्तमान में गांव में ही रह रहे थे। घटना के पीछे का कारण बताया जा रहा है कि लाल सिंह ने अपनी बड़ी बहू लक्षिता से खाना मांगा था। इस पर बहू ने न केवल इनकार किया, बल्कि बात बढ़ने पर दोनों के बीच बहस और गाली-गलौज भी हुई। इसी दौरान बहू ने पेट्रोल उठाकर ससुर के चेहरे और शरीर पर छिड़का और माचिस से आग लगा दी। घटना के तुरंत बाद घर में मौजूद छोटी बहू और भतीजे ने आग बुझाई और झुलसे हुए लाल सिंह को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें तुरंत अलवर जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि लाल सिंह करीब 80 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं और उनकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। पड़ोसियों और परिवारजनों के अनुसार, यह पहली बार नहीं है जब बहू ने ससुर के साथ गलत बर्ताव किया हो। पहले भी कई बार आपसी कहासुनी और दुर्व्यवहार की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन इस बार मामला जानलेवा हमले तक पहुंच गया। घटना की सूचना पर तिजारा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने परिवार के अन्य सदस्यों से पूछताछ शुरू कर दी है और बहू लक्षिता की भूमिका को लेकर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। ग्रामीणों में इस सनसनीखेज वारदात को लेकर दहशत का माहौल है। बुजुर्गों और परिवारजनों ने घटना को बेहद शर्मनाक बताते हुए आरोपी बहू के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह घटना बताती है कि कैसे छोटे-छोटे घरेलू विवाद भी अगर समय रहते ना सुलझाए जाएं, तो वो बड़ी त्रासदी का कारण बन सकते हैं।

पुलिस से गैंगस्टर बना 'प्रवीण कमांडो' चढ़ा एजीटीएफ के हत्थे, लॉरेंस बिश्नोई गैंग से था जुड़ा

चुरू, 22 जून (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए कुख्यात गैंगस्टर और पूर्व पुलिस कमांडो प्रवीण सिंह जोड़ी उर्फ प्रवीण कमांडो (43) को चूरू बायपास से गिरफ्तार कर लिया। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग के लिए काम कर रहा था और 25,000 के इनामी अपराधियों में शामिल था।

एडीजी (अपराध) एमएन ध्यानी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ चूरू के होटल सनसिटी पर फायरिंग समेत कई संगीन मामले दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद उसे चूरू कोतवाली थाना पुलिस को सौंप दिया गया है, जहां उससे पूछताछ जारी है। ऑपरेशन की कमान इंस्पेक्टर सुभाष सिंह तंवर के नेतृत्व में थी, जिसमें हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और महावीर सिंह सहित आठ सदस्यीय टीम शामिल रही। हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह की खुफिया सूचना पर ही आरोपी को घेराबंदी कर पकड़ा गया।

प्रवीण जोड़ी वर्ष 2001 में झालावाड़ में कांस्टेबल पद पर भर्ती हुआ था, लेकिन लॉरेंस बिश्नोई व आनंदपाल गैंग से संबंध सामने आने के बाद उसे बर्खास्त कर दिया गया। इसके बाद उसने अपराध की दुनिया में कदम रख लिया। वह व्यापारियों के मोबाइल नंबर गैंगस्टरों को उपलब्ध कराता था, जिससे वे फिरौती वसूलने का काम करते थे। 18 अगस्त 2024 को चूरू के होटल सनसिटी में जानलेवा फायरिंग की घटना में प्रवीण जोड़ी आरोपी था। हमले में होटल कर्मचारी मन्जत अली बाल-बाल बचा था। इसी मामले में चूरू एसपी ने उस पर 25,000 का इनाम घोषित किया था। इस ऑपरेशन को एडीजी योगेश यादव व एएसपी सिद्धांत शर्मा के सुपरविजन में अंजाम दिया गया। हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और महावीर सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टीम के अन्य सदस्यों में एएसआई शंकर दयाल शर्मा, सुरेश, कमल डागर, नरेश, रतिराम और चालक सुरेश शामिल थे।

नहाते समय पैर फिसला, तालाब में डूबने से बालक की मौत

बस्सी, 22 जून (एजेंसियां)। कोटखावदा थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत गरूड़वासी के ग्राम महाराजपुरा स्थित गोठवालों की ढाणी निवासी एक बालक की तालाब में डूबने से मौत हो गई। वहीं घटना के बाद घर-परिवार में कोहराम मच गया है। थानाधिकारी भरत महर ने बताया कि रितेश मीना (12) पुत्र रमेश मीना निवासी ग्राम महाराजपुरा बड़ी बहन पायल (15) के साथ बकरियां चराने गया था। तभी वह भैंरूजी मंदिर के पास तालाब की सीढ़ियों से नहाने के पानी में उतरा। लेकिन पैर फिसलने के कारण वह गहरे पानी में चला गया। भाई को पानी में डूबता हुआ देखकर बड़ी बहन पायल रोते हुए परिजनों को बुलाने के लिए दौड़ पड़ी। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां पर मौजूद ग्रामीणों की भीड़ लग गई।

सड़क पर बिछाए कीलदार पट्टे

कार के चारों टायर फटे फिर भी दौड़ाई 10 किमी

पुलिस ने फिल्मी एक्शन में पकड़ा ईनामी बदमाश

अलवर, 22 जून (एजेंसियां)। अलवर के एमआईए थाना पुलिस ने एक ऐसे गैंग का खुलासा किया है, जो कंपनियों का सामान रास्ते में ही गायब कर देता था। इस गिरोह के बदमाश इस काम के लिए जिस ट्रक का इस्तेमाल करते थे, उसका चेचिस नंबर, नंबर प्लेट, कागजात और ड्राइविंग लाइसेंस सब फर्जी होता था। पुलिस ने इस गैंग के सरगना नासिर (42) पुत्र सद्दीक खान को गिरफ्तार किया है। यह बदमाश हीरवाड़ी थाना फिरोजपुर झिरका का निवासी है। इसकी गिरफ्तारी पर अलवर एसपी ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। एसपी संजीव नैन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि नासिर नौगावां क्षेत्र में अपने रिश्तेदार के यहां आया हुआ है। पुलिस ने नाकाबंदी कराते हुए सड़क पर कीलदार पट्टे बिछाए। जिससे आरोपी की कार के चारों टायर फट गए। इसके बाद भी वह कार को 10 किलोमीटर तक भगाकर ले गया। जिसे पुलिस ने पीछा कर गिरफ्तार कर लिया। उसकी कार को पुलिस ने जब्त किया है। साथ ही आरोपी की निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त एक ट्रक को हरियाणा से जब्त किया गया है। आरोपी से फर्जी आरसी भी बरामद हुई है।

गत 23 जनवरी को एमआईए स्थित अडानी कंपनी से तेल के पीपे भरकर हुगली (कोलकाता) के लिए रवाना हुआ ट्रक रास्ते में ही गायब हो गया था। जिसके ड्राइवर का पता नहीं चला था। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज हुआ था। मामले की जांच के दौरान इस बदमाश को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पूर्व में ही गिरफ्तार कर 259 सरसों के तेल की पेटियां बरामद कर चुकी है।

फेसबुक-इंस्टाग्राम पर सस्ते कपड़े और मोबाइल बेचने के नाम पर ठगी

आरोपी गिरफ्तार, नाबालिग निरुद्ध

अलवर, 22 जून (एजेंसियां)। साइबर ठगी के मामलों में अलवर पुलिस को एक और सफलता हाथ लगी है। सदर थाना पुलिस ने कपड़ों के थान, साड़ियों और सस्ते मोबाइल फोन बेचने के नाम पर लोगों से ऑनलाइन ठगी करने वाले दो आरोपियों को पकड़ा है। इनमें एक बाल अपचारी भी शामिल है। थाना प्रभारी रमेश सैनी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी असलम पुत्र मोहर खान गांव बुआका का रहने वाला है, जबकि उसका नाबालिग साथी भी उसी क्षेत्र से है। दोनों आरोपी इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कपड़े और मोबाइल के विज्ञापन डालकर लोगों को फंसाते थे। आरोपी असलम साड़ियों और कपड़ों के थान को डायरेक्ट फैक्ट्री से सस्ते में बेचने का झांसा देकर लोगों से पैसे ऐंठता था। पुलिस के अनुसार वह अब तक करीब 50 से अधिक लोगों को ठग चुका है। वहीं उसका नाबालिग साथी सस्ते मोबाइल बेचने का लालच देकर लोगों से ऑनलाइन पेमेंट लेकर उन्हें सामान नहीं भेजता था। मुखबिर से मिली सूचना और साइक्लोन टीम की मदद से पुलिस ने दोनों आरोपियों को उनके गांव से पकड़ लिया। असलम को गिरफ्तार कर लिया गया है,

भारतीय रेल को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम

जीआरपी प्रमुखों का छठा अखिल भारतीय सम्मेलन संपन्न

नई दिल्ली/हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के समन्वय में रेल मंत्रालय के साथ राजकीय रेलवे पुलिस प्रमुखों का 6वां अखिल भारतीय सम्मेलन नई दिल्ली के विज्ञान भवन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम यात्री सुरक्षा, अपराध कम करने की रणनीतियों और बेहतर रेलवे सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण जनशक्ति आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श करने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और सुरक्षा बलों का नेतृत्व करने वालों को एक मंच पर लाया।

सम्मेलन की शुरुआत रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी सतीश कुमार के उद्घोषन के साथ हुई, जिन्होंने यात्री शिकायतों और मामलों के दर्ज करने पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में लाखों रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में जीआरपी और आरपीएफ के बीच सहयोगात्मक दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते, ऑपरेशन आहट और मेरी सहेली जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से रेलवे में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ के प्रयासों की भी सराहना की। अपने स्वागत भाषण में, डीजी आरपीएफ श्री मनोज यादव ने उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए, विशेष रूप से बढ़ते यात्री अपराधों को संभालने में सुरक्षा ढांचे के आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया।

चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रेल मदद पोर्टल पर दर्ज यात्री शिकायतों और वास्तविक रूप से दर्ज किए जा रहे मामलों के तुलनात्मक विश्लेषण के इर्द-गिर्द केंद्रित रहा। जिसमें रेलवे में होने वाले बड़े अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया। नए आपराधिक कानूनों का कार्यान्वयन एक प्रमुख केंद्र बिंदु था, जिसमें जीरो एफआईआर के कुशल प्रबंधन और राज्यों में तेजी से अपराध रिपोर्टिंग, सुव्यवस्थित साक्ष्य प्रबंधन और प्रभावी जांच को सुविधाजनक बनाने के लिए ई-एफआईआर सिस्टम के एकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।

एक अन्य प्रमुख फोकस क्षेत्र रेलवे के विभिन्न ढांचे और मैनपॉवर से संबंधित मामलों पर चर्चा थी। प्रतिभागियों ने जीआरपी के मैनपॉवर और ढांचागत आवश्यकताओं को निर्धारित करने के लिए एक समान बेंचमार्क बनाने का पता लगाया, जिसमें विविध भौगोलिक स्थितियों और रेलवे संचालन की जटिलताओं को ध्यान में रखा गया। एक समयबद्ध तरीके से इन बेंचमार्क को निर्धारित करने के लिए एक समिति नामित की गई है। इस सत्र में भारत के व्यापक रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा मांगों को पूरा करने के लिए एक संरचित, स्केलेबल ढांचे की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

अपने समापन भाषण में, डीजी आरपीएफ मनोज यादव ने सम्मेलन की सहयोगात्मक भावना की सराहना करते हुए कहा कि, इस सम्मेलन ने रेलवे सुरक्षा को मजबूत करने के हमारे सामूहिक संकल्प की पुष्टि की है। मैनपॉवर की चुनौतियों का समाधान करके, हमारी प्रणालियों का आधुनिकीकरण करके और हमारी अपराध प्रतिक्रिया तंत्र में सुधार करके, हम लाखों यात्रियों के लिए सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रहे हैं। इस यात्रा में राज्यों के जीआरपी की भूमिका और भारतीय रेलवे के साथ उनकी साझेदारी महत्वपूर्ण है और हमें मिलकर रेलवे सुरक्षा के लिए नए बेंचमार्क स्थापित करते रहना चाहिए। सम्मेलन एक भविष्य के लिए दृष्टिगत विचार के साथ संपन्न हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने कार्रवाई योग्य समाधानों पर सहमति व्यक्त की, जिसमें उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाना, हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय और यात्री सुरक्षा पर सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकता के रूप में एक मजबूत ध्यान शामिल है।

नवविवाहिता ने की पति की हत्या

कर्नूल, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के पिन्नापुरम में दरिंदगी, मृतक की पहचान तेजेश्वर के रूप में हुई है, जो गदवाल, तेलंगाना का एक निजी सर्वेक्षक था। पुलिस को संदेह है कि तेजेश्वर की हत्या उसकी पत्नी ऐश्वर्या, उसकी मां और एक निजी बैंक मैनेजर ने की है।

पुलिस को संदेह है कि विवाहेतर संबंध हत्या का कारण थे। सेल फोन सिग्नल के आधार पर पुलिस ने बैंक मैनेजर और ऐश्वर्या के फोन का पता लगाया और विवरण एकत्र किया। ऐश्वर्या, सास सुजाता पुलिस हिरासत में लिए गए हैं। पुलिस फरार बैंक मैनेजर की तलाश कर रही है।

बहरीन में तेलुगु एनआरआई श्री वेंकटेश्वर कल्याणम को धूमधाम से मनाया

दुबई, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। द्वीप राष्ट्र बहरीन में उत्साही और भक्तिपूर्ण तेलुगु एनआरआई समुदाय ने श्री वेंकटेश्वर कल्याणम को धूमधाम और आध्यात्मिक उत्साह के साथ मनाया। तेलुगु एनआरआई अरब देश में अपने इलावेलुप को देखकर बहुत खुश हुए, सलमाबाद में पूरे दिन "गोविंदा गोविंदा" के नारे गूंजते रहे, जहां शुक्रवार को यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में बहरीन और पड़ोसी खाड़ी देशों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के पुजारियों - भरत शेखर चार्युलु, उपाध्याय बलभद्र और सुदर्शन नारायण की एक टीम अनुष्ठान संपन्न कराने के लिए तिरुपति से बहरीन आई थी।

वैदिक विद्वानों ने मंत्रोच्चार करते हुए श्री वेंकटेश्वर कल्याणम का महत्व समझाया। दिव्य विवाह से पहले, देवताओं के लिए एक विशेष अनुष्ठान स्नान किया गया, जिसमें शुभ समारोह परंपरा के अनुसार आयोजित किए गए। पुजारियों ने कहा कि श्री वेंकटेश्वर कल्याणम क्षेत्र में दिव्य आशीर्वाद, शांति और समृद्धि लाएगा। टीटीडी के अध्यक्ष बीआर नायडू ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया।

छह घंटे के भीतर चोरी के नकद करीब 46 लाख रुपये बरामद

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने छह घंटे के भीतर चोरी के नकद करीब 46 लाख रुपये बरामद कर लिया। पुलिस को पाटीगड्डा स्थित सन स्टील्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक से शिकायत मिली कि 20-21 जून की रात को उनके ऑफिस केबिन में गोदरेज लॉकर तोड़कर किसी अज्ञात अपराधी ने उनके गोदाम से 46 लाख रुपये की चोरी की है। शिकायत मिलने पर धारा 331(4) और 305 बीएनएस के तहत एफआईआर नंबर 266/2025 दर्ज की गई।

पुलिस उपायुक्त, उत्तरी क्षेत्र रश्मि पेरुमल ने बताया कि जानकारी मिली कि आरोपी बस से सिकंदराबाद से पुरेली, मध्य प्रदेश भाग रहा था। बस स्टैंड और डिपो को अलर्ट कर दिया गया और पुलिस स्टेशनों को सूचित किया गया, साथ ही आरोपी की तस्वीर और विवरण साझा किया गया। सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से आरोपी की पहचान की गई, ट्रैवल एजेंसियों का सत्यापन किया गया। यह जानते हुए कि उसने मेडचल में एक ढाबा मालिक के सेल फोन से कॉल किया था, ढाबे पर लगे सीसीटीवी की जांच की गई और जिस बस में वह यात्रा कर रहा था, उसके चालक से उसकी गतिविधियों पर नज़र रखी गई। पुलिस के प्रयासों के कारण, आदिलाबाद पुलिस की सहायता से, आरोपी को महाराष्ट्र सीमा पर पकड़ लिया गया, और उसके कब्जे से लगभग 46 लाख की पूरी चोरी की गई राशि बरामद की गई। उन्होंने बताया कि आरोपी गिरिधारी सिंह निवासी पुरेली, सराय, मध्य प्रदेश का रहने वाला है।

पहले, आरोपी ने शिकायतकर्ता की कंपनी के साथ तीन साल तक काम किया था, लेकिन उसके अनुचित व्यवहार के कारण छह महीने पहले उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। अपने कार्यकाल के दौरान, आरोपी शिकायतकर्ता के कार्यालय केबिन के लॉकर में नकदी रखने की प्रथा से परिचित हो गया, जिसके कारण उसने चोरी करने की योजना बनाई। तदनुसार, 20-21 जून, 2025 की रात को, उसने छत में एक छेद के माध्यम से प्रवेश करके और गोदरेज लॉकर को तोड़कर अपराध को अंजाम दिया।

अस्पताल के छत का पंखा नवजात पर गिरा

आसिफाबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के गुड़ीहाटनूर मंडल केंद्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गंभीर दुर्घटना हुई। एक छत का पंखा गलती से एक दो दिन के बच्चे पर गिर गया, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस बीच, माँ को सचेत कर दिया गया और पलक झपकते ही एक बड़ा हादसा टल गया। पंखा गिरने तक माँ ने जल्दी से अपने बच्चे को उठा लिया, फिर भी दो दिन के बच्चे को मामूली चोटें आईं। बाद में, सतर्क गुड़ीहाटनूर प्राथमिक अस्पताल के कर्मचारियों ने बच्चे और माँ को आपातकालीन उपचार के लिए 108 एम्बुलेंस में आदिलाबाद जिला रिम्स अस्पताल पहुंचाया। रिम्स के डॉक्टरों ने जब बताया कि माँ और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं, तो सभी ने राहत की सांस ली।

जानकारी के अनुसार.. दो दिन पहले गुड़ीहाटनूर मंडल के माचापुर गांव की रहने वाली जादव पायल को प्रसव पीड़ा होने पर उसके पति जादव कैलाश गुड़ीहाटनूर प्राथमिक अस्पताल लेकर आए थे। पायल ने कुछ ही घंटों में एक पूर्ण अवधि की बच्ची को जन्म दिया। जब माँ और बच्चे का सामान्य वार्ड में इलाज चल रहा था। आज सुबह अचानक उनके बेड के ऊपर लगा पंखा उड़ गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से घबराई माँ ने जल्दी से अपने बच्चे को एक तरफ खींचा, और पंखे का सिरा उसकी पीठ पर गिर गया। सतर्क गुड़ीहाटनूर अस्पताल के कर्मचारियों ने माँ और बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया।

डॉक्टरों ने कहा कि माँ और बच्चा फिलहाल सुरक्षित हैं। इस हादसे को लेकर परिजनों में गुस्सा है। वे विरोध कर रहे हैं कि अगर कुछ भयानक हुआ तो कौन जिम्मेदार होगा। इस घटना से स्थानीय स्तर पर हड़कंप मच गया है। स्थानीय लोग अस्पताल की सुविधाओं पर ध्यान देने की मांग कर रहे हैं।

गजवेल किसान की विधवा ने पति की आत्महत्या के बाद लगाई सहायता की गुहार

सिद्दीपेट, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बढ़ते कर्ज को चुकाने में असमर्थ, किसान चिगुरु स्वामी (36) ने फरवरी 2024 में गजवेल मंडल के बंगला वेंकटपुर गांव में आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने 30 गुंटा जमीन पर धान की खेती की थी, लेकिन अनियमित बिजली आपूर्ति के कारण फसल सूख गई। उनकी मृत्यु के बाद उनकी पत्नी श्रावंती (25) पर 4 लाख रुपये का कर्ज और छह और चार साल के दो छोटे बेटों की देखभाल का बोझ आ गया।

परिवार के पास सिर्फ 1.24 एकड़ ज़मीन है जो सिर्फ अच्छी बारिश वाले सालों में ही खेती के लायक है। आय का कोई दूसरा स्रोत न होने के कारण, श्रवंती ने अपने पति की मृत्यु के दो महीने बाद अप्रैल 2024 में विधवा पेंशन के लिए आवेदन किया। एक साल से ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी, वह तहसीलदार के दफ़्तर और स्थानीय पंचायत के बार-बार चक्कर लगाने के बावजूद सहायता का इंतज़ार कर रही है।

जब निजी ऋणदाताओं ने उस पर कर्ज चुकाने का दबाव बनाना शुरू किया, तो उसने 1 लाख रुपये का एसएचजी लोन लिया और बकाया का कुछ हिस्सा चुकाने में कामयाब रही। हालांकि, अब वह एसएचजी लोन पर 4,100 रुपये की मासिक किस्त चुकाती है, जबकि अभी भी उस पर 3 लाख रुपये का कर्ज है।

अपने दोनों बच्चों को खिलाने में असमर्थ, उसने अपने बड़े बेटे वामशी (7) को कोमपल्ली में एक एनजीओ द्वारा संचालित बच्चों के आश्रय गृह लेखा होम में भर्ती कराया। प्रजा पालना पहल के दौरान, श्रावंती ने राशन कार्ड, इंदिरम्मा घर, विधवा पेंशन और अन्य कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवेदन किया। जबकि उसके गांव के कई अन्य लोगों को राशन कार्ड मिले, उसे नहीं मिला। उसे अपने आवास आवेदन पर कोई अपडेट भी नहीं मिला है।

कृषि मजदूर श्रावंती ने कहा कि उन्हें दिन में दो वक्त का खाना भी नहीं मिल पाता। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि उन्हें विधवा पेंशन दी जाए और जल्द से जल्द अंत्योदय राशन कार्ड जारी किया जाए।

उन्होंने दयालु व्यक्तियों से एक-दो भैंस या बकरियां दान करने का अनुरोध किया तथा आशा व्यक्त की कि वह पशुपालन करके सम्मानजनक जीवन जी सकेंगी।

श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में कामधेनु कक्ष उद्घाटित

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जियागुडा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में मोहिनी एकादशी पर गौशाला परिसर में कामधेनु कक्ष का उद्घाटन किया गया। गौशाला परिसर में 12,000 वर्ग फीट के कामधेनु कक्ष पर गौ माता के परिक्रमा करने के लिए चारों तरफ से पाइप का काम तथा चारा हेतु केरी (बॉक्स) का निर्माण किया गया, जिसकी पूजा-अर्चना कर गौ माता को समर्पित किया गया। गौशाला में गौमाता को चारा, सब्जी खिलाने के बाद पूजन कर आरती की गई।

अवसर पर गौशाला के प्रभुदत्त महाराज, दीनदयाल अग्रवाल, हरिकिशन मायछ, सत्यनारायण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, सुरेश कोलारिया, जयकिशन उपाध्याय, मनोज सोनी, शरद वर्मा, मनोज कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

कुकुनूरपल्ली में दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत

सिद्दीपेट, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडापोचम्मा सागर की मनोरंजक यात्रा बाइक सवारों के एक समूह के लिए दुखद हो गई, क्योंकि रविवार को कुकुनूरपल्ली के निकट राजीव राहदारी पर सड़क दुर्घटना में उनमें से एक की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, संगारेड्डी जिले के गुम्मादिदला मंडल के अन्नाराम गांव से पर्यटकों का एक दल कोंडापोचम्मा सागर की लंबी सैर पर गया था। लौटते समय, सवारों में से एक, अविरल सिंह थोमर (26) ने अपनी बाइक पर नियंत्रण खो दिया और सड़क से उतरकर पास की झाड़ियों में जा गिरा। थॉमर को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए गजवेल के सरकारी अस्पताल में भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

एचआईवी रोगियों के लिए उम्मीद की किरण

फार्मा दिग्गजों को एचआईवी की दवा के लिए मिली मंजूरी

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एचआईवी रोगियों के लिए आशा की एक किरण के रूप में (विशेष रूप से दो तेलुगु भाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में) कई भारतीय दवा कंपनियों ने लेनाकापाविर नामक एक अभूतपूर्व दवा के उत्पादन को हरी झंडी दे दी है, जिसे वर्ष में केवल दो बार इंजेक्शन के रूप में दिया जाता है, तथा यह रोग के प्रबंधन के लिए एक आशाजनक विकल्प है।

एचआईवी दवा लेनाकापाविर, जिसे मूल रूप से गिलियड साइंसेज द्वारा विकसित किया गया है और जिसे सनलेनका के नाम से बेचा जाता है, भारतीय रोगियों के लिए एचआईवी के खिलाफ लड़ाई में एक नया हथियार प्रदान करती है। उन्हें अब मौखिक गोलियां लेने की जटिलताओं और सख्त एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी का पालन करने में कठिनाइयों के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं होगी।

कुछ दिनों पहले, गिलियड को यौन रूप से प्राप्त एचआईवी के जोखिम को कम करने के लिए साल में दो बार इस्तेमाल के लिए येज़्टुगो (लेनाकापाविर) के लिए यूएसएफडीए की मंजूरी मिली थी। गिलियड ने हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और हेटेरो हेल्थकेयर, पुणे स्थित एमक्योर फार्मास्यूटिकल्स और माइलान को भी गैर-अनन्य, रॉयल्टी-मुक्त स्वैच्छिक लाइसेंसिंग समझौतों के माध्यम से अनुमति दी है।

एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया (एएसआई) के मानद अध्यक्ष डॉ. ईश्वर गिलाडा ने इस विकास के महत्व पर कई समाचार एजेंसियों को उद्धृत किया है। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक लाइसेंस से उम्मीद जगी है कि दवा की कीमत 100 अमेरिकी डॉलर से कम हो सकती है, जो कि इनोवेटर की लागत का 0.3 प्रतिशत है। एचआईवी संक्रमण को रोकने और एड्स को खत्म करने में मदद करने के लिए भारत को आवश्यक पैमाने पर लेनाकापाविर के न्यायसंगत और समय पर वितरण के लिए आगे आना चाहिए।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) के आंकड़ों (2021 डेटा) के आधार पर, भारत में अनुमानित 24 लाख लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। तेलंगाना में, एचआईवी से पीड़ित लगभग 1.3 से 1.5 लाख लोग हैं, जबकि आंध्र प्रदेश में लगभग 3.2 लाख रोगी हैं।

इस दवा की एक दिलचस्प विशेषता यह है कि इसे शुरुआती मौखिक लोडिंग खुराक के बाद साल में दो बार इंजेक्शन के रूप में दिया जाता है। यह दैनिक मौखिक गोलियों से एक छलांग आगे है जो दशकों से एचआईवी के प्रबंधन के लिए एक मानक रही हैं। क्षेत्र के विशेषज्ञों ने कहा कि भारतीय कंपनियों द्वारा निर्मित इस दवा के जेनेरिक संस्करण से लेनाकापाविर की कीमत काफी कम हो जाएगी, जिससे ग्रामीण और शहरी आबादी के बीच इसकी व्यापक पहुंच सुनिश्चित होगी।

'रप्पा रप्पा' बैनरों ने संगारेड्डी में पैदा कर दी राजनीतिक हलचल

संगारेड्डी, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव की जिन्नाराम में शनिवार को हुई विरोध सभा के दौरान वायरल नारे रप्पा रप्पा 3.0 लोडिंग वाले बैनर प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए, जिससे उपस्थित बीआरएस कार्यकर्ताओं और किसानों के बीच राजनीतिक बहस छिड़ गई। पटनचेरु निर्वाचन क्षेत्र के बीआरएस नेता बालागौनी साईचरण गौड़ और उनके समर्थकों द्वारा लगाए गए बैनर 2028 के चुनावों से पहले बीआरएस की मजबूत वापसी का संकेत देते हैं। हरीश राव पटनचेरु निर्वाचन क्षेत्र के किसानों के समर्थन में आयोजित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए जिन्नाराम में थे, जिन्हें रैतु भरोसा सहायता से वंचित कर दिया गया था। हिट फिल्म पुष्पा-2 में अभिनेता अल्लू अर्जुन के किरदार द्वारा लोकप्रिय किया गया वाक्यांश रप्पा रप्पा इस समाह की शुरुआत में ही आंध्र प्रदेश में वाईएसआर पार्टी के समर्थकों द्वारा फ्लेक्सी पर दिखाए जाने के बाद वायरल हो गया था। इस ट्रेंड ने सत्तारूढ़ टीडीपी-जन सेना गठबंधन और वाईएसआर पार्टी के नेताओं दोनों की प्रतिक्रियाएं आकर्षित कीं, जिससे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही जगह तीखी बहस हुई।

पांच ड्रग निर्माताओं को पकड़ा गया, 52 लाख रुपये के नशीले पदार्थ बरामद

हैदराबाद 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीजीएनएबी टीम ने निषेध और आबकारी पुलिस, निर्मल जिले के साथ मिलकर पांच लोगों को पकड़ा है। आरोपी महाराष्ट्र के ठाणे जिले के गणेशपुरी तहसील के निंबावली गांव में निर्मित क्लोरल हाइड्रेट ड्रग और अल्प्राजोलम ड्रग का परिवहन कर रहे थे और जरूरतमंद ग्राहकों को बेचकर अवैध रूप से पैसा कमा रहे थे। आरोपियों के पास से (425) किलोग्राम क्लोरल हाइड्रेट ड्रग, (1.115) किलोग्राम अल्प्राजोलम ड्रग और दो एर्टिगा कार जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में बसपल्ली राम गौड़ ताड़बिलोली, रेनजाल (एम), निज़ामाबाद, बुर्रा रमेश निवासी राघवपट्टनम, करीमनगर, कोटागिरी राजम निवासी इतिक्याल, करीमनगर, एलंडुला श्रीनिवास ,निवासी बुग्गाराम, दरमापुरी (एम), करीमनगर, बुर्रा राजशेखर निवासी राघवपट्टनम, गोलेपल्ले, करीमनगर शामिल हैं।

यह नारकोटिक ड्रग निर्माण का मामला है, जहां क्लोरल हाइड्रेट और अल्प्राजोलम (नारकोटिक पदार्थ) निर्माण और आपूर्ति करने वाले गिरोह का आवश्यकता होती है। जानकारी के अनुसार एक बड़ा नेटवर्क पकड़ा गया है और (5) ड्रग निर्माता हैं। आरोपी व्यक्तियों ने एक गिरोह बनाया है और अवैध रूप से क्लोरल हाइड्रेट और अल्प्राजोलम का निर्माण कर रहे हैं, और जरूरतमंदों को नकली ताड़ी बनाने के लिए ताड़ी यौगिक बेच रहे हैं। इससे पहले जनवरी-2024 के महीने में आरोपी बासपल्ली राम गौड़ को टीजीएनएबी और निषेध एवं आबकारी पीएस, बालानगर द्वारा क्लोरल हाइड्रेट ड्रग का परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया था। जेल से रिहा होने के बाद, उसने फिर से क्लोरल हाइड्रेट ड्रग तैयार करने की योजना बनाई और आरोपी बुर्रा रमेश, कोडागिरी राजम, एलंडुला श्रीनिवास और बुर्रा राजशेखर के साथ एक गिरोह बनाया और नकली ताड़ी तैयार करने के लिए जरूरतमंद ताड़ी की दुकानों को बेचने के लिए क्लोरल हाइड्रेट ड्रग तैयार करना शुरू कर दिया। आरोपी बासपल्ली राम गौड़ ने कोडागिरी राजम की मदद से निंबावली गांव, गणेशपुरी (तहसील), ठाणे जिले, महाराष्ट्र के पास एक आंतरिक स्थान पर एक कमरा लिया और बुर्रा रमेश, कोडागिरी राजम, एलंडुला श्रीनिवास और बुर्रा राजशेखर के साथ क्लोरल हाइड्रेट दवा तैयार करना शुरू कर दिया और ताड़ी की दुकानों में इस्तेमाल के लिए तेलंगाना राज्य में क्लोरल हाइड्रेट दवा बेची। वे तेलंगाना में ताड़ी की दुकानों को बेचने के लिए अल्प्राजोलम का परिवहन कर रहे थे। सभी आरोपियों ने महाराष्ट्र के ठाणे जिले में दो अर्टिगा कारों में क्लोरल हाइड्रेट दवा कुल 425 किलोग्राम और 1.115 किलोग्राम अल्प्राजोलम से भरे 17 बैग लोड किए और तेलंगाना राज्य में जरूरतमंद ग्राहकों को आपूर्ति की। इस बीच विश्वसनीय सूचना पर टीजीएनएबी ने निषेध एवं आबकारी पीएस, निर्मल के साथ मिलकर राष्ट्रीय राजमार्ग 61 पर चित्याल (वी), निर्मल ग्रामीण (भैंसा से निर्मल की ओर जाने वाली सड़क) के पास ड्रग्स के साथ आरोपी व्यक्तियों को पकड़ा। क्लोरल हाइड्रेट आदत बनाने वाला हो सकता है, एक शामक है, इसका उपयोग अनिद्रा के अल्पकालिक उपचार (आपको नींद आने में मदद करने और उचित आराम के लिए सोते रहने के लिए) और सर्जरी से पहले चिंता को दूर करने और नींद लाने के लिए किया जाता है। इसका उपयोग सर्जरी के बाद दर्द के लिए और शराब की लत के इलाज के लिए भी किया जाता है। अल्प्राजोलम एक अत्यधिक नशे की लत वाली दवा है, यहां तक कि एलोपैथिक डॉक्टर भी 0.25 मिलीग्राम से 0.5 मिलीग्राम अधिकतम और वह भी 14 दिनों के लिए लिखते हैं। एनडीपीएस अधिनियम के अनुसार वाणिज्यिक मात्रा 100 ग्राम है जो कोकेन के समान है।

डीएससी 2024 खेल कोटा भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चयन समिति (डीएससी) 2024 के तहत विशेष रूप से खेल कोटे के तहत शिक्षकों की भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितताएं उजागर हुई हैं। माध्यमिक ग्रेड शिक्षक (एसजीटी) के रिक्त पदों को भरने के उद्देश्य से की गई भर्ती प्रक्रिया उल्लंघन और भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरी हुई है।

सूत्रों के अनुसार, कुछ अधिकारियों ने कथित तौर पर योग्य उम्मीदवारों को दरकिनार कर 25 अयोग्य व्यक्तियों को नौकरी दे दी। डीएससी 2024 में पहली बार शुरू किए गए खेल कोटे के तहत कुल 95 रिक्तियां निर्धारित की गई थीं। आवेदन करने वाले 8,000 उम्मीदवारों में से 392 पात्र पाए गए।

खेल कोटे के तहत उम्मीदवारों का चयन चार श्रेणियों में किया जाता है- अंतर्राष्ट्रीय (फॉर्म I), राष्ट्रीय (फॉर्म II), अंतर-विश्वविद्यालय (फॉर्म III), और अंतर-जिला (फॉर्म IV)। रिक्तियों को इस पदानुक्रमिक क्रम में भरा जाना है। उम्मीदवारों को इन स्तरों में अपनी भागीदारी की पुष्टि करने वाले वैध प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने होंगे।

सूत्रों ने बताया कि खेल कोटे के तहत प्रमाणपत्र सत्यापन अक्टूबर और नवंबर 2024 में तेलंगाना के खेल प्राधिकरण और खेल विभाग द्वारा किया गया था। जबकि किसी भी उम्मीदवार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी का दावा नहीं किया, कई ने राष्ट्रीय स्तर के प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए।

अधिसूचना में यह अनिवार्य किया गया है कि केवल राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी/एथलीट ही एसजीटी पदों के लिए पात्र हैं, लेकिन कथित तौर पर केवल अंतर-जिला प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले उम्मीदवारों का चयन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को नजरअंदाज कर दिया गया। कई उम्मीदवारों ने आपत्ति जताई और तेलंगाना उच्च न्यायालय और लोकायुक्त का दरवाजा खटखटाया। इसके परिणामस्वरूप जनवरी 2025 में एक उच्च स्तरीय समिति द्वारा प्रमाण पत्र सत्यापन का नया दौर शुरू हुआ। यह पाया गया कि चयनित 32 अभ्यर्थियों में से केवल सात ही पात्र थे, जबकि शेष को अयोग्य माना गया।

एक मामले में, एक उम्मीदवार ने 20 साल की उम्र होने के बावजूद जूनियर श्रेणी (16 वर्ष से कम) में भाग लेने के लिए प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया- और फिर भी उसे नौकरी दे दी गई। दूसरे मामले में, 88वें स्थान पर रहने वाले उम्मीदवार को मेरिट सूची में शामिल किया गया, जबकि 51वें स्थान वाले दूसरे उम्मीदवार को बाहर कर दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

भारत 'प्रिंस युग' में पहुंच गया लेकिन सिराज ऑस्ट्रेलिया में ही अटके हैं

4 जीवनदान पड़ सकते हैं भारी

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। पिछले वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम आखिरी टेस्ट मैच तक सीरीज में बनी हुई थी। अकेले जसप्रीत बुमराह ने भारतीय टीम को सीरीज में बनाए रखा था। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को बीते हुए 6 महीने हो गए हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों ने संन्यास ले लिया। भारतीय टीम ने 'प्रिंस युग' की शुरुआत 3 बेहतरीन शतकों से की, लेकिन ऐसा लग रहा है कि तेज गेंदबाजी ऑस्ट्रेलिया में ही अटकी हुई है। खासकर मोहम्मद सिराज। रही सही कसर खराब फील्डिंग ने पूरी कर दी।

लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र के अंत में मौसम बदला और बादल छाए। लंच के बाद बारिश भी हुई। तेज गेंदबाजी के लिए परिस्थितियां माकूल थीं। जोश टंग और बेन स्टोक्स ने जबरदस्त गेंदबाजी की। भारत ने 41 रन पर 7 विकेट गंवा दिए। इंग्लैंड की बल्लेबाजी शुरू हुई। जसप्रीत बुमराह ने पहले ही ओवर में जैक क्रॉली को पवेलियन भेज दिया। ऐसा लगा बल्लेबाजों के बाद भारतीय गेंजबाज इंग्लैंड पर कहर बरपाने के लिए तैयार हैं।

बुमराह की मेहनत का असर नहीं दिखा

दूसरी ओर से मोहम्मद सिराज आए। बेन डकेट और ओली पोप को उन्हें खेलने में कोई दिक्कत नहीं आई। ओवरकास्ट कंडिशन में सिराज से अच्छी गेंदबाजी की उम्मीद थी, लेकिन उनकी लाइन-लेंथ अच्छी नहीं थी। इससे बुमराह की मेहनत का असर नहीं दिख रहा था। बुमराह ने पहले स्पेल में 5 ओवर किए। इंग्लैंड के बल्लेबाज कई मौकों पर दुर्भाग्यशाली रहे। यशस्वी जायसवाल और रविंद्र जडेजा ने आसान कैच टपकाए।

प्रसिद्ध कृष्णा नहीं कर पाए प्रभावित

बुमराह के अटैक से हटने के बाद प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाजी करने आए। लंबे कद-काठी के इस गेंदबाज को माना जाता है कि इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका जैसी परिस्थितियों में अच्छा करेगा, लेकिन वह अबतक साधारण गेंदबाज ही दिखे हैं। मोहम्मद सिराज ने 14 ओवर में 50 और प्रसिद्ध कृष्णा ने 10 ओवर में 56 रन दिए। इन दोनों को देखकर ऐसा लग रहा था कि भारतीय गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया में ही हैं।

सिराज ने बाद में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन ऐसा ऑस्ट्रेलिया में भी हो रहा था। वह टुकड़ों में अच्छी गेंदबाजी कर रहे थे। लीड्स में दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 49 ओवर में 3 विकेट पर 209 रन बनाए। फिलहाल विकेट की बात होगी तो आपको बुमराह की ओर देखना होगा। केवल बुमराह पर निर्भर रहना भारत के लिए चिंता का सबब है।

पंत बतौर विकेटकीपर हाईएस्ट सेंचुरी वाले भारतीय

उन्होंने शतक के बाद जंप करके सेलिब्रेट किया बुमराह की बॉल पर 3 कैच छूटे

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। लीड्स टेस्ट के दूसरे दिन इंग्लैंड ने 3 विकेट खोकर 209 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम 471 रन बनाकर ऑलआउट हुई। ऋषभ पंत बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने। उन्होंने सिक्स से सेंचुरी पूरी की, उसके बाद जंप करके सेलिब्रेट किया। जसप्रीत बुमराह की बॉल पर बेन डकेट के 2 और ओली पोप का एक कैच छूटा।

दूसरे दिन अपना पहला ओवर डाल रहे शोएब बशीर की पहली बॉल पर ऋषभ पंत ने गिरकर शॉट खेला और चौका लगाया। पंत ने गेंद को लेग स्लिप के ऊपर से स्कूप कर दिया और चौका जड़ दिया। शॉट खेलते-खेलते वह जमीन पर पीठ के बल गिर पड़े। इसी ओवर की पांचवीं बॉल पर पंत ने हुक शॉट खेलकर सिक्स भी लगाया। 2. पंत की सिक्स से सेंचुरी, जंप करके सेलिब्रेट किया

भारतीय पारी के 100वें ओवर की पहली बॉल पंत ने बशीर को सिक्स लगाकर शतक पूरा किया। बशीर की ओवरपिच बॉल पर पंत आगे बढ़े, बल्ले से एक हाथ छूट गया, लेकिन फिर भी शॉट पूरा खेला और गेंद को लॉन्ग ऑन के ऊपर से शानदार छक्के के लिए भेज दिया। इसके बाद पंत ने एक्रोबेटिक तरीके से जंप लगाकर सेंचुरी सेलिब्रेट की। 3. जेमी स्मिथ ने पंत की स्टंपिंग छोड़ी

104वें ओवर की दूसरी बॉल पर ऋषभ पंत को विकेटकीपर जेमी स्मिथ ने जीवनदान दिया। शोएब बशीर ने गेंद ऑफ स्टंप के बाहर धीरे से फेंकी, पंत तेजी से आगे बढ़े और ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन पूरी तरह चूक गए। उन्होंने शॉट में इतना जोर लगाया था कि उनका बल्ला हाथ से छूटकर शॉर्ट फाइन लेग की ओर उड़ गया। पंत किसी तरह भागकर क्रीज में वापस आ गए, लेकिन विकेटकीपर स्मिथ ने स्टंपिंग का आसान मौका गंवा दिया। 4. पोप के डाइविंग कैच से करुण नायर आउट

8 साल बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी कर रहे नायर सिर्फ चार बॉल ही खेल सके। बेन स्टोक्स की बॉल पर उनका कैच ओली पोप ने शून्य के स्कोर पर पकड़ा। स्टोक्स ने गेंद ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ पर फेंकी, नायर ने कवर के ऊपर से मारने की कोशिश की, लेकिन टाइमिंग खराब रही। गेंद सीधे शॉर्ट एक्स्ट्रा कवर पर खड़े पोप की ओर गई, जिन्होंने बाएं तरफ डाइव लगाते हुए शानदार कैच पकड़ा। 5. पंत 134 रन बनाकर LBW आउट हुए 108वें ओवर की दूसरी बॉल पर ऋषभ पंत 134 रन बनाकर आउट हुए। जोश टंग की अंदर आती हुई गेंद को पंत ने खेलने के बजाय छोड़ दिया और गेंद सीधे पैड्स पर लगी। अंपायर ने बिना देर किए उंगली उठा दी। पंत ने

रिव्यू लिया, लेकिन रिप्ले में साफ दिखा कि गेंद मिडिल स्टंप के ऊपर जाकर लग रही थी। 6. शॉट खेलते समय पंत का जूता निकला

जोस टंग की बॉल पर शॉट खेलते समय ऋषभ पंत के एक पैर का जूता क्रीज पर ही निकल गया। इसके बाद पंत बिना जूते के ही रन के लिए भाग गए। 7. सुनील गावस्कर ने पंत की तारीफ की

6 महीने पहले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सुनील गावस्कर ने पंत के आउट होने पर उनके शॉट खेलने के तरीके को "स्टूपिड, स्टूपिड, स्टूपिड" कहा था, हेडिंग्ले में पंत के शतक लगाने के बाद कमेंट्री बॉक्स में फिर से वही सुनील गावस्कर थे, लेकिन इस बार उनके मुंह से निकला, "शानदार, शानदार, शानदार"। 8. बुमराह की बॉल पर डकेट के दो कैच छूटे

7वें ओवर में बेन डकेट को दूसरा जीवनदान मिला। बुमराह के ओवर की आखिरी बॉल पर रवींद्र जडेजा से बैकवर्ड पॉइंट्स पर डकेट का कैच ड्रॉप हुआ। इससे पहले 5वां ओवर डाल रहे बुमराह की 5वीं बॉल यशस्वी जायसवाल से कैच ड्रॉप हो गया था। 9. यशस्वी ने पोप का कैच छोड़ा

इंग्लिश पारी के 31वें ओवर में ओली पोप को जीवनदान मिला। पोप बुमराह की बाहर जाती बॉल को स्लिप के बाहर जानबूझकर थर्ड मैन की ओर खेलने की कोशिश की, लेकिन बैट का किनारा लेते हुए बॉल गई। जायसवाल ने दाई ओर डाइव लगाकर कैच लेने की कोशिश की, गेंद हाथों में तो आई लेकिन पकड़ में नहीं रही। 10. DRS लेकर आउट होने से बचे रूट

34वें ओवर में जो रूट डीआरएस लेकर आउट होने से बच गए। मोहम्मद सिराज की अंदर आती बॉल रूट के पैर पर लगी। अपील पर फील्ड अंपायर ने आउट भी दे दिया। ऐसे में रूट ने डीआरएस की मांग की। रिप्ले देखने से पता लगा कि बॉल लेग स्टंप से बाहर जा रही थी। 11. बुमराह की नोबॉल पर कैच हुए हैरी ब्रूक को 49वें ओवर में जीवनदान मिला। वे जसप्रीत बुमराह के ओवर की 4वीं बॉल पर सिराज को कैच थमा बैठे, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नो बॉल करार दिया।

जोफ्रा आर्चर लंबे समय बाद फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वापसी को तैयार

लंदन, 22 जून (एजेंसियां)। भारत के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच के बीच इंग्लैंड के लिए अच्छी खबर सामने आई है। तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर चार साल बाद प्रथम श्रेणी क्रिकेट में वापसी करने के लिए तैयार हैं। उन्हें रविवार (22 जून) से डरहम के खिलाफ शुरू होने वाले मैच के लिए इंग्लिश काउंटी की टीम ससेक्स की टीम में शामिल किया गया है। उनकी उपलब्धता को लेकर शुरुआत में असमंजस की स्थिति थी।

आर्चर को काउंटी चैंपियनशिप मैच के लिए 12 खिलाड़ियों की टीम में शामिल नहीं किया गया था। बाद में इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने ससेक्स टीम में उनकी वापसी की जानकारी गी। आर्चर की वापसी से इंग्लैंड की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। आर्चर ने फरवरी 2021 से कोई टेस्ट मैच नहीं खेला है। इससे पहले वह रेड-बॉल मैच मई 2021 में ससेक्स के लिए खेले थे।

आईपीएल 2025 में चोटिल

लगातार चोटिल होने कारण जोफ्रा आर्चर की वापसी में देरी हुई। इंग्लैंड का स्टार तेज गेंदबाज व्हाइट-बॉल क्रिकेट में लौट कुके हं। इस साल की शुरुआत में चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते दिखे थे।

आईपीएल 2025 में चोटिल होने कारण भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट में नहीं खेल पाए। वह राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा थे। चोटिल न होते तो इंडिया ए के खिलाफ इंग्लैंड लायंस के लिए खेलते दिख सकते थे।

मार्क वुड, ओली स्टोन और गस एटकिंसन उपलब्ध नहीं

इंग्लैंड के लिए चोट के कारण तेज गेंदबाज मार्क वुड, ओली स्टोन और गस एटकिंसन फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। वुड ने कहा कि वह चोट से वापसी के लिए भारत-इंग्लैंड 5वें टेस्ट को लक्ष्य बना रहे हैं। आर्चर भारत-इंग्लैंड दूसरे टेस्ट में वापसी कर सकते हैं।

श्रीलंका-बांग्लादेश पहला टेस्ट ड्रॉ

शांतो का नाबाद शतक; श्रीलंकाई ऑलराउंडर मैथ्यूज ने करियर का आखिरी टेस्ट खेला

गॉल, 22 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट की सीरीज खेलने गई बांग्लादेशी टीम ने पहले टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, बारिश से बाधित इस मैच को मेजबान टीम ड्रॉ कराने में कामयाब रही। मैच के पांचवे और आखिरी दिन बांग्लादेश ने अपनी दूसरी पारी 285/6 पर घोषित की। इस पारी में नजमुल शांतो ने 125 रन का योगदान दिया। शांतो मैच की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले पहले बांग्लादेशी कप्तान बने।

295 के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका ने पहले दो विकेट शुरुआती सात ओवर में ही खो दिए। हालांकि, इसके बाद अपना आखिरी टेस्ट खेल रहे एंजेलो मैथ्यूज और चांदीमल ने 81 गेंदों में 13 रन की साझेदारी कर मैच ड्रॉ के करीब ला दिया। मैथ्यूज अपनी अंतिम पारी को बड़े स्कोर मे नहीं बदल सके और आठ रन पर आउट हए। दिन का खेल समाप्त होने तक श्रीलंका ने दूसरी पारी में 32 ओवर में चार विकेट पर 72 रन बनाए और मैच ड्रॉ रहा।

आईपीएल करियर में 0 रन बनाने वाले बल्लेबाज ने 12 छक्कों के साथ ठोके 156 रन

टीम ने एमएलसी 2025 में लगाई जीत की हैट्रिक

कैलिफोर्निया, 22 जून (एजेंसियां)। आईपीएल में एक भी रन नहीं और अमेरिका में चल रही एमएलसी में जब उतरा तो 12 छक्कों के साथ 156 रन ठोक डाले. हम बात कर रहे हैं 23 साल के ओपनर मिचेल ओवन की, जिन्होंने मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ ताबड़तोड़ पारी खेली. नतीजा, ये हुआ कि वॉशिंगटन फ्रीडम को वो बेहतरीन शुरुआत मिली, जिसके दम पर आगे बढ़ते हुए उस टीम ने एमएलसी 2025 में अपनी जीत की हैट्रिक पूरी की. मतलब उसने लगातार तीसरी जीत की पटकथा लिखी.

वाशिंगटन फ्रीडम ने लगाई जीत की हैट्रिक

वॉशिंगटन फ्रीडम तीसरा मैच मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ 2 विकेट से जीता. मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 188 रन बनाए थे. जवाब में वाशिंगटन फ्रीडम की टीम ने 189 रन के लक्ष्य को 4 गेंद पहले ही 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया. इस तरह उसने एमएलसी 2025 में अब तक खेले 4 मैचों में अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की. मतलब, वाशिंगटन फ्रीडम ने अपना सिर्फ पहला मैच ही गंवाया है.

एमएलसी 2025 में 12 छक्केके साथ ठोके 156 रन

मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के खिलाफ वाशिंगटन फ्रीडम की

जीत में मिचेल ओवन की अहम भूमिका रही. इस मैच में उन्होंने 230.76 की स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों में 60 रन ठोके, जिसमें 5 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ अब तक खेले 4 मैचों में मिचेल ओवन ने कुल 156 रन एमएलसी 2025 में बनाए हैं, जिसमें 12 छक्के शामिल रहे हैं.

आईपीएल करियर में अभी तक जीरो रन

मिचेल ओवन वही खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स ने ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट के तौर पर जोड़ा था. पीबीकेएस ने 3 करोड़ रुपये में ये डील की थी. हालांकि, मिचेल ओवन के आईपीएल करियर की शुरुआत वैसी नहीं हुई जैसी होनी चाहिए थी. उन्होंने आईपीएल में डेब्यू तो किया मगर उस मैच में वो खाता नहीं खोल पाए. मिचेल ओवन को बिना कोई रन बनाए ही डगआउट लौटना पड़ा. हालांकि, उस एक इनिंग ही आईपीएल 2025 में उनकी आखिरी इनिंग भी बनी. लेकिन, एमएलसी 2025 में मिचेल ओवन ने आईपीएल 2025 जैसा प्रदर्शन नहीं किया. बल्कि पारी की शुरुआत करते हुए अपनी टीम के लिए बेजोड़ बुनियाद रख रहे हैं. यही वजह है कि वाशिंगटन फ्रीडम की तीसरी जीत में उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया.

119 टेस्ट, 8214 रन, एंजेलो मैथ्यूज ने टेस्ट करियर पर लगाया विराम, बोला- अब युवाओं की बारी

खेल डेस्क, 22 जून (एजेंसियां)। श्रीलंका क्रिकेट टीम के दिग्गज एंजेलो मैथ्यूज इस वक्त चर्चा में हैं. 21 जून 2025 को उन्होंने अपने टेस्ट करियर का आखिरी मैच खेला. अब ये दिग्गज सफेद जर्सी में कभी नजर नहीं आएगा. बांग्लादेश और श्रीलंका के बीच गॉल में हुआ आखिरी टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ. ये मैथ्यूज के करियर का आखिरी मैच रहा. वो पहले ही संन्यास का ऐलान कर चुके थे. आखिरी मैच खेलने के बाद उन्होंने एक इमोशनल बयान दिया है.

एंजेलो मैथ्यूज ने बांग्लादेश के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच के बाद कहा 'जब से मैंने अपने संन्यास की घोषणा की है, मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि मुझे कितना प्यार मिल रहा है. मैं निश्चित रूप से अभिभूत हूं. मैं उन सभी का आभारी हूं, जिन्होंने मुझे सपोर्ट किया. क्रिकेट का सफर आसान नहीं रहा है, इसमें बहुत सारे उतार-चढ़ाव थे. इसके बाद भी मैं यह सब करने में सफल हो सका. टेस्ट क्रिकेट मुझे खेलना पसंद है और उस फॉर्मेट से संन्यास लेना भावुक कर देने वाला है.'

अब युवाओं का वक्त

मैथ्यूज ने श्रीलंका क्रिकेट को युवाओं के हवाले कर दिया है. उन्होंने कहा 'अब समय आ गया है कि युवा खिलाड़ी आगे बढ़कर श्रीलंका को जीत दिलाएं. अब हमारे ड्रेसिंग रूम में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं. पथुम निसांका ने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी की. इंग्लैंड में टेस्ट मैच जीतना और ऑस्ट्रेलिया को घर पर 3-0 से हराना पूरी टीम के लिए बड़ी उपलब्धि थी. कोचों और मेरे साथ रहने वाले सभी फैंस ने जो प्यार दिया। उसके लिए शुक्रिया.

100 से ज्यादा टेस्ट खेले

एंजेलो मैथ्यूज श्रीलंका के उन दिग्गजों में शामिल हैं, जिन्होंने टेस्ट करियर में 100 से ज्यादा टेस्ट खेले. उनहोंने श्रीलंका के लिए साल 2009 में डेब्यू किया था. अब तक 119 टेस्ट मैचों में कुल 8214 रन बनाए, जिसमें 16 शतक और 45 अर्धशतक भी शामिल हैं. उनके नाम 33 विकेट भी हैं. मैथ्यूज ने 34 टेस्ट मैचों में कमान संभाली, जिसमें से टीम ने 13 में जीत हासिल की और 15 मैचों में हार का मुंह देखना पड़ा, वहीं 6 टेस्ट मैच ड्रॉ रहे.

33 गेंदों पर शतक ठोककर इस खिलाड़ी ने मचाया तहलका, वैभव सूर्यवंशी से भी निकला आगे

ग्वालियर, 22 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में इस बार 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का धमाल देखने को मिला था, जिन्होंने महज 35 गेंदों पर शतक लगाकर तहलका मचा दिया था। वैभव के इस शतक को फैंस अभी तक भूल ही नहीं पाए थे कि मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग 2025 में अभिषेक पाठक ने महज 33 गेंदों पर शतक लगाकर एक बार फिर से टी20 क्रिकेट में तहलका मचा दिया है। अपनी इस ताबड़तोड़ शतकीय पारी में अभिषेक ने वैभव से भी ज्यादा छक्के लगाए।

इन दिनों भारत में मध्य प्रदेश लीग खेली जा रही है। जिसमें युवा खिलाड़ी धमाल मचा रहे हैं। इस लीग में खेले गए बुंदेलखंड बुल्स और जबलपुर रॉयल लायंस मैच में अभिषेक पाठक की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देखने को मिली। बुंदेलखंड बुल्स की तरफ से बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक ने महज 33 गेंदों पर शतक ठोककर टी20 क्रिकेट में तहलका मचा दिया। उन्होंने इस मैच में 48 गेंदों पर पर 133 रन की पारी खेली थी, जिसमें 15 छक्के और 7 चौके शामिल थे। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भी पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने आईपीएल 2025 में 35 गेंदों पर शतक लगाया था। जिसमें 11 छक्के शामिल थे।

एमपीएल 2025 के 18वें मैच में बुंदेलखंड बुल्स और जबलपुर रॉयल लायंस की टीमें आमने-सामने थी। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए बुंदेलखंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 246 रन बनाए थे। जिसमें अभिषेक पाठक के 133, करन के 45 और गौतम जोशी के 24 रन शामिल रहे। वहीं जबलपुर रॉयल लायंस की तरफ से गेंदबाजी करते हुए पंकज पटेल ने 4 ओवर में 31 रन देकर 4 विकेट चटकाए थे।

डब्ल्यूडब्ल्यूई में आएगा अंडरटेकर का 'तूफान', वापसी का ऐलान!

वाशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। रेसलिंग की दुनिया में द अंडरटेकर किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं. करीब तीन दशक तक अपने फैंस का मनोरंजन करने के बाद कुछ साल पहले टेकर ने रिटायरमेंट ले लिया था. हालांकि, अभी भी वह मौजूदा प्रोडेक्ट को लेकर एक्टिव रहते हैं और हमेशा अपनी राय देते हैं. रिटायर होने के बाद भी टेकर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई में अपनी उपस्थिति बनाए रखी है. अंडरटेकर ने डब्ल्यूडब्ल्यूई एलएफजी में कोच के रूप में काम किया है, जहां उन्होंने प्रमोशन में टाइटल हासिल किया. टेकर डब्ल्यूडब्ल्यूई से दूर नहीं जाना चाहते हैं. रिंग में वह एक्शन में नजर नहीं आ सकते हैं लेकिन बैकस्टेज बड़ी भूमिका निभा सकते हैं. कई बार इस बात की इच्छा भी वह जता चुके हैं. एक बार फिर उन्होंने इसे लेकर बड़ा बयान दिया है. उनके मन में फिर से लालच जाग चुका है.

हाल ही में रेसलस्टार को द अंडरटेकर ने अपना इंटरव्यू दिया. उनसे वहां पर पूछा गया कि क्या वह डब्ल्यूडब्ल्यूई में क्रिएटिव टीम में भूमिका के लिए तैयार हैं.

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की निराशाजनक शुरुआत

मेजबान जर्मनी से मिली हार

बर्लिन, 22 जून (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की चार देशों के टूर्नामेंट में शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसे अपने पहले मैच में मेजबान जर्मनी के खिलाफ 1-7 की करारी हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम इस मैच में कभी भी अच्छी स्थिति में नहीं दिखी और उसे अंत में हार का सामना करना पड़ा। भारत रविवार को ऑस्ट्रेलिया का सामना करेगा, जबकि मंगलवार को स्पेन से भिड़ेगा। जर्मनी ने मैच पर शुरुआत से ही नियंत्रण बना लिया जब निको किस्टीन ने चौथे मिनट में ही पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को 1-0 से आगे कर दिया। एलेक्स वॉन श्वेरिन (पांचवें मिनट) ने मैदानी गोल करके शुरुआती पांच मिनट में ही मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिला दी।

गैर-कर राजस्व बढ़ाने पर ध्यान दें : भट्टी

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बुनियादी ढांचा और पूंजी उप-समिति का नेतृत्व करने वाले उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को गैर-कर राजस्व को बढ़ावा देने के लिए ठोस प्रयास करने का निर्देश दिया। अध्यक्ष भट्टी विक्रमार्क के नेतृत्व में बुनियादी ढांचा और पूंजी उप-समिति की बैठक समिति के सदस्यों और मंत्रियों उत्तम कुमार रेड्डी और कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी के साथ रविवार को सचिवालय में हुई। इस अवसर पर, भट्टी विक्रमार्क ने न केवल गैर-कर राजस्व बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया, बल्कि केंद्रीय धन को सुरक्षित करने की भी आवश्यकता पर जोर दिया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मौजूदा सरकार पिछली सरकार की एक भी योजना बंद किए बिना 33,600 करोड़ रुपये के नए कल्याणकारी कार्यक्रम लागू कर रही है। उन्होंने कहा कि सत्ता संभालने के बाद वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य सरकार को आउटर रिंग रोड और आबकारी आय से राजस्व घाटा हुआ है। भट्टी विक्रमार्क ने बजट आवंटन में असंतुलन की ओर भी इशारा किया, जिसमें कुछ विभागों को अत्यधिक धन प्राप्त हुआ, जबकि अन्य को बहुत कम मिला। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी विभागों में समान रूप से बजट वितरित करने, व्यय असमानताओं को कम करने और एक समान विकास सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। सभी निर्वाचन क्षेत्रों में प्रमुख लंबित परियोजनाओं को जारी निर्देशों के अनुसार प्राथमिकता दी जानी चाहिए और उन्हें तुरंत पूरा किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने जोर दिया कि बजट खर्च राज्य की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप होना चाहिए। विभागीय व्यय को राष्ट्रीयकृत किया जाना चाहिए और प्राथमिकता के आधार पर प्रबंधित किया जाना चाहिए। राजस्व उत्पन्न करने वाले विभागों पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि खर्च केवल आवश्यकतानुसार ही किया जाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने आगे कहा कि सभी को जनहित, विकास और सरकार के कल्याणकारी दृष्टिकोण के अनुरूप काम करना चाहिए। उन्होंने निर्देश दिया कि राष्ट्रीयकरण के तहत काम पूरा किया जाना चाहिए और स्पिलओवर कार्यों को भी प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाना चाहिए। अधिकारी अगले दस दिनों के भीतर राष्ट्रीयकरण प्रक्रिया को पूरा करें और एक व्यापक योजना तैयार करें। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, प्रमुख सचिव (वित्त) संदीप कुमार सुल्तानिया और सभी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

जुबली हिल्स में अनधिकृत पैवेलियन रेस्तरां को किया गया सील

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी नगर नियोजन अधिकारियों ने जुबली हिल्स में एक अनधिकृत पैवेलियन रेस्तरां को सील कर दिया। जुबली हिल्स के डिप्टी कमिश्नर वी. सामिया ने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश के आधार पर संपत्ति को सील कर दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि रोड नंबर 51, (प्लॉट नंबर 1014 सी), जुबली हिल्स को-ऑपरेटिव सोसाइटी में स्थित 'पवेलियन रेस्टोरेंट' नाम से संचालित एक अनधिकृत संरचना को शनिवार को जुबली हिल्स के टाउन प्लानिंग विभाग द्वारा सील कर दिया गया। हमने संपत्ति को सील करने के समय किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस विभाग की मदद ली है।

जुबली हिल्स के डिप्टी कमिश्नर द्वारा जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, यह कार्रवाई मोहन राव चेप्याला द्वारा दायर डब्ल्यूपी संख्या 6352/2025 में उच्च न्यायालय द्वारा 04-03-2025 को जारी आदेशों के अनुसार की गई है। इस निर्माण के खिलाफ पहले भी कई शिकायतें मिली थीं और 2019 में टाउन प्लानिंग विंग द्वारा नोटिस जारी किए गए थे। विज्ञप्ति में कहा गया कि 13 मार्च और 16 अप्रैल 2025 को उपायुक्त की देखरेख में विस्तृत जांच की गई। जीएचएमसी अधिकारी ने बताया कि डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि जांच के दौरान हमें पता चला कि बिना अपेक्षित अनुमति के रेस्तरां चलाना और आवासीय क्षेत्र में व्यावसायिक गतिविधियां चलाना पूरी तरह से अवैध है। डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि इसके अनुसार संपत्ति को सील कर दिया गया है।

कोमटिरेड्डी ने अधिकारियों को चल रहे निर्माण कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को आरएंडबी विभाग द्वारा प्रबंधित किए जा रहे निर्माण कार्यों में तेजी लाने और निर्धारित समय सीमा के भीतर उन्हें पूरा करने का निर्देश दिया है। रविवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक के दौरान, मंत्री ने उन परियोजनाओं को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया, जिन्हें तेजी से पूरा किया जा सकता है और चालू किया जा सकता है।

उन्होंने कहा, अच्छी सड़कें परिवहन विकल्पों को बढ़ाती हैं। सड़कें प्रगति का प्रतीक हैं। हमारा ध्यान आरओबी, मेडिकल कॉलेज और टीआईएमएस के पूरा होने की ओर होना चाहिए जो पूरा होने के करीब हैं। मंत्री ने आदिलाबाद, वारंगल, मुलुगु, नारायणपेट और करीमनगर में स्थित पांच लंबित एकीकृत जिला कार्यालय परिसरों (आईडीओसी) की प्रगति का आकलन किया।

उन्होंने वारंगल और मुलुगु आईडीओसी के तत्काल पूरा होने और उद्घाटन की तैयारी का भी आदेश दिया, जो अपने अंतिम चरण में हैं। रेल ओवर ब्रिज (आरओबी) के लंबित निर्माण की अपनी समीक्षा में, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने निजामाबाद में माधवनगर आरओबी के तेजी से पूरा होने को प्राथमिकता दी। उन्होंने अधिकारियों को चल रहे आरओबी प्रोजेक्ट, मेडिकल कॉलेज और टीआईएमएस अस्पतालों पर ध्यान केंद्रित करने का भी निर्देश दिया, जो निर्माण के अंतिम चरण में हैं।

यह देखते हुए कि ग्रेटर हैदराबाद में प्रतिदिन 91 लाख से अधिक वाहनों का आवागमन होता है, उन्होंने तेलंगाना के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले सड़क बुनियादी ढांचे के विकास के महत्व को रेखांकित किया। मंत्री ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ बातचीत में ठेकेदारों और कार्य एजेंसियों के बकाया बिलों पर चर्चा करने और उन्हें हल करने की अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। समीक्षा बैठक में ईएनसी तिरुमाला, मुख्य अभियंता मोहन नाइक, राजेश्वर रेड्डी, लक्ष्मण और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

देवरकोंडा पर एससी/एसटी एक्ट के तहत केस

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रायदुर्गम पुलिस ने अभिनेता विजय देवरकोंडा और अन्य के खिलाफ आदिवासियों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। सैदाबाद निवासी नेनावथ अशोक कुमार नाइक की शिकायत के बाद मामला दर्ज किया गया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि अभिनेता ने फिल्म 'रेट्रो' के प्री-रिलीज़ समारोह के दौरान आदिवासी समुदाय के खिलाफ कुछ प्रतिकूल टिप्पणी की थी। अभिनेता ने अप्रैल महीने में आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया था, जहां उन्होंने कथित तौर पर ये टिप्पणियां की थीं। शिकायत के आधार पर पुलिस ने विजय देवरकोंडा के खिलाफ एससी/एसटी अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

सीआईआई 25 जून को सम्मेलन की मेजबानी करेगा

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), तेलंगाना की फार्मा और जीवन विज्ञान समिति, 25 जून, 2025 को हैदराबाद के द पार्क होटल में सुरक्षा के स्तंभ- फार्मा और रासायनिक विनिर्माण के लिए एक सुरक्षित भविष्य का निर्माण शीर्षक से एक दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी करेगी। एक प्रेस नोट में, सीआईआई ने कहा, यह ऐतिहासिक सम्मेलन राज्य के अपने जीवन विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र को दोगुना करने और हैदराबाद को एशिया के फार्मा हब के रूप में स्थापित करने के दृष्टिकोण का समर्थन करता है। इसका उद्देश्य संवाद को बढ़ावा देना, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और औद्योगिक संचालन में सुरक्षा और लचीलेपन की संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिससे एक सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य का मार्ग प्रशस्त हो सके। सम्मेलन ईएचएस और अनुपालन अधिकारियों, प्लांट और साइट प्रमुखों, क्यूए/क्यूसी और नियामक मामलों के पेशेवरों, आरएंडडी विशेषज्ञों, सलाहकारों और नीति प्रभावितों को लक्षित करता है।

सीआईआई तेलंगाना के चेयरमैन आर. शिवप्रसाद रेड्डी ने कहा, तेलंगाना भारत के फार्मास्युटिकल और केमिकल मैन्युफैक्चरिंग विकास में सबसे आगे है। जैसे-जैसे यह सेक्टर नई ऊंचाइयों को छू रहा है, हमें सुरक्षा और नियामक अनुशासन के मामले में भी मानक बढ़ाने होंगे। यह सम्मेलन सभी प्रमुख आवाजों को एक साथ लाने और एक ऐसी संस्कृति बनाने के लिए एक समयोचित पहल है, जहां औद्योगिक संचालन के हर स्तर में सुरक्षा अंतर्निहित हो। सीआईआई तेलंगाना फार्मा और लाइफ साइंसेज कमेटी के संयोजक चक्रवर्ती एवीपीएस ने भी बात की।

तेलंगाना टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन का सेमिनार आयोजित

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में एक दिवसीय टैक्स सेमिनार का आयोजन किया गया। हैदराबाद में रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई भवन में जीएसटी और आयकर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। वाणिज्यिक कर आयुक्त हरिता और प्रवर्तन संयुक्त आयुक्त अरविंद रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों की निर्देशिका का अनावरण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त हरिता ने एसोसिएशन के सदस्यों को राज्य के कर राजस्व को बढ़ाने के तरीके पर कई सुझाव दिए। विभिन्न मुद्दों पर व्यापक विश्लेषण, समस्या समाधान और शंकाओं का स्पष्टीकरण प्रदान किया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष के. नरसिंह राव ने कहा कि इस तरह के सेमिनार सदस्यों के ज्ञान को बढ़ाने और उनकी शंकाओं को दूर करने में बहुत मदद करेंगे।

इस सेमिनार में एसोसिएशन के मुख्य सलाहकार पीवी सुब्बाराव, चार्टर्ड अकाउंटेंट आशीष, गणेश, सिरीश, उपाध्यक्ष केवी रमण मूर्ति, बी. दुर्गा प्रसाद, सचिव पी. गोपाल, कोषाध्यक्ष हुसैन वली के साथ ही जीसी सदस्य एसोसिएशन के 200 से अधिक आजीवन सदस्यों ने भाग लिया।

हरीश राव ने ग्रामीण प्रशासन की सुरक्षा के लिए की तत्काल कार्रवाई की मांग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और सिद्दीपेट विधायक टी हरीश राव ने कांग्रेस शासन में तेलंगाना में ग्रामीण प्रशासन की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने पंचायत राज मंत्री सीतक्का को एक पत्र लिखकर कहा कि फंड जारी न किए जाने और सरकारी लापरवाही के कारण राज्य में ग्रामीण विकास पिछड़ गया है। वरिष्ठ बीआरएस विधायक ने याद दिलाया कि बीआरएस सरकार के तहत 2019 में 9,350 जूनियर पंचायत सचिवों की नियुक्ति की गई और समय पर धन आवंटन के कारण तेलंगाना के गांव स्वच्छता और बुनियादी ढांचे में राष्ट्रीय मॉडल के रूप में उभरे।

सरकार बदलने के बाद से सफाई व्यवस्था में गिरावट आई है, स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं और ग्राम पंचायतें बुनियादी सेवाएं भी चलाने में असमर्थ हैं, साथ ही ट्रैक्टरों के लिए डीजल और आरटीए कर का भुगतान भी नहीं किया गया है। हरीश राव ने कहा कि पंचायत सचिव और पूर्व सरपंच वित्तीय दबाव में हैं, क्योंकि उन्हें अपनी सेवाएं जारी रखने के लिए कर्ज लेना पड़ा है। उन्होंने पिछले साल के घरेलू सर्वेक्षण से सफाई कर्मचारियों और डेटा एंट्री ऑपरेटरों को बकाया भुगतान सहित लंबित भुगतानों को तुरंत जारी करने की मांग की। पूर्व मंत्री ने सरकार से आउटसोर्स पंचायत सचिवों को नियमित करके और मानसून के मौसम में विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर अपने 'अभय हस्तम' वादे को पूरा करने का भी आग्रह किया। स्थानीय निकाय चुनाव जल्द ही होने की उम्मीद है, उन्होंने चेतावनी दी कि ग्रामीण विकास के प्रति सरकार की लापरवाही से हालात और खराब हो सकते हैं।

कविता- कृष्णैया ने मिलाया हाथ

42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण का मामला

17 जुलाई को रेल रोको आंदोलन

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष और बीआरएस एमएलसी के कविता ने रविवार को 17 जुलाई को निर्धारित रेल रोको विरोध प्रदर्शन के लिए बीसी कल्याण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद आर कृष्णैया का समर्थन हासिल किया। तेलंगाना जागृति द्वारा बीसी संगठनों के साथ आयोजित विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण के विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी देने के लिए केंद्र पर दबाव बनाना है।

कविता ने यहां विद्या नगर स्थित कृष्णैया के आवास पर उनसे मुलाकात की, जहां दोनों ने पिछड़ा वर्ग आरक्षण के महत्व, इसे लागू करने में सरकार की उदासीनता और भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा की। इसे बीसी समुदायों के लिए एक ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कृष्णैया ने सभी बीसी संगठनों और राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर एकजुट होने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का 42 प्रतिशत आरक्षण देने का कोई इरादा नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी, अगर बीसी अभी नहीं लड़े, तो मौजूदा कोटा भी कम हो सकता है। कृष्णैया ने कविता की इस बात के लिए सराहना की कि वह बीसी समुदाय से नहीं होने के बावजूद बीसी अधिकारों के लिए खड़ी हुईं। उन्होंने याद दिलाया कि पिछले 75 सालों से बीसी के साथ अन्याय हो रहा है।

उन्होंने कहा, जो भी पिछड़े वर्गों के लिए लड़ता है, उसे पूर्ण समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उनका पिछड़ा वर्ग कल्याण संघ पिछड़े वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में उन्हें पूर्ण समर्थन देता है। कविता ने कृष्णैया को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और मांग की कि कांग्रेस सरकार अपने कामारेड्डी घोषणापत्र को लागू करे और साथ ही स्थानीय निकाय चुनावों में 42 प्रतिशत बीसी आरक्षण सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि एक जीओ पर्याप्त हो सकता है, लेकिन राज्य सरकार ने एक कानून पारित किया है और इसकी मंजूरी में देरी के लिए केंद्र को दोषी ठहराकर बीसी आरक्षण में देरी करने की योजना बना रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारों से कार्रवाई करने के लिए मजबूर करने का एकमात्र तरीका जन आंदोलन है।

लापरवाही से गाड़ी चलाने के लिए ड्राइवर पर केस

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने कुछ दिन पहले निलोफर होटल के पास हुई दुर्घटना के लिए कार चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया है। सोहेल नामक ड्राइवर ने हाईटेक रोड पर अपनी कार को बहुत ही लापरवाही से चलाया, जिससे उसका नियंत्रण खो गया और कार सड़क किनारे खड़ी दो गाड़ियों से जा टकराई। बाद में वह मौके से फरार हो गया। पुलिस ने वाहन जब्त कर लिया है और उसे खोज निकाला है। उसके खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है। वाहन को जब्त कर लिया गया है। इस घटना का वीडियो कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर शेयर किया और यह वायरल हो गया। लोगों ने ड्राइवर की इस असंवेदनशील हरकत की आलोचना की, जिससे भीड़भाड़ वाली जगह पर जान भी जा सकती थी।

जीएचएमसी की सड़क सफाई गाड़ी में लग गई आग

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शनिवार रात सैफाबाद में आग लगने की घटना में जीएचएमसी का एक सड़क सफाई वाहन जलकर खाक हो गया। वाहन राज्य विधान सभा के सामने सड़क की सफाई के अपने नियमित कार्य पर था, तभी चालक ने वाहन में आग देखी। चालक ने वाहन से कूदकर अपनी जान बचाने के लिए भागा। आग तेजी से फैली और पूरी गाड़ी जलकर खाक हो गई। पास के फायर स्टेशन से एक दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में 329 लोग गिरफ्तार

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने शनिवार को नशे में गाड़ी चलाने के मामलों की जांच के लिए एक विशेष अभियान चलाया और 329 लोगों को पकड़ा। पकड़े गए कुल 329 लोगों में सबसे अधिक 248 दो पहिया वाहन सवार, 23 तिपहिया वाहन सवार, 54 चार पहिया वाहन सवार तथा 4 भारी वाहन सवार शामिल थे। अभियान के दौरान पकड़े गए नौ व्यक्तियों में बीएसी का स्तर 301 मिलीग्राम/100 मिली से अधिक था। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और पकड़े गए सभी लोगों को अदालत में उपस्थित होना होगा।

15 साल की लड़की से दो साल तक सामूहिक दुष्कर्म

13 गिरफ्तार, मुख्य आरोपी अब भी फरार

एडगुराल्लापल्ली (आंध्र प्रदेश), 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश में चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां श्री सत्या जिले में 15 वर्षीय दलित लड़की से दो साल तक कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जघन्य अपराध 9 जून को तब सामने आया, जब लड़की गर्भवती हो गई और उसने पुलिस के पास शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोस्को) अधिनियम, एससी-एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और बीएनएस सहित कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

श्री सत्य साईं जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) वी रत्न ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, इस जघन्य मामले में आरोपियों की पहचान की गई, उनका पता लगाया गया और धर्मावरम उपखंड के तहत विशेष टीमों की ओर से समन्वय के साथ उन्हें गिरफ्तार किया गया।

प्रारंभिक जांच से क्या पता चला :

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि अपराधियों की ओर से लड़की को उसकी आपत्तिजनक तस्वीरों और वीडियो के जरिए कथित तौर पर ब्लैकमेल किया गया। लड़की आठ महीने की गर्भवती है और वर्तमान में अनंतपुर जिले के एक सरकारी सामान्य अस्पताल में उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों और जिला अधिकारियों ने उसकी हालत और गर्भ के अंतिम दौर में होने की वजह से गर्भपात न करने का फैसला किया है। पुलिस प्रसव के बाद लड़की को सुरक्षित स्थान पर ले जाने के लिए बाल कल्याण समिति के साथ समन्वय कर रही है। बच्चे पर डीएनए परीक्षण के लिए परमिट मांगा गया है क्योंकि यह कानूनी कार्यवाही के लिए महत्वपूर्ण होगा।

गिरफ्तार किए गए कुछ व्यक्तियों का आपराधिक रिकॉर्ड :

पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए कुछ व्यक्तियों का आपराधिक रिकॉर्ड है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, आठ महीने की गर्भवती होने के बावजूद किसी स्थानीय व्यक्ति ने अधिकारियों को सूचित नहीं किया। हमारा मानना है कि जातिगत कलंक और डर के कारण समुदाय ने बार-बार होने वाले दुर्व्यवहार पर चुप्पी साध ली। पुलिस ने कहा कि संदेह है कि कुछ ग्रामीणों ने मामले को दबाने के लिए लड़की पर एक आरोपी से शादी करने का दबाव बनाया। जांच जारी है।

आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया :

पीड़ित लड़की ने कहा कि वह एक सरकारी स्कूल की छात्रा है। पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। स्कूल, स्वास्थ्य या बाल संरक्षण अधिकारियों की ओर से किसी भी संभावित चूक की जांच की जा रही है। फरार लोगों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि नाबालिग को किशोर न्याय बोर्ड के अधीन रखा गया है।

पीड़ित परिवार गरीब और कमजोर :

पीड़िता की मां मजदूर है और उसके पिता का निधन हो चुका है। पुलिस का मानना है कि कमजोर आर्थिक और सामाजिक स्थिति की वजह से पीड़ित परिवार समुदाय के दबाव में रहा और चुप्पी साधने को मजबूर हुआ।

जिला प्रशासन ने लड़की की सुरक्षा का आश्वासन दिया :

इस बीच जिला प्रशासन ने लड़की की सुरक्षा का आश्वासन दिया है। उसकी चिकित्सा आवश्यकताओं, कानूनी प्रक्रियाओं को पूरा करने और ठीक होने के दौरान मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने का वादा किया है।

कांग्रेस की अंदरूनी कलह बढ़ी, कोंडा परिवार पर आंच

हैदराबाद, 22 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वारंगल कांग्रेस विधायकों और वन मंत्री कोंडा सुरेखा के परिवार के बीच मतभेद एक बड़े विवाद में बदल रहे हैं, कई विधायकों ने कोंडा परिवार के आचरण को लेकर एआईसीसी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के पास शिकायत दर्ज कराई है। पिछले कुछ दिनों से वारंगल के विधायकों और कोंडा परिवार के बीच जुबानी जंग बढ़ती जा रही है। स्टेशन घनपुर के विधायक काडियम श्रीहरि पर परोक्ष हमला करते हुए पूर्व एमएलसी और सुरेखा के पति कोंडा मुरली ने दलबदलू विधायकों को इस्तीफा देकर नया जनादेश मांगने की चुनौती दी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि ऐसे ही एक विधायक ने तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायुडू और बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव को धोखा दिया है।

विवाद को और हवा देते हुए सुरेखा ने श्रीहरि पर झूठा प्रचार करने का आरोप लगाया कि उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि स्टेशन घनपुर विधायक मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी को गुमराह कर रहे हैं, जो वारंगल जिले के प्रभारी मंत्री हैं। इस टिप्पणी से नाराज वारंगल के विधायकों श्रीहरि, नयिनी राजेंद्र रेड्डी, केआर नागराजू, रेवरी प्रकाश रेड्डी, एमएलसी बसवराजू सरैया और अन्य वरिष्ठ नेताओं ने राजेंद्र रेड्डी के कैंप कार्यालय में बैठक की। उन्होंने कोंडा मुरली की टिप्पणियों की निंदा की और चेतावनी दी कि पार्टी के भीतर इस तरह का व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने इस मुद्दे को टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ के संज्ञान में भी लाया, जिन्होंने डीसीसी अध्यक्ष और वारंगल के वरिष्ठ नेताओं से विस्तृत रिपोर्ट मांगी।

भारतीय रिज़र्व बैंक

पर्यवेक्षण विभाग

क्षेत्रीय कार्यालय, 6-1-56, सचिवालय मार्ग, सैफाबाद, हैदराबाद - 500 004

सार्वजनिक सूचना

भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 (अधिनियम) की धारा 45-IA (6) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिज़र्व बैंक ने अधिनियम की धारा 45-I (a) के अंतर्गत परिभाषित गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान का व्यवसाय करने के लिए निम्नलिखित कंपनी के पंजीकरण प्रमाणपत्र (CoR) को रद्द कर दिया है :

क्र. सं.	कंपनी का नाम और सीआईएन संख्या	कंपनी के पंजीकृत कार्यालय का पता	पंजीकरण प्रमाणपत्र संख्या और दिनांक	रद्द करने की तारीख
1	मेसर्स चिद्रूपी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (CIN: U65993TG1992PLC013747)	#6-668/10/25, प्रथम तल, दुर्गा नगर कॉलोनी, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, तेलंगाना-500 082	बी-09.00024 दिनांक 02 मार्च 1998	16 जून, 2023

इसलिए उपर्युक्त कंपनी, अधिनियम के तहत परिभाषित गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान का व्यवसाय नहीं कर सकती। जिन एनबीएफसी का सीओआर (CoR) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा रद्द कर दिया गया है, उनकी अद्यतन सूची https://rbi.org.in/Scripts/BS_NBFCList.aspx पर देखी जा सकती है।

आम जनता को सचेत किया जाता है कि मेसर्स चिद्रूपी फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को जारी किया गया उपर्युक्त सी.ओ.आर. (Certificate of Registration) रद्द करने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक को वापस नहीं किया गया है और यदि किसी को सी.ओ.आर.(CoR) या इसके दुरुपयोग के बारे में कोई जानकारी मिलती है, तो वह उपरोक्त पते पर भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद को सूचित कर सकता है।

इसे जनहित में जारी किया जाता है।

स्थान: हैदराबाद — महाप्रबंधक

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.

छत्तीसगढ़ी एक्ट्रेस को लुटेरों ने ट्रेन में मारा मुक्का

ज्योत्सना बोलीं-रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में गेट लॉककर 20 यात्रियों से लूटपाट, आरपीएफ-जीआरपी से भी नहीं मिली मदद

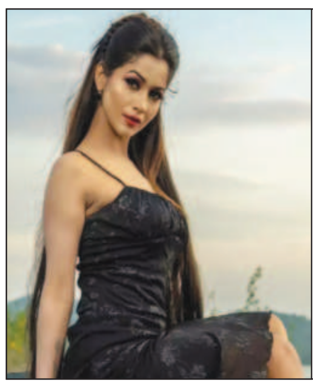

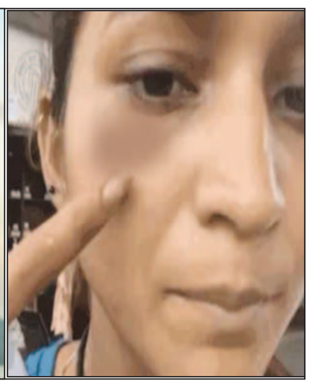

बिलासपुर, 22 जून (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के रीवा से होकर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर तक चलने वाली रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में कटनी स्टेशन के आस-पास 20 जून की रात लुटेरों ने खूब आतंक मचाया। रीवा से दुर्ग आ रही छत्तीसगढ़ी एक्ट्रेस से लूट की कोशिश की गई। विरोध करने पर लुटेरों ने एक्ट्रेस के चेहरे पर मुक्का मार दिया।

ज्योत्सना ताम्रकार ने बताया कि आउटर में ट्रेन के रुकते ही 12 से ज्यादा बदमाश अंदर घुसे। गेट बंदकर 20 से अधिक लोगों को अपना शिकार बनाया। उन्होंने इस घटना की शिकायत भी की, लेकिन आरपीएफ और जीआरपी से कोई मदद नहीं मिली।

दरअसल, दुर्ग की रहने वाली ज्योत्सना छत्तीसगढ़ी फिल्म की एक्ट्रेस हैं। वो रायपुर में रहती हैं। बीते 17 जून को वो पारिवारिक काम से अपनी मौसी के घर रीवा गई थी, जहां से 19 जून की रात करीब 10 बजे रीवा-बिलासपुर एक्सप्रेस में सवार हुईं। ट्रेन में स्लीपर कोच में साइड लोअर बर्थ मिला था।

रात करीब 2 बजे ट्रेन कटनी स्टेशन पहुंची, तभी ज्योत्सना अपनी सीट पर मोबाइल देख रहीं थी। बैग सिरहाने पर था। इसी दौरान खिड़की से लुटेरे आए। मोबाइल और बैग लूटने की कोशिश की, जिसका ज्योत्सना ने विरोध किया।

इस दौरान एक बदमाश के हाथ को कसकर पकड़ लिया। नहीं छोड़ने पर बदमाश ने मुक्का मार दिया। मारपीट में आंख के नीचे चोंटें आई। लुटेरे के हमला करने के बाद 139 पर शिकायत भी की, लेकिन कोई मदद नहीं मिली।

ज्योत्सना ने बताया कि कटनी स्टेशन में 20 से अधिक यात्रियों से लूटपाट और चोरी की गई। रात में ज्यादातर यात्री नींद में थे। उसी समय मौका पाकर गैंग के सदस्यों ने अलग-अलग बोगी में वारदात को अंजाम दिया। एसी कोच से लेकर स्लीपर कोच में 20 से अधिक यात्रियों का सामान पार कर दिया।

ज्योत्सना ने बताया कि लुटेरों ने स्टेशन पहुंचने से पहले ही गेट को बाहर से बंद कर दिया था, ताकि यात्री हंगामा न मचा सके। पहले से उन्होंने यात्रियों के सामानों को टारगेट कर लिया था। यही वजह है कि स्टेशन पहुंचते ही उन्होंने यात्रियों का सामान पार करना शुरू कर दिया।

ज्योत्सना ने बताया कि ट्रेन में सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे। न तो आरपीएफ के जवान थे और न ही जीआरपी, जब उन्हें पता चला कि कई यात्रियों से इस तरह की वारदात हुई है, जिसके बाद 139 में कॉल कर शिकायत की।

उन्हें बताया गया कि अगले स्टेशन पर सुरक्षा बल आएगा, लेकिन वहां भी कोई नहीं आया। बार-बार कॉल करने के बाद नरसिंहपुर स्टेशन में जवान आए और उनका बयान दर्ज किया।

ज्योत्सना ने बताया कि वह बिलासपुर स्टेशन पहुंची। यहां करीब एक घंटे तक वो रेलवे के जिम्मेदार अफसरों के आने का इंतजार करती रहीं, लेकिन कोई नहीं पहुंचा, तब उन्होंने स्टेशन पर एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया।

गृह मंत्री ने नवा रायपुर में फोरेंसिक यूनिवर्सिटी-लैब का किया शिलान्यास

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। गृह मंत्री अमित शाह दो दिवसीय छत्तीसगढ़ प्रवास के लिए रायपुर पहुंचे। रायपुर विमानतल पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, डीजीपी अरुण देव गौतम ने उनका स्वागत किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय परिसर और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। राज्य के दो दिवसीय दौरे पर आए शाह के साथ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह और मंत्री भी थे। वे नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओडिशा के डईझईफई/एडीजीपी एवं वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। कल यानी सोमवार को नक्सलियों के खिलाफ लड़ने वाले सुरक्षा बलों के जवानों से भेंट करेंगे। उन्होंने कहा कि एक सभ्य समाज में हिंसा और लाल आतंक का कोई स्थान नहीं है। इसीलिए, हमने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया है और इसे पूरा कर के ही रहेंगे।

मुठभेड़ में नक्सलियों संग मारा गया महेश कोडियाम

सरकारी स्कूल में करता था रसोइया का काम

बीजापुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में चार से सात जून के बीच इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सात नक्सलियों को मार गिराया गया। पुलिस ने मारे गए एक नक्सली की पहचान फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के इरपागुट्टा गांव निवासी महेश कोडियाम के रूप में की, जो एक सरकारी स्कूल में रसोइया सहायक के रूप में कार्यरत था

पुलिस के अनुसार, मारे गए नक्सलियों में माओवादियों की केंद्रीय समिति के सदस्य नरसिंह चालम उर्फ सुधाकर (40 लाख रुपये का इनाम) और तेलंगाना राज्य समिति के विशेष क्षेत्रीय समिति के सदस्य भास्कर उर्फ मैलारापु अडेलु (45 लाख रुपये का इनाम) शामिल थे। कोडियाम को माओवादियों की राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र समिति का सदस्य बताया गया, जिस पर एक लाख रुपये का इनाम था।

बीजापुर पुलिस ने बयान जारी कर कहा कि कोडियाम इरपागुट्टा के प्राथमिक विद्यालय में रसोइया सहायक था और स्कूल प्रबंधन समिति द्वारा नियुक्त किया गया था। उसे मार्च 2025 तक पारिश्रमिक मिल रहा था। पुलिस ने कहा, 'कोडियाम के वरिष्ठ माओवादी नेताओं सुधाकर और भास्कर के साथ संबंधों की परिस्थितियों की जांच की जा रही है। मामले की गहन, निष्पक्ष और पेशेवर जांच जारी है।'

पुलिस ने प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) संगठन से जुड़े लोगों से संबंध तोड़ने की अपील की, चेतावनी दी कि यह संगठन सार्वजनिक सुरक्षा, क्षेत्रीय शांति और शामिल व्यक्तियों के लिए खतरा है। वहीं, शनिवार को इरपागुट्टा के कुछ ग्रामीणों ने दावा किया कि कोडियाम का माओवादी संगठन से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने बताया कि वह स्कूल में मध्याह्न भोजन तैयार करता था और उसे इसके लिए बैंक खाते में पारिश्रमिक मिलता था।

ग्रामीणों के अनुसार, कोडियाम के परिवार में पत्नी और सात बच्चे हैं। इस मामले ने क्षेत्र में चर्चा को जन्म दिया है, क्योंकि पुलिस और ग्रामीणों के दावों में विरोधाभास सामने आया है। जांच के नतीजे इस मामले की सच्चाई को और स्पष्ट करेंगे।

कंपनी मालिक से अननेचुरल सेक्स कर बनाया वीडियो

सुपरवाइजर ने धमकी देकर वसूले 29 लाख, सब्जी का बिजनेस करेंगे बोलकर फंसाया था

भिलाई, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में कंपनी के मालिक से सुपरवाइजर ने अननेचुरल सेक्स कर वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो को वायरल कर दूंगा कहकर ब्लैकमेल किया। कंपनी मालिक से अलग-अलग किश्तों में 29 लाख 40 हजार रुपए वसूल लिए। मामला जामुल थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम आलोक मिश्रा (25) है, जो मध्यप्रदेश के उमरिया जिले के मानपुर थाना के छपड़ौर गांव का रहने वाले है। आरोपी सुपरवाइजर ने अपने मालिक को सब्जी का बिजनेस करेंगे कहकर फंसाया था और अप्राकृतिक सेक्स की घटना को अंजाम दिया।

दरअसल, पीड़ित भिलाई का रहने वाला है। 3 साल पहले यानी 2021-22 में मध्यप्रदेश के उमरिया के रहने वाले आलोक मिश्रा से जान-पहचान हुई। आलोक उसकी कंपनी में सुपरवाइजर था। भिलाई हाउसिंग बोर्ड के एलआईजी-42 में रहता था। आलोक ने कंपनी के मालिक को सब्जी व्यापार में पैसा लगाने का झांसा दिया। उसे अपने भरोसे में लिया। इसके बाद उसने कंपनी के मालिक संग जबरन अप्राकृतिक संबंध बनाया। इसी दौरान आरोपी ने वीडियो अपने मोबाइल से रिकॉर्ड कर लिया। आरोपी आलोक ने चुपके से वीडियो बनाने के बाद कुछ दिन शांत रहा, फिर कंपनी मालिक को वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। आलोक कहने लगा कि अगर पैसे नहीं दिए तो वह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दूंगा, जिससे तुम्हारी बदनामी होगी। पीड़ित ने बताया कि धमकी और डर से 3 साल में उसने अलग-अलग तरीके से कुल 29 लाख 40 हजार 611 लाख रुपए दे दिए। जब ब्लैकमेलिंग से तंग आ गया, तब पीड़ित ने हिम्मत जुटाकर पुलिस से शिकायत की।

डायरिया से 1 की मौत, 4 गंभीर

सीएमएचओ ने कहा- ओआरएस पाउडर शराब के साथ न पिएं, तो गुस्साए ग्रामीणों ने किया हंगामा

बालोद, 21 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले के ग्राम तरौद में डायरिया के प्रकोप से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। जबकि 4 लोग गंभीर हालत में हैं। 30 से अधिक ग्रामीण उल्टी-दस्त से पीड़ित हैं। ऐसे में इलाज के लिए लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में जमकर हंगामा हो गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि मृतक मोहित निषाद (40) के चाचा बिट्ठल निषाद (65) जब उल्टी दस्त से स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे, तो बालोद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महेश सूर्यवंशी ने उन्हें ओआरएस का पैकेट देते हुए कहा कि ओआरएस को शराब के साथ घोल कर न पिएं। इस टिप्पणी के बाद शिविर में बैठे ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया।

गांव के चम्मन साहू ने बताया कि, तरौद में 30 से अधिक लोग डायरिया से पीड़ित हैं। एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। समय पर इलाज नहीं मिलने से गांव में शोक और मातम का माहौल है।

ऐसे संवेदनशील समय में जब स्वास्थ्य विभाग के सबसे वरिष्ठ अधिकारी शिविर में पहुंचे तो उन्होंने मरीज को ओआरएस देते हुए शराब के साथ न लेने की सलाह दी। जिसे ग्रामीणों ने अपमानजनक माना। इस टिप्पणी का पीड़ित परिवार और पूरे गांव ने विरोध किया। ग्राम तरौद के सरपंच धर्मेन्द्र रामटेके ने बताया कि, रावण भाठा वार्ड में करीब 20 साल पुरानी पाइपलाइन के जरिए पानी की सप्लाई होती है। इसी पाइपलाइन में लीकेज की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल पीएचई विभाग की टीम मौके पर जांच कर रही है। एहतियातन इस वार्ड में बोर के पानी के उपयोग पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी गई है। मृतक मोहित के चचेरे भाई सुरेंद्र निषाद ने बताया कि, मोहित को शुक्रवार सुबह से ही उल्टी हो रही थी। करीब 7 बार उल्टी के बाद दोपहर में उसे परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। वह खुद पैदल चलते हुए अस्पताल के अंदर गया था। लेकिन शाम 5 बजे अचानक उसकी मौत हो गई। जिससे पूरा गांव सदमे में है। मोहित एक लोक कलाकार था। जो सांस्कृतिक मंचों पर तबला और नाल बजाया करता था। शनिवार दोपहर 12 बजे गांव के मुक्तिधाम में उसका अंतिम संस्कार किया गया। ग्रामीण महेंद्र दास मानिकपुरी ने बताया कि, पिछले एक महीने से नल के पानी में कीड़े निकल रहे थे। जिसकी शिकायत भी की गई थी। लेकिन किसी जिम्मेदार अधिकारी ने ध्यान नहीं दिया।

गंदे पानी की वजह से लोगों को पीने और इस्तेमाल में भारी परेशानी हो रही थी। अब जब एक व्यक्ति की मौत हो गई, तब प्रशासन सक्रिय हुआ है। उन्होंने बताया कि लोग गुरुवार से ही अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं और मौत की खबर के बाद आज बड़ी संख्या में ग्रामीण इलाज के लिए प्राइवेट अस्पतालों की ओर दौड़े हैं।

सचिन पायलट का दो दिन छत्तीसगढ़ दौरा

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी 23-24 जून को संगठन की समीक्षा करेंगे, आगामी रणनीति पर लेंगे बैठकें

रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट 23 और 24 जून को दो दिवसीय दौरे पर छत्तीसगढ़ आ रहे हैं। इस दौरान वे संगठन की समीक्षा करेंगे। आगामी रणनीति को लेकर पार्टी के नेताओं से चर्चा करेंगे। उनके दौरे की पुष्टि कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने की है।

पायलट का यह दौरा ऐसे समय पर हो रहा है, जब प्रदेश कांग्रेस कई अहम मुद्दों को लेकर सरकार पर हमलावर है। सरकार के खिलाफ लगातार प्रदर्शन कर रही है।

2 दिवसीय दौरे के दौरान वे पार्टी पदाधिकारियों, जिला और ब्लॉक स्तर के नेताओं से मुलाकात कर जमीनी फीडबैक लेंगे।

बताया जा रहा है कि, पायलट का दौरा पूरी तरह संगठनात्मक समीक्षा पर केंद्रित रहेगा। पार्टी की वर्तमान स्थिति, कार्यकर्ताओं की भूमिका पर विशेष चर्चा होगी। संगठन के ढांचे को मजबूत करने के लिए नए दिशा-निर्देश भी दिए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि पायलट कुछ जिलों का दौरा भी कर सकते हैं, हालांकि अंतिम कार्यक्रम जल्द जारी होगा।

कांग्रेस के प्रदेश सह प्रभारी विजय जांगिड़ ने कहा, सचिन पायलट का यह दौरा संगठन को नई ऊर्जा देगा।

वे कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद करेंगे और पार्टी की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। पार्टी की गतिविधियों को और सक्रिय करने की दिशा में यह दौरा बेहद महत्वपूर्ण है।

भू-धसान से सड़क बंद

भुरकुंडा-रांची रोड का आधा हिस्सा धंस गया

रामगढ़, 22 जून (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के भुरकुंडा सयाल रांची पतरातू मार्ग स्थित सौंदा डी में लगातार बारिश के कारण सड़क का आधा हिस्सा धस गया है। इसके बाद सीसीएल प्रबंधन के निर्देश पर मुख्य मार्ग को बंद कर दिया है। सुरक्षा के लिए धसे हुए रोड को ईंट-पत्थरों से चिह्नित किया गया है। स्थल के आसपास से धुआं निकल रहा है। इस रास्ते को पहले भी कई बार बनाया गया। पानी और आग वाले क्षेत्रों में पानी छिड़काव की व्यवस्था की गई। लेकिन कुछ ही दिनों में सड़क फिर से धसने लगती है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस क्षेत्र में जमीन के नीचे कोयला निकाले जाने से भू धसान की घटना हो रही है। मुखिया प्रतिनिधि दयानंद प्रसाद के अनुसार, यह सड़क भू-धसान क्षेत्र में है।

एटीएस की छापेमारी में अवैध गन फैक्ट्री का खुलासा

मुंगेर के दो लोग गिरफ्तार, छापेमारी में 50 पेटी विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त

बोकारो, 22 जून (एजेंसियां)। बोकारो में कोलकाता व झारखंड एटीएस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में हथियार व अंग्रेजी शराब बरामद की है। यह छापेमारी गुरुवार को गांधी नगर थाना के जरीडीह बाजार स्थित कलाली रोड में कावेरी पैलेस में की गई। छापेमारी के दौरान हथियार बनाने वाले दो कारीगर को मौके से गिरफ्तार किया गया। छापेमारी में करीब 50 पेटी विभिन्न ब्रांड की शराब जब्त हुई।

गिरफ्तार आरोपियों में बिहार के मुंगेर जिला स्थित कासिम बाजार हेरू दियारा निवासी प्रवीण कुमार व केशव कुमार शामिल है। इधर, सभी बरामद सामानों को गांधीनगर थाना लाया गया। इस दौरान बेरमो व गांधी नगर थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कावेरी पैलेस, जो सूरज साव का बताया जाता है, वहां हथियार बनाने की मिनी फैक्ट्री चल रही थी। साथ ही दूसरी बिल्डिंग में नकली शराब का धंधा चल रहा है।

सूचना मिलते ही बेरमो व गांधी नगर थाना पुलिस और एटीएस की टीम पहुंची। सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। मिनी फैक्ट्री में बनाए गए 10 हथियार व हथियार बनाने वाले उपकरण सहित अन्य सामान जब्त किया गया। एसडीपीओ बीएन सिंह ने बताया कि हथियार बनाने का धंधा कब से चल रहा है, हथियार कौन-कौन राज्य में सप्लाई किया जा रहा है, इसकी जांच की जाएगी।

छापेमारी में अवैध शराब के अलावा पिस्टल बनाने वाला लेथ मशीन व अन्य तीन बड़े उपकरण, अर्धनिर्मित 6 पिस्टल, सूरज साव के गोदाम से एक लाख रुपए नकद, अर्द्ध निर्मित पिस्टल का खुला स्लाइडर 6 पीस, पिस्टल का ढांचा 9 पीस, स्लाइड बैरल बनाने वाला प्लेट आदि जब्त किए गए हैं।

वहीं, शुक्रवार को एसपी हरविंदर सिंह ने कहा कि यह निश्चित रूप से गांधीनगर थाना पुलिस के सूचना तंत्र का फेल्योर है। हालांकि थाना प्रभारी नए हैं, लेकिन ऐसे अपराध की सूचना होनी चाहिए थी। आगे हमलोग सूचना तंत्र को और मजबूत करेंगे। उन्होंने कहा कि पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में अवैध ढंग से आर्म्स फैक्ट्री चल रही है। त्वरित कार्रवाई करते हुए कोलकाता व झारखंड एटीएस के साथ बोकारो पुलिस ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। अपराधी गिरोह बनाकर काम कर रहे थे। मैरेज हॉल को अड्डा बनाया था, ताकि किसी को शक नहीं हो।

जेल में युवक की पिटाई, गला दबाकर मर्डर का शक

पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में 35 से ज्यादा जख्म, हाईकोर्ट ने सरकार से 14 दिन में मांगा जवाब

बिलासपुर, 22 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने महासमुंद जिला जेल में आदिवासी युवक की संदिग्ध मौत पर सख्ती दिखाई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में गला दबाने और शरीर पर 35 जख्मों के निशान का जिक्र है। डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका की सुनवाई के बाद सरकार से 14 दिन में जवाब मांगा है।

जनहित याचिका के मुताबिक मृतक का नाम नीरज भोई है, जो महासमुंद जिले के ग्राम पिपरौद का रहने वाला था। नीरज को 12 अगस्त 2024 को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल ले जाते वक्त मेडिकल टेस्ट कराया गया। युवक को डिप्रेशन और शराब का आदी बताया गया था।

जनहित याचिका के मुताबिक जेल ले जाते वक्त शरीर में किसी तरह के जख्म के निशान नहीं थे, लेकिन 15 अगस्त की सुबह नीरज को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत बता दिया।

उस वक्त जेल अधीक्षक रहे मुकेश कुशवाहा का कहना था कि आदतन शराबी था और नशा नहीं मिलने के कारण खुद को और दूसरों को चोट पहुंचा रहा था। कई कैदियों को दांत से काट कर जख्मी कर चुका था, इसलिए 14 अगस्त की रात 10 बजे पैरों पर हथकड़ी लगा कर रखा गया था।

जेल अधीक्षक के मुताबिक इसके बावजूद भी वो शांत नहीं रहता था। करीब रात 11 बजे उसकी हथकड़ी खोला गया, फिर से मारपीट करने लगा। उसी रात कैदी अचानक बेहोश हो गया। स्वास्थ्य रक्षक ने कैदी की बीपी चेक की तो बहुत लो था।

हालत बिगड़ने पर रात करीब 12 बजे मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां डॉक्टर्स ने 12.35 को कार्डियक अरेस्ट के कारण उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत को लेकर परिजनों ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की। इसमें बताया गया कि युवक के मेडिकल परीक्षण में डिप्रेशन और क्रोनिक एल्कोहलिक का मरीज बताया गया था। नशे का आदी होने के कारण दूसरे दिन से वह असामान्य व्यवहार करने लगा था।

याचिका के मुताबिक नीरज जेल में बंद कैदियों पर थूकने और काटने लगा था। इससे उसे मानसिक रोगी बताकर लोहे के गेट से बांधकर खुले में छोड़ दिया गया। उसका इलाज कराने के बजाय शारीरिक रूप से प्रताड़ना दी गई।

दायर याचिका में मांग की गई है कि प्रताड़ित करने वाले और मारपीट करने वालों के खिलाफ जांच हो। जांच के बाद दोषियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज हो। साथ ही मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग की गई है।

महासमुंद जिला जेल के डॉक्टर संजय दवे की रिपोर्ट के मुताबिक, वह नशे के कारण जेल में असामान्य व्यवहार करने लगा था, जिससे उसे जेल अस्पताल में दवा दी गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। विड्राल सिंप्टम्स होने से यह सब करने लगा था।

लातेहार के जलप्रपात बने आकर्षण का केंद्र

पातम डाटम में 200 फीट और सुग्गा बांध में 80 फीट की ऊंचाई से गिर रहा पानी

लातेहार, 22 जून (एजेंसियां)। मानसून की बारिश से जिले की नदियों, नालों, तालाबों और कुओं का जलस्तर बढ़ गया है। लगातार बारिश के कारण गारू थाना क्षेत्र का सुग्गा बांध और हेरहंज का पातम डाटम जलप्रपात अपनी खूबसूरती से सैलानियों को आकर्षित कर रहा है। दोनों जलप्रपात जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में सुमार हैं।

पातम डाटम जलप्रपात से करीब 200 फीट की ऊंचाई से गिरता पानी देखने वालों को मंत्रमुग्ध कर देता है। इसे देखने के लिए रांची, चतरा, लातेहार, गढ़वा, डाल्टेनगंज, हजारीबाग सहित बिहार से भी पर्यटक पहुंचते हैं। नए साल, पर्व-त्योहारों और छुट्टियों में यहां भीड़ उमड़ती है।

जलप्रपात के दक्षिण दिशा में शिवलिंग और हनुमान जी की प्रतिमा स्थापित है। लोगों का मानना है कि यहां स्नान करने से चर्म रोगों से मुक्ति मिलती है। पातम डाटम की गहराई अब तक नहीं मापी जा सकी है। कहा जाता है कि यहां सच्चे मन से मन्नत मांगने पर मनोकामना पूरी होती है। वहीं, गारू प्रखंड के बारेसाढ़ थाना क्षेत्र में स्थित सुग्गा बांध जलप्रपात भी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। यहां करीब 80 फीट की ऊंचाई से गिरता पानी रोमांच पैदा करता है। इसकी आवाज दूर से ही सुनाई देती है। पास जाकर देखने पर लोग वाह-वाह कर उठते हैं। चारों ओर पहाड़ियों से घिरा यह जलप्रपात प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है। कलकल बहती धारा और चट्टानों पर गिरता पानी अलग ही आनंद देता है। हजारों फीट में फैली समतल चट्टानें इसकी खूबसूरती को और बढ़ा देती है। यहां पिकनिक मनाने के लिए भी पर्याप्त जगह है। हजारों लोग एक साथ यहां पिकनिक मना सकते हैं।

रिश्वत लेते आरएसईटीआई डायरेक्टर गिरफ्तार

कैंटीन संचालक से 18% कमीशन मांगा

20 हजार रुपए लेते सीबीआई ने पकड़ा

गिरिडीह, 22 जून (एजेंसियां)। गिरिडीह में धनबाद सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर सह बैंक ऑफ इंडिया के सीनियर मैनेजर अभिषेक कमल को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। संस्थान में कैंटिन चलाने वाले मृत्युंजय पांडेय की ओर से शिकायत की गई थी।

संस्थान के कैंटीन संचालक ने सीबीआई को बताया कि संस्थान में प्रशिक्षण कार्य के लिए उनका 2 लाख 42 हजार रुपए का पेमेंट बना था। डायरेक्टर ने पहले 10 प्रतिशत कमीशन की मांग की। कम करने की बात पर वह 18 प्रतिशत तक पहुंच गया। उसने कैंटीन छीनने की धमकी भी दी थी।

सीबीआई एसपी पीके झा की ओर से मिली जानकारी के अनुसार शिकायत मिलने के बाद जांच में मामला सही पाया गया। टीम ने कल्याणडीह स्थित संस्थान में दबिश दी।

कार्रवाई के क्रम में कैंटीन संचालक ने 20 हजार रुपए घूस की रकम डायरेक्टर को नगद दे दिया गया।

पैसे देते ही सीबीआई की टीम ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर को रंगे हाथ धर दबोचा।

इधर मामले को लेकर सीबीआई एसपी ने बताया कि आगे की जांच पड़ताल की जिम्मेदारी रांची सीबीआई को दी गई है। सीबीआई धनबाद की टीम ने जिसे अरेस्ट किया है वह मूल रूप से हजारीबाग जिला के रहने वाले हैं।

ऐसे में रांची के नजदीक होने की वजह से अब रांची सीबीआई की टीम उसके आवास पर जांच पड़ताल कर रही है। फिलहाल डायरेक्टर अभिषेक कमल को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बड़े भाई ने की छोटे की हत्या

लोहे की रॉड से सिर पर वार किया

संपत्ति विवाद में मर्डर के बाद फरार

धनबाद, 22 जून (एजेंसियां)। धनबाद में बड़े ने छोटे भाई की लोहे के रॉड (साबल) से वार कर हत्या कर दी। दोनों के बीच संपत्ति का विवाद चल रहा था। घटना एमपीएल ओपी क्षेत्र के गांगपुर गांव की है। मृतक की पहचान प्रशांत माजी के रूप में हुई है, जबकि आरोपी का नाम हरमन माजी है। आरोपी घटना के बाद से फरार है। मृतक की पत्नी पूजा माजी ने बताया कि प्रशांत और उनके भाई हरमन के बीच संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था।

प्रशांत अपने दुकान पर मौजूद थे। इसी दौरान दोनों भाइयों के बीच फिर से कहासुनी शुरू हुई। गुस्से में आकर हरमन ने पास में रखे एक साबल से प्रशांत के सिर पर जोरदार हमला कर दिया। प्रशांत ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मृतक की पत्नी पूजा माजी ने बताया कि संपत्ति विवाद को लेकर अक्सर घर में झगड़ा होता था। हमें घर से बाहर कर दिया गया था। कई दिन किराए पर रहे। फिर जमीन लेकर घर बनाया और एक दुकान शुरू की। इसी दुकान की जमीन को लेकर हरमन ने हत्या कर दी। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही एमपीएल ओपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज मामले की जांच में जुट गई है।

पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी के नेताओं को राहत

विरोध प्रदर्शन के मामलों में अदालतों ने किया बरी

इस्लामाबाद/लाहौर, 22 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पार्टी (पीटीआई) के नेताओं को अदालतों से बड़ी राहत मिली है। अदालतों ने विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों में पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को बरी कर दिया है। जबकि एक नेता को जमानत दी है। इस्लामाबाद की एक अदालत ने पिछले साल के दो विरोध-संबंधी मामलों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष गौहर अली खान और विपक्ष के नेता उमर अयूब सहित पार्टी के नेताओं को शनिवार को बरी कर दिया। इस्लामाबाद के न्यायिक मजिस्ट्रेट शहजाद अहमद ने पिछले साल 26 अप्रैल को हुए विरोध प्रदर्शन से जुड़े मामलों में फैसला सुनाया। यह विरोध प्रदर्शन पीटीआई नेता शोएब शाहीन के कार्यालय से कराची कंपनी की ओर बढ़ा, जिसमें कथित तौर पर धारा 144 और अन्य कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन किया गया। दलीलें सुनने के बाद अदालत ने बैरिस्टर गौहर, उमर अयूब, अली बुखारी, शोएब शाहीन, मलिक रफीक, आमिर डोगर, आमिर मुगल और अन्य को बरी कर दिया। वहीं लाहौर की एक आतंकवाद निरोधी अदालत ने नौ मई, 2023 के दंगा मामले में पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को जमानत दे दी। कुरैशी के वकील ने तर्क दिया था कि पीटीआई नेता नौ मई को हमले के दिन लाहौर में मौजूद भी नहीं थे और अपनी पत्नी के साथ इलाज के लिए कराची में थे। वकील ने कहा कि 9 मई के हमलों के संबंध में कुरैशी के खिलाफ साजिश का आरोप साबित नहीं हुआ है और याचिकाकर्ता को जमानत दी जानी चाहिए। वहीं एटीसी- के न्यायाधीश मंजर अली गिल ने पीटीआई संस्थापक खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई को भड़के दंगों के दौरान शादमान पुलिस स्टेशन पर हमला मामले में फैसला सुनाया। एक अन्य न्यायाधीश ने लाहौर कोर के निकट पुलिस वाहनों को जलाने से संबंधित मामले में पीटीआई नेता की एक अन्य जमानत याचिका पर फैसला 26 जून तक के लिए टाल दिया। इससे पहले पंजाब के पूर्व राज्यपाल उमर सरफराज चीमा ने भी शादमान पुलिस स्टेशन हमला मामले में जमानत याचिका दायर की थी। पूर्व पीएम इमरान खान पर नौ मई 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज हैं। उन पर अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप है। पूर्व पीएम अगस्त 2023 से जेल में हैं।

घर में घुस कर कई राउंड की फायरिंग, पति के सामने पत्नी और दो बच्चों का गुंडों ने दिनदहाड़े किया अपहरण

छतरपुर, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां दिनदहाड़े फायरिंग कर किडनैपिंग की गई है। जिले के लवकुशनगर थाना क्षेत्र के सुमेड़ी गांव में शनिवार दोपहर करीब 12 बजे एक दर्जन से अधिक दबंगों ने जमकर फायरिंग की। लाठी-डंडों से एक परिवार के साथ मारपीट भी की। गुंडे एक महिला और दो बच्चों का अपहरण कर ले गए। मारपीट में अपहृत महिला का पति घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, लवकुशनगर थाना क्षेत्र के सुमेड़ी गांव में सोनू उर्फ संजय सिंह राजपूत और उसके करीब एक दर्जन से ज्यादा गुंडों ने जमकर फायरिंग की और लाठी-डंडों से हरिराम, उसकी मां चंपा पाल तथा परिवार के अन्य लोगों को पीटा। वारदात का सबसे चौंकाने वाला पहलू यह है कि आरोपियों ने हरिराम की पत्नी मिथलेश और दो बच्चों 5 साल की बेटी भूमिका तथा 3 साल के बेटे सार्थक का अपहरण कर लिया। इस वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

नेवी अफसर पति से मिलकर लौट रही थी महिला पायलट

कैब में हुई छेड़छाड़, 3 के खिलाफ केस दर्ज

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। मुंबई में एक 28 वर्षीय महिला पायलट के साथ कैब में यात्रा के दौरान छेड़छाड़ की घटना सामने आई है। पीड़िता देर रात दक्षिण मुंबई से अपने घर घाटकोपर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में कैब ड्राइवर ने गाड़ी का रूट बदला और दो अनजान लोगों को अंदर बैठा लिया। इसके बाद दोनों युवकों ने महिला के साथ छेड़छाड़ की। मुंबई पुलिस ने कैब ड्राइवर समेत तीन लोगों पर यौन उत्पीड़न और धमकी देने के आरोप में केस दर्ज किया है।

महिला पायलट गुरुवार रात करीब 11 बजे फोर्ट छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से कैब में बैठीं। वह अपने नेवी अफसर पति से मिलने के बाद अकेली घर लौट रही थीं। यात्रा शुरू होने के कुछ समय बाद कैब ड्राइवर ने रास्ता बदला और दो अनजान युवकों को कैब में बैठा लिया। एक युवक पीछे महिला के बगल में बैठ गया और उसने महिला का हाथ मरोड़ा और उसकी जांघ को छुआ। जब महिला ने विरोध किया और चिल्लाई, तो दूसरे युवक ने उसे धमकाया। थोड़ी देर में कैब एक पुलिस नाके के पास से गुजरी, जिसे देखकर दोनों युवक कैब से उतरकर भाग निकले।

कैब ड्राइवर गिरफ्तार

दोनों युवकों के भागने के बाद ड्राइवर बिना कुछ कहे महिला को उसके घर छोड़कर चला गया। अगले दिन महिला ने अपने पति के साथ जाकर घाटकोपर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने फिलहाल कैब ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 75(1) (यौन उत्पीड़न), 351(2) (आपराधिक धमकी) और 3(5) (साझा मंशा) के तहत मामला दर्ज किया है।

अध्यापिका का व्हाट्सएप हैक कर पांच छात्रों से 40 हजार ठगे, हैकर ने बातचीत के तरीके को किया कॉपी

ऊना, 22 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के ऊना में एक सरकारी स्कूल की अध्यापिका का व्हाट्सएप हैक कर उनके विद्यार्थियों से करीब 40 हजार रुपये ठग लिए गए। अध्यापिका के व्हाट्सएप नंबर से कई बच्चों को मैसेज गया कि बेटा मुझे कुछ पैसों की जरूरत है। इसके बाद कुछ बच्चों ने पैसे भेज दिए। कुछ ने समझदारी दिखाते हुए पहले अध्यापिका से बात की तो ठगी का पता चला। पांच बच्चे ठगी का शिकार हुए हैं। अध्यापिका ने अपना बैंक खाता फ्रीज करवाया और अपने स्तर पर कई बच्चों को फोन भी किए। सुबह साइबर अपराध शाखा में शिकायत दर्ज करवाई। अध्यापिका ने शिकायत में बताया कि शुक्रवार को उन्हें एक वरिष्ठ समाज सेविका व लेखक का व्हाट्सएप पर संदेश आया कि एक लिंक भेजा है। उसके क्लिक कर कार्यशाला में हिस्सा लेना है। संदेश भेजने वाली वरिष्ठ साथी का भी व्हाट्सएप हैक था, जिसकी उन्हें भनक नहीं लगी। जैसे ही उन्होंने लिंक पर क्लिक किया, उन्हें व्हाट्सएप पर कुछ गड़बड़ी का शक हुआ।

चिंताजनक: गर्म होते महासागरों से 86% तक नष्ट हो सकती हैं प्रवाल भित्तियां

ठोस कदम उठाकर टाली जा सकती है आपदा

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। जलवायु परिवर्तन की भयावहता अब समुद्री जीवन को भी तेजी से निगल रही है। गर्म होते महासागरों की वजह से प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ्स) अपने पारंपरिक निवास से पलायन कर रही हैं। इससे आने वाले दशकों में उनका अस्तित्व ही संकट में पड़ सकता है। ताजा वैश्विक अध्ययन के अनुसार, यदि मौजूदा रफ्तार से ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहा तो इस सदी के अंत तक 86 फीसदी प्रवाल भित्तियां खत्म हो सकती हैं। ऐसा होने पर तटीय क्षेत्र में रहने वाले करोड़ों लोगों की आजीविका सहित और कई तरह के संकट खड़े हो सकते हैं। हालांकि, उत्सर्जन नियंत्रण के ठोस कदम उठाए जाएं तो इस आपदा को काफी हद तक टाला जा सकता है। यह अध्ययन हवाई विश्वविद्यालय के हवाई इंस्टीट्यूट ऑफ मरीन बायोलॉजी की इकोलॉजिकल थ्योरी लैब के वैज्ञानिकों ने किया है। अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, जैसे-जैसे समुद्रों का तापमान बढ़ता है, प्रवाल भित्तियां ठंडे क्षेत्रों की ओर खिसक रही हैं, लेकिन उनकी यह गति अत्यंत धीमी है। अध्ययन में कहा गया है कि अगर वैश्विक स्तर पर पेरिस जलवायु समझौते जैसे ठोस कदमों पर अमल किया जाए तो ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी लाई जा सकती है। इससे प्रवाल भित्तियों के नुकसान को मौजूदा आकलन के मुकाबले एक-तिहाई तक सीमित किया जा सकता है। वैज्ञानिकों का मानना है, हमारे अगले कुछ दशकों के निर्णय न केवल इस सदी बल्कि आने वाली कई पीढ़ियों तक समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के भविष्य को तय करेंगे। प्रवाल भित्तियों की धीमी भागदौड़ जलवायु संकट की गंभीरता को उजागर करती है। उनका भविष्य अब पूरी तरह हमारे फैसलों पर निर्भर करता है। अगर हम अभी ठोस कदम नहीं उठाते तो न केवल एक सुंदर पारिस्थितिकी तंत्र नष्ट होगा बल्कि मानवता भी एक अमूल्य प्राकृतिक रक्षा कवच खो देगी। प्रवाल भित्तियां, जिन्हें समुद्र का वर्षावन कहा जाता है, समुद्री जैव विविधता के केंद्र हैं। वे समुद्री जीवों को भोजन, आश्रय और प्रजनन स्थल प्रदान करती हैं। साथ ही वे तटीय क्षेत्रों की रक्षा करने, मछली पालन, पर्यटन और दवाओं के विकास में भी योगदान देती हैं। उनके बिना न केवल समुद्री जीवन में असंतुलन आएगा। इसके अलावा, प्रवाल भित्तियां कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन की रफ्तार को कम करने में मदद करती हैं। शोध में पाया गया कि भविष्य में उत्तरी फ्लोरिडा, दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिणी जापान जैसे ठंडे तटीय क्षेत्रों में नई प्रवाल भित्तियों का निर्माण हो सकता है। हालांकि, यह बदलाव इतनी धीमी गति से होगा कि वह मौजूदा संकट से प्रवालों को बचाने में कारगर साबित नहीं होगा।

'ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की आशंका' पूर्व अमेरिकी वित्त अधिकारी ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के हमलों के बाद ईरान की ओर होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र को बंद करने की आशंका है। इसे लेकर पूर्व अमेरिकी वित्त अधिकारी और जोनाथन शेंजर ने चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने का प्रयास करता है तो अमेरिका करारा जवाब देगा। हो सकता है कि अमेरिका की ओर से अविश्वसनीय बल का प्रयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि अभी होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने के किसी भी प्रयास का अमेरिका की ओर से अविश्वसनीय बल के साथ सामना किया जाएगा। जब यह शुरू हो गया है, तो यह कल्पना करना मुश्किल नहीं है कि फ्रांसीसी या ब्रिटिश लोग रास्ते को साफ करने के लिए आएंगे। मुझे लगता है कि अगर ईरान इस मार्ग पर आगे बढ़ता है तो यह पूरी तरह से आत्मघाती होगा। हम यहां एक निर्णायक क्षण में हो सकते हैं।

'मानवता ने खोले नरक के द्वार'

वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की चेतावनी

न्यूयॉर्क, 22 जून (एजेंसियां)। वैश्विक संघर्ष के बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चेतावनी दी है। न्यूयॉर्क में जलवायु संकट पर आयोजित शिखर सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि मानवता ने नरक के द्वार खोल दिए हैं। भयंकर गर्मी के भयानक प्रभाव हो रहे हैं। बाढ़ में फसलों को बहता देखकर किसान परेशान हैं। गर्मी से बीमारियां फैल रही हैं। गुटेरेस ने कहा कि चुनौती के पैमाने के सामने जलवायु कार्रवाई बौनी पड़ रही है। अगर कुछ नहीं बदला तो हम एक खतरनाक और अस्थिर दुनिया की ओर बढ़ रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ने कहा कि सम्मेलन का उद्देश्य जलवायु कार्रवाई पर महत्वाकांक्षाओं को बढ़ाना है। गुटेरेस ने कहा कि विकसित देश 2040 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करें। वायु मंडल से वह उतना ही प्रदूषण हटाएं, जितना कि वे पैदा करते हैं।

उन्होंने देशों से जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने के लिए समय सीमा तय करने के लिए कहा। साथ ही निम्न और मध्यम आय वाले देशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ने में मदद करने के लिए फंडिंग में बढ़ोतरी करने और जलवायु लचीलेपन उपायों में निवेश करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि हम दशकों पीछे हैं। हमें टालमटोल, दबाव और जीवाश्म ईंधन से अरबों डॉलर कमाने के स्वार्थ के लालच में खोए समय की भरपाई करनी होगी। यूएन महासचिव के विशेष सलाहकार सेल्विन हार्ट ने कहा कि जिन देशों ने 2050 तक शुद्ध शून्य और पेरिस समझौते के तहत तापमान को 1.5 डिग्री तक कम करने की प्रतिबद्धता जताई थी, वे मौजूदा समय में जीवाश्म ईंधन लाइसेंसिंग का विस्तार कर रहे हैं। न्यूयॉर्क में शिखर सम्मेलन ऐसे वक्त में हुआ जब दुनिया बाढ़ और आग से जूझ रही है। इसका उद्देश्य दिसंबर में दुबई में संयुक्त राष्ट्र के कॉप 28 जलवायु शिखर सम्मेलन से पहले पृथ्वी को गर्म करने वाले प्रदूषण को कम करने की दिशा में काम करना है। सम्मेलन में केवल उन देशों ने भाग लिया, जिनके पास जलवायु संकट से निपटने की ठोस योजना है। सम्मेलन में 200 देशों में से केवल 34 देशों और सात गैर सरकारी निकायों को बोलने का मौका दिया गया।

मध्य प्रदेश में एक और राजा रघुवंशी जैसा हत्याकांड, पत्नी ने पति के सिर पर वार करके हत्या की, तालाब में फेंका शव

जबलपुर, 22 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर से एक और राजा रघुवंशी जैसा हत्याकांड सामने आया है। जबलपुर में एक महिला ने अपने पति के सिर पर हमला करके उसकी हत्या कर दी और शव को तालाब में फेंक दिया। जब पुलिस ने इस मामले की जांच की और पत्नी से सख्ती से पूछताछ की तो पत्नी से अपना जुर्म कबूल किया। जबलपुर की एक महिला ने भी इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड जैसी ट्रिक अपनाई लेकिन सोनम की तरह जेल की सलाखों के पीछे पहुंच गई। इस महिला ने अपने पति के सिर पर पत्थर से वार किया, जिससे पति की मौत हो गई। हत्या के बाद महिला ने पति का शव तालाब में फेंक दिया। पूछताछ के दौरान महिला ने पुलिस को बताया कि पति की मौत तालाब में डूबने की वजह से हुई है। लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शव के सिर पर भारी चोट होने का खुलासा हुआ। बता दें कि 2 दिन पहले अधारताल निवासी अरविंद नाम के शख्स की हत्या हुई थी। पूछताछ में पुलिस को जब अरविंद की हत्या होने के सुराग मिले तो उसने मृतक की पत्नी गणेशी बाई से सख्ती से पूछताछ की। पूछताछ में गणेशी बाई ने हत्या का जुर्म कबूला। पूछताछ में आरोपी पत्नी ने बताया कि वह पति के साथ आए दिन होने वाले झगड़ों से तंग आ गई थी इसलिए उसने अपने पति अरविंद को मौत के घाट उतार दिया। अधारताल पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। राजा रघुवंशी हत्याकांड मध्य प्रदेश के इंदौर के एक कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या का सनसनीखेज मामला है, जो मेघालय में हनीमून के दौरान 23 मई 2025 को हुआ। इस मामले में मुख्य आरोपी उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी और सोनम का कथित प्रेमी राज कुशवाहा है। इन्होंने तीन अन्य व्यक्तियों विशाल चौहान,आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची।

सत्ता की चाबी मुनीर के हाथ, दुनिया के सामने पाक के रक्षा मंत्री ने कबूल लिया काला सच

इस्लामाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान की सरकार किसके इशारे पर चलती है, ये बात किसी से नहीं छिपी है। पाकिस्तान में भले ही लोकतंत्र की बात की जाती हो और आम चुनाव करवाए जाने का ढोंग किया जाता हो, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान में वहां की आर्मी का ही दबदबा रहता है और अब तो यह बात खुलकर दुनिया के सामने भी आ गई है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के करीबी माने जाने वाले और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने देश में हाइब्रिड मॉडल के तहत शासन चलने की बात स्वीकार कर ली है। हाइब्रिड मॉडल वो होता है जिसमें सरकार और सेना मिलकर देश के लिए नीतियां बनाते हैं, लेकिन फिर भी पाकिस्तान में सेना के पास ही सत्ता की बागडोर है। ख्वाजा आसिफ ने दूसरी बार हाइब्रिड मॉडल को पाकिस्तान में स्वीकार किया है। विश्लेषकों ने लंबे समय से इस व्यवस्था की आलोचना करते हुए इसे सहायक हितों की सेवा करने वाली एक निश्चित सरकार के रूप में देखा है, न कि वास्तविक सत्ता-साझाकरण मॉडल के रूप में। अरब को दिए इंटरव्यू में ख्वाजा आसिफ ने माना की शरीफ़ की पीएमएल-एन पाकिस्तान की सेना के समर्थन से काम कर रही है।

'पाकिस्तान में हाइब्रिड सरकार चल रही'

ख्वाजा आसिफ ने कहा, "यह एक हाइब्रिड मॉडल है। यह एक आदर्श लोकतांत्रिक सरकार नहीं है। इसकी जरूरत तब तक है जब तक पाकिस्तान आर्थिक और शासन संबंधी समस्याओं से बाहर नहीं निकल जाता। उन्होंने आगे कहा, "अगर इस तरह का मॉडल 1990 में होता तो पाकिस्तान की राजनीति में उथल-पुथल और सेना के टकराव वाली स्थिति से बचा जा सकता था। आसिफ ने जोर देकर कहा कि पीएमएल-एन और शरीफ के लिए एकमात्र यथार्थवादी विकल्प सेना के साथ समझौता करना है"। उनका ऐसा बयान ऐसे समय पर आया जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर की मुलाकात अमेरिका के व्हाइट हाउस में डोनाल्ड ट्रम्प से हुई। इस मुलाकात को आसिफ ने 78 वर्षों में सबसे अहम मोड़ बताया और कहा कि यह हाइब्रिड मॉडल की सफलता है। आसिफ ने हाइब्रिड मॉडल को एक ऐसा मॉडल बताया है जिसमें नागरिक सरकार और सेना दोनों ही शामिल हैं।

'वोट को इज्जत दो' महज एक नारा

हाइब्रिड मॉडल को अपनाने के बाद पीएमएल-एन का मशहूर नारा "वोट को इज्जत दो" महज़ एक नारा ही रह गया। आलोचकों का कहना है कि पीएमएल-एन ने पार्टी को सेना के साथ जोड़ लिया है। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने दावा किया, 8 फरवरी को हुए आम चुनावों में सबसे बड़ी धांधली हुई थी। उन्होंने पीएमएल-एन और पीपुल्स पार्टी पर जनादेश की चोरी का आरोप लगाया। डॉ। रसूल बख्श रईस ने कहा, अब ये खुलकर सामने आ गई है कि पाकिस्तान में सत्ता की असली चाबी किसके पास है? पाकिस्तान को कौन चला रहा है? डॉ रईस ने 2022 में इमरान खान के सत्ता से बाहर होने के बाद हाइब्रिड शासन की तीसरी बार वापसी बताया। जनरल जियाउल हक और जनरल परवेज मुशर्रफ जिन्होंने नए दल बनाए उन्होंने खुद को अब सेना के हाथों में सौंप दिया। वरिष्ठ पत्रकार मतिउल्लाह जान ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा कि जो रक्षा मंत्री संविधान की रक्षा करने की शपथ लेता है वो हाइब्रिड शासन की बात करता है, जबकि पाकिस्तान के संविधान में इस व्यवस्था का कोई उल्लेख नहीं है।

क्या ईरान पर हमले रोक देगा इजरायल? इजरायली मीडिया ने दावा किया

तेहरान, 22 जून (एजेंसियां)। अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाने के बाद इजरायली मीडिया की ओर से यह दावा किया गया है कि इजरायल फिलहाल ईरान पर हमले रोक देगा। इससे पहले ईरान ने भी कहा था कि अगर इजरायल हमले रोक देगा तो वह भी अपनी सैन्य कार्रवाई को रोक देगा। बता दें कि देर रात अमेरिका ने एक बड़ा हमला करते हुए ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमों की बौछार कर दी। ईरान के फोर्दो,नतांज और इस्फहान स्थित परमाणु ठिकानों पर अमेरिका ने भीषण हमला किया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सबसे पहले एक ट्वीट कर इस हमले की जानकारी दी। हालांकि बाद में ईरान की परमाणु एजेंसी ने भी अपने तीन ठिकानों पर हमले की बात स्वीकार की है। उधर, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिका द्वारा ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाए जाने के बाद अपने एक बयान में कहा कि इतिहास इसे याद रखेगा। उन्होंने अमेरिका और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जमकर तारीफ की।

क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर ठगे जा रहे लोग, साइबर क्राइम सेल ने चेताया

शिमला/मंडी, 22 जून (एजेंसियां)। डार्क वेब पर क्रिप्टो करेंसी का अवैध कारोबार चल रहा है। अप्रमाणित एक्सचेंज और क्वाइन में निवेश करके हिमाचल के लोग भी लाखों, करोड़ों रुपये लुटा रहे हैं। प्रदेश में लगातार आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए पुलिस के साइबर क्राइम सेल ने लोगों से क्रिप्टो करेंसी में निवेश करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी है। वर्ष 2021 में क्रिप्टो करेंसी में निवेश के लोग करीब 2,000 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार हो चुके हैं। इसके बावजूद अभी भी कई गुना मुनाफा कमाने के चक्कर में लोग क्रिप्टो करेंसी के नाम पर ठगी का शिकार हो रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2024 में साइबर क्राइम सेल के क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी की 135 शिकायतें आ चुकी हैं जबकि इस साल अभी तक 35 मामले सामने आ चुके हैं। साइबर क्राइम सेल ने लोगों को इस तरह की ठगी का शिकार होने पर फौरन 1930 पर कॉल करने की हिदायत दी है। साइबर क्राइम के मुताबिक सोशल मीडिया पर कई साइबर अपराधी लोगों को क्रिप्टो करेंसी के नाम पर पैसा दोगुना करने समेत कई प्रलोभनों को देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। इसको देखते हुए लोगों को सचेत रहने की जरूरत है।

मुनाफा कमाने के चक्कर में क्रिप्टो करेंसी के नाम पर ठगी का शिकार हो रहे लोग

मुनाफा कमाने के चक्कर में लोग क्रिप्टो करेंसी के नाम पर ठगी का शिकार हो रहे हैं। प्रदेश में वर्ष 2024 में साइबर क्राइम सेल के क्रिप्टो करेंसी में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी की 135 शिकायतें आ चुकी हैं जबकि इस साल अभी तक 35 मामले सामने आ चुके हैं। साइबर क्राइम सेल ने लोगों को इस तरह की ठगी का शिकार होने पर फौरन 1930 पर कॉल करने की हिदायत दी है। साइबर क्राइम के मुताबिक सोशल मीडिया पर कई साइबर अपराधी लोगों को क्रिप्टो करेंसी के नाम पर पैसा दोगुना करने समेत कई प्रलोभनों को देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। इसको देखते हुए लोगों को सचेत रहने की जरूरत है।

ठगी से बचने के लिए इन बातों का रखें ख्याल

क्रिप्टो करेंसी में निवेश करते समय सावधानी बरतें। प्रमाणिक और लाइसेंस प्राप्त एक्सचेंज पर ही लेनदेन करें। सोशल मीडिया पर पैसा दोगुना करने, इनाम या ट्रेडिंग स्कैम से दूर रहें। क्रिप्टो करेंसी के नाम पर धोखाधड़ी, अवैध लेनदेन की जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दें। क्रिप्टो करेंसी के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। इसको देखते हुए लोगों को एडवाइजरी जारी की गई है, जिससे वे इस तरह की धोखाधड़ी से बच सकें। किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी सामने आने पर फौरन हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें।

कांच की बोतल को प्लास्टिक से सेफ मानते हैं तो सावधान

माइक्रोप्लास्टिक की मिली भरमार, नई स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा

पेरिस, 22 जून (एजेंसियां)। लंबे समय यह धारणा चली आ रही थी कि प्लास्टिक की बोतल में रखे पेय पदार्थ स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह होते हैं। यही वजह है कि कांच के बोतल को ज्यादा सुरक्षित बताया जाता है, लेकिन एक नई स्टडी ने इस धारणा को चुनौती दी है। फ्रांस की खाद्य सुरक्षा एजेंसी एन्सेस के एक अध्ययन में दावा किया गया गया है कि कांच की बोतल में प्लास्टिक की बोतल की तुलना में अधिक माइक्रोप्लास्टिक होते हैं। स्टडी के नतीजों को जर्नल ऑफ फूड कंपोजिशन एंड एनालिसिस में प्रकाशित किया गया है। शोधकर्ताओं को शुरू में उम्मीद थी कि कांच की बोतलें प्लास्टिक की बोतलों की तुलना में अपेक्षाकृत सुरक्षित होंगी, लेकिन नतीजों ने उन्हें चौंका दिया। शोध का नेतृत्व करने वाली इसेलिन चैब ने कहा, हमें एकदम उलट परिणामों की उम्मीद थी।' स्टडी के अनुसार, कोल्ड ड्रिंक्स, नींबू पानी, आइस्ड टी और बीयर की कांच की बोतलों में प्रति लीटर लगभग 100 माइक्रोप्लास्टिक कण होते हैं, जो प्लास्टिक या धातु के कंटेनरों की तुलना में 50 गुना अधिक है। माइक्रोप्लास्टिक का मुख्य स्रोत ढक्कन के होने का अनुमान लगाया गया, क्योंकि पेय पदार्थों में अलग किए गए अधिकांश कण ढक्कन के रंग के समान थे। चैब ने कहा, हमने देख कि कांच के कंटेनर में सैंपल से निकलने वाले कण एक ही आकार, रंग और संरचना के थे। सभी बोतलों में से बीयर बोतलों में माइक्रोप्लास्टिक की मात्रा सबसे अधिक थी, जिसमें औसतन 60 कण प्रति लीटर थे। उसके नींबू पानी में लगभग 40 प्रतिशत था। फ्लैट और स्पार्कलिंग वॉटर के सभी प्रकारों में माइक्रोप्लास्टिक का अपेक्षाकृत कम स्तर दिखा। कांच की बोतलों में प्रति लीटर लगभग 4.5 कण जबकि प्लास्टिक की बोतलों में 1.6 कण थे। नतीजों से साफ है कि वाइन को छोड़कर सभी पेय पदार्थों के लिए कांच के कंटेनर दूसरी पैकेजिंग की तुलना में अधिक दूषित थे। एन्सेस के रिचर्स डायरेक्टर गिलौम डुफ्लोस ने कहा कि अभी भी इस विरोधाभास का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। एजेंसी ने एक संभावित समाधान का परीक्षण किया है जो समस्या को ठीक कर सकता है। स्टडी में बताया गया कि उन्हें बाहर निकालने और पानी/एथेनॉल/पानी से धोने से प्रति कैप्सूलेटेड बोतर में माइक्रोप्लास्टिक की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है।

ईरान-इजराइल वॉर में इन दिग्गजों की मौज

जेब में आ गए 1.62 लाख करोड़

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल वॉर का असर भारत की दिग्गज कारोबारियों की कंपनियों की कमाई पर कोई असर पड़ता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है. खास बात तो ये है कि देश के दो बड़े कारोबारियों मित्तल और अंबानी की कंपनियों ने 5 कारोबारी दिनों में एक लाख करोड़ रुपए से ज्यादा कमा लिए हैं. बल्कि बाकी कंपनियों ने 60 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की है. वास्तव में देश की टॉप 10 वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा देखने को मिला है. वो भी ऐसे समय पर जब ईरान-इजराइल वॉर के बीच दुनियाभर के शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. इन 6 कंपनियों की वैल्यूएशन में ज्वाइंटली 1.62 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है. वास्तव में देश की टॉप 10 वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के वैल्यूएशन में इजाफा देखने को मिला है. वो भी ऐसे समय पर जब ईरान-इजराइल वॉर के बीच दुनियाभर के शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है. इन 6 कंपनियों की वैल्यूएशन में ज्वाइंटली 1.62 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा देखने को मिला है.

देश की इन टॉप कंपनियों वैल्यूएशन में गिरावट

सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 6 कंपनियों की वैल्यूएशन पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 1,62,288.06 करोड़ रुपए बढ़ी है. देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 54,055.96 करोड़ रुपए बढ़कर 11,04,469.29 करोड़ रुपए रहा. देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 50,070.14 करोड़ रुपए बढ़कर 19,82,033.60 करोड़ रुपए पर पहुंच गई. देश के सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 38,503.91 करोड़ रुपए बढ़कर 15,07,281.79 करोड़ रुपए हो गया. वहीं देश की बड़ी आईटी कंपनियों में शुमार इंफोसिस ने सप्ताह के दौरान 8,433.06 करोड़ रुपए जोड़े और कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,73,751.09 करोड़ रुपए हो गया. देश के दूसरे सबसे बड़े प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 8,012.13 करोड़ रुपए बढ़कर 10,18,387.76 करोड़ रुपए हो गई है.

देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक की 3,212.86 करोड़ रुपए के उछाल के साथ 7,10,399.75 करोड़ रुपए हो गई.

देश की टॉप कंपनियों के मार्केट कैप में गिरावट

सेंसेक्स की टॉप 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 4 कंपनियों की वैल्यूएशन पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 26,932.78 करोड़ रुपए कम हो गई है. इस रुख के उलट बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 17,876.42 करोड़ रुपए घटकर 5,62,175.67 करोड़ रुपए रह गया. वहीं देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के मूल्यांकन में 4,613.06 करोड़ रुपए की गिरावट आई और यह 12,42,577.89 करोड़ रुपए पर आ गया. देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 3,336.42 करोड़ रुपए घटकर 5,41,557.29 करोड़ रुपए रह गया. देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बाजार हैसियत 1,106.88 करोड़ रुपए घटकर 5,92,272.78 करोड़ रुपए पर आ गई.

ईरान पर प्रहार से कच्चा तेल जा सकता है 100 डॉलर के पार

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल हमले में अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिका ने ईरान के न्यूक्लियर प्लांट पर हवाई हमले किए हैं। इस हमले के बाद मिडिल ईस्ट में एक बार फिर से जियो पॉलिटिकल टेंशन बढ़ गई है। सोमवार को इंटरनेशनल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा देखने को मिल सकता है। इसके अलावा रिस्क फ्री सेंटीमेंट के पैदा होने के बाद से सोमवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। जानकारों का अनुमान है कि सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों की शुरुआत 80 डॉलर से हो सकती है और 90 डॉलर प्रति बैरल पर भी पहुंच सकती है। अगर होमुर्ज स्ट्रेट बंद होता है तो कच्चे तेल के दाम 130 डॉलर प्रति बैरल पर भी पहुंच सकते हैं। इसका मतलब है कि दुनिया के उन देशों पर मार पड़ने वाली है, जो कच्चे तेल का इंपोर्ट भारी मात्रा पर करते हैं। जिसमें भारत का नाम प्रमुखता से लिया जा सकता है। भारत अपनी जरुरत का 85 से 90 फीसदी कच्चा तेल इंपोर्ट ही करता है। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर जानकारों की ओर से किस तरह का अनुमान लगाया गया है।

कितनी हो सकती है कच्चे तेल की कीमतें

जानकारों का अनुमान है कि कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास खुलने का अनुमान है और संभावित रूप से 100 डॉलर से ऊपर जा सकते हैं, सबसे खराब स्थिति में होर्मुज स्ट्रेट बंद होने पर कीमतें 130 डॉलर से ऊपर पहुंचने का अनुमान है। जून में अब तक कच्चे तेल की कीमतें 24 प्रतिशत बढ़कर 77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। जबकि मई के महीने में क्रूड ऑयल के दाम में 4 फीसदी का इजाफा देखने को मिला था। होर्मुज स्ट्रेट – एक रणनीतिक चोकपॉइंट जो ग्लोबल ऑयल सप्लाई का लगभग 20 फीसदी संभालता है – अब चिंता का विषय बन गया है। उसका कारण भी है। बाजार संभावित सप्लाई डिस्टर्बेंस का अनुमान लगा रहे हैं। एक्सिस सिक्योरिटीज के अक्षय चिंचलकर ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि पिछले तीन हफ़्तों में ब्रेंट क्रूड में तेज़ी आई है और यह सितंबर 2023 के 97 डॉलर के हाई लेवल से एक प्रमुख ट्रेंडलाइन की टेस्टिंग कर रहा है।

प्रोडक्शन और सप्लाई का भी खेल

वहीं दूसरी ओर केडिया एडवाइजरी के डायरेक्टर अजय केडिया का कहना है कि टेंशन का काफी बढ़ा हुआ है और अमेरिका के युद्ध में कूदने के बाद ईरान होमुर्ज स्ट्रेट को बंद करने का फैसला ले सकता है। जिसकी वजह से कीमतें 95 से 100 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुंच सकती है। साथ ही सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में 10 से 15 फीसदी का इजाफा देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के दाम 100 से ज्यादा नहीं जाएंगे। उकसा एक अहम कारण ओपेक और ओपेक प्लस देशों की ओर से प्रोडक्शन और सप्लाई इजाफा किया हुआ है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका भी सप्लाई में इजाफा करने जा रहा है। जिसकी वजह से होमुर्ज के बंद होने के बाद भी कीमतों पर ज्यादा पड़ने का अनुमान नहीं है।

भारत पर पड़ सकता असर

कच्चे तेल की कीमतों में इजाफा होने का असर भारत पर भी देखने को मिल सकता है। भारत अपनी जरुरत का 85 से 90 फीसदी इंपोर्ट करता है। अगर कीमतों में बढ़ोतरी होती तो देश के सामने कई आर्थिक चुनौतियां सामने आ सकती है। कच्चे तेल में 10 डॉलर प्रति बैरल की वृद्धि भारत के चालू खाता घाटे को जीडीपी के 0.3 फीसदी तक बढ़ा सकती है और महंगाई का दबाव भी बढ़ा हुआ दिखाई दे सकता है। करेंसी मार्केट के एक एक्सपर्ट के अनुसार सोमवार को भारत का रुपया डॉलर के मुकाबले में 50 से 75 पैसे के बीच गिर सकता है। जिसका असर जीडीपी पर भी देखने को मिल सकता है। इसके अलावा सोमवार को भारत के शेयर बाजार में भारी दबाव देखने को मिल सकता है।

90 लाख रुपये की सैलरी में भी नहीं चल रहा घर का खर्च!

बेंगलुरु और गुरुग्राम जैसे शहरों में क्यों आई ऐसी नौबत?

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। देश के बड़े शहरों जैसे बेंगलुरु, गुरुग्राम आदि में क्या सालाना 90 लाख रुपये की सैलरी भी कम पड़ रही है? कुछ जानकारों की मानें तो यह सच भी है। समय-समय पर ऐसे काफी एम्प्लॉई अपनी कहानी सोशल मीडिया पर पोस्ट भी करते रहते हैं। बेंगलुरु के एक सलाहकार का कहना है कि भारत में सैलरी और खर्च का हिसाब बिगड़ गया है।

उनका कहना है कि 90 लाख रुपये सालाना कमाने के बाद भी लोगों का खर्च नहीं चल रहा है और वे आर्थिक रूप से फंसे हुए हैं।असल में दिक्कत ये है कि सैलरी तो उतनी ही है, लेकिन खर्चे लगातार बढ़ रहे हैं। जो लोग ज्यादा कमाते हैं, उन्हें लगभग 39% तक टैक्स देना पड़ता है। वहीं, शहरों में औसत सैलरी सिर्फ 35,000 रुपये महीना है।एक सलाहकार चंद्रलेखा एमआर का कहना है कि 90 लाख रुपये सालाना कमाने वाला, गुरुग्राम में शानदार घर में रहने वाला और प्राइवेट स्कूल में दो बच्चों को पढ़ाने वाला भी परेशान है। चंद्रलेखा के अनुसार भारत का अपर-मिडिल क्लास एक मुश्किल जाल में फंसा हुआ है जिससे निकलना मुश्किल है। इस बारे में चंद्रलेखा ने लिंक्डइन पर एक पोस्ट की है। इस पोस्ट में उन्होंने गुरुग्राम के एक स्टार्टअप फाउंडर का उदाहरण दिया। उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति का बजट कैसा है। उस व्यक्ति को घर और कार के ईएमआई के लिए 2.68 लाख रुपये देने पड़ते हैं। बच्चों की स्कूल फीस 65,000 रुपये है। स्टाफ को 30,000 रुपये देने पड़ते हैं। छुट्टियों के लिए वह 30,000 रुपये बचाता है। इसके अलावा कपड़ों, गिफ्ट और घर के रखरखाव पर भी खर्च होता है। इस तरह उसका कुल खर्च 5 लाख रुपये महीना हो जाता है। टैक्स भरने के बाद इतना पैसा बचाने के लिए उसे हर महीने 7.5 लाख रुपये कमाने होंगे। यानी साल के 90 लाख रुपये। ऐसा नहीं है कि यह सारा खर्च बहुत जरूरी है। चंद्रलेखा ने लिखा कि उस फाउंडर ने अपना जाल खुद बनाया है और अब उसमें सांस भी नहीं ले पा रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'लोग कहते हैं कि यह लग्जरी है और यह सच भी है। लेकिन यह लग्जरी जैसा लगना भी चिंता की बात है।'उनका कहना है कि बड़े शहरों में रहने वाले परिवारों के लिए ये आंकड़े ज्यादा नहीं हैं। आजकल 3 करोड़ रुपये का घर खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है। काम करने वाले कपल्स के लिए मेड, नैनी, कुक और ड्राइवर रखना जरूरी हो गया है। असल समस्या ये है कि सैलरी तो स्थिर है, लेकिन खर्चे लगातार बढ़ रहे हैं। प्रॉपर्टी की कीमतें हर साल 6-8% बढ़ रही हैं, जो महंगाई से भी ज्यादा है। ज्यादा कमाने वालों को लगभग 39% तक टैक्स देना पड़ता है, लेकिन शहरों में औसत सैलरी अभी भी सिर्फ 35,000 रुपये महीना है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 | सूर्योदय - 05-47
भोग्य कलि वर्ष-426874 | सूर्यास्त - 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन मे	मिथुन..	05-12 बजे
चंद्र-	वृष मे	कर्क...	07-25 बजे
मंगल	सिंह मे	सिंह---	09-36 बजे
बुध-	कर्क मे	कन्या...	11-43 बजे
गुरु-	मिथुन मे	तुला----	13-50 बजे
शुक्र-	मेष मे	वृश्चिक...	15-58 बजे
शनि-	मीन मे	धनु......	18-12 बजे
राहु-	कुंभ मे	मकर...	20-22 बजे
केतु-	सिंह मे	कुंभ...	22-09 बजे
		मीन....	23-47 बजे
		मेष.....	01-23 बजे
		वृष....	03-52 बजे

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी 22-09 तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आषाढ़ कृष्ण , सोमवार 23 June
नक्षत्र - कृत्तिका 15-16 तक उपरान्त
योग - धृति 13-16 तक उप शुल
करण- गर 11-46 तक उप वणिज
विशेष:- सोम प्रदोष व्रत
व्रत-त्योहार - मास शिवरात्रि

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 07:23 से 09:01 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05:47 - 07:23	शुभ	चंचल	18:49 - 20:14	शुभ
काल	07:23 - 09:01	अशुभ	रोग।	20:14 - 21:35	अशुभ
शुभ	09:01 - 10:40	शुभ	काल	21:35 - 22:57	अशुभ
रोग	10:40 - 12:18	अशुभ	लाभ	22:57 - 00:19	शुभ
उत्पात	12:18 - 13:57	अशुभ	उत्पात	00:19 - 01:40	अशुभ
चंचल	13:57 - 15:35	शुभ	शुभ	01:40 - 03:02	शुभ
लाभ।	15:35 - 17:14	शुभ	अमृत	03:02 - 04:23	शुभ
अमृत	17:14 - 18:49	शुभ	चंचल	04:23 - 05:47	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे । अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें । दिन शांत और तनावरहित रहेगा । आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — अपने जैसी रुचियों और सत्तासीन व्यक्तियों से साझेदारी बनाने की कोशिश करें ।कुछ आदमी आपको झूठी आशाएं देने की कोशिशें कर रहे हैं लेकिन आपको उनकी बातों पर ध्यान नही देना है । अपने आप से फैसले लें और उनपर जमे रहें । आप काफी समय से घर खरीदने की सोच रहें हैं,अब आप ऐसा कर सकते हैं ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — पिछला घटनाक्रम कुछ ऐसा रहा है कि आपका आत्मविश्वास डगमगा गया है, इसके चलते आज कोई भी काम ख़ुशी से और संतोषजनक ढंग से पूरा नही हो पायेगा । कोई ऐसा भी मिलेगा जिसकी नकारात्मक टिप्पणियों से आप और भी निराश महसूस करेंगे,लेकिन चिंता ना करें,यह अस्थायी चरण है और आप जल्दी ही अपना आत्मविश्वास वापस पा लेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं । फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी । आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी । समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आप व्यवसायिक या निजी कारणों से यात्रा कर सकते हैं । हालाँकि इस समय आपके लिए यात्रा करना मुश्किल होगा लेकिन आप कर पायेंगे और इससे आपको लाभ भी होगा । जो लोग पहले आपकी उदारता को नही समझते थे ,अब उन्हें भी इसकी कीमत समझ आएगी ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आज उत्तरार्द्ध में एक व्यापारिक यात्रा आपको करनी पड़ सकती है । यह बौद्धिक विवेक को बढ़ाने के लिए एक महान अवसर होगा। अगर आप अपने आप को बोझिल महसूस कर रहे है , तो पूर्वाद्ध में अवकाश लेकर अपने आप को तैयार करे की किस तरह से आप अपने आप को औरो के सामने प्रस्तुत करेंगे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज के दिन आपको अपने सहकर्मियों के साथ सतर्कता बरतनी जरुरी है । कुछ तर्क वितर्क और विवाद के कारण आपके दफ्तर का माहौल ख़राब हो सकता है इसलिए बेफाल्तू के वाद विवाद से अपने को बचाकर रखे । आज के दिन कुछ क्षेत्रों में उच्च अधिकारीयों से आपके विचार अलग हो सकते है हालाँकि धातु या कृषि उत्पाद में निवेश आप के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन उनके लिए अछा है जो की निर्माण के व्यवसाय से जुड़े है । आज के दिन आपको जाँच परख कर निवेश करना है क्योंकि ये अवसर लघु समय के लिए है । अगर आप अपने लिए घर खरीदने की सोच रहे है तो आपको अच्छे प्रस्ताव मिल सकते है । अपने इस चीज़ के लिए जो वित्तीय रणनीति बनाई थी उनका फल अब आपको मिल सकता है ।

श्री पंचांगुली ज्योतिष केन्द्र

वाइन कंपनी के मालिक के ऐलान से बार होगा गुलजार!

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। तीन साल की तेज़ ग्रोथ के बाद भारतीय शराब उद्योग को 2024-25 में चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन सुला वाइनयाड्र्स की नई रिपोर्ट बताती है कि अब हालात सुधर रहे हैं। सीईओ राजीव सामंत के अनुसार, चुनावी हलचल और बाजार व्यवधान के बावजूद कंपनी ने 619.4 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड रेवेन्यू हासिल किया है। अब 2025-26 में उद्योग को स्थिर माहौल और मांग में बढ़ोतरी की पूरी उम्मीद है। दरअसल, देश का शराब उद्योग बीते वित्त वर्ष के झटके के बाद 2025-26 का साल बेहतर रहने की उम्मीद कर रहा है। सुला वाइनयाड्र्स लिमिटेड की वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू वृहद माहौल अब सामान्य हो गया है जिससे चालू वित्त वर्ष बेहतर रहने की उम्मीद है। बीते वित्त वर्ष में शराब की शहरी खपत में सुस्ती आई थी।

रिपोर्ट में हुआ खुलासा

रिपोर्ट के अनुसार, शहरी खपत में सुस्ती का प्रभाव अन्य श्रेणियों की तुलना में खराब खंड पर अधिक स्पष्ट था, क्योंकि मुख्य रूप से इसका उपभोग शहरों में अधिक होता है। सुला वाइनयाड्र्स के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक

अधिकारी (सीईओ) राजीव सामंत ने रिपोर्ट में कहा कि शराब की मांग कई अस्थायी नियामकीय और अन्य बाजार व्यवधानों से भी प्रभावित हुई। इसमें आम चुनाव और महाराष्ट्र जैसे प्रमुख बाजार का विधानसभा चुनाव शामिल है।

इतनी हुई कमाई

उन्होंने कहा, तीन साल की मजबूत वृद्धि के बाद 2024-25 भारतीय शराब उद्योग के लिए मांग को फिर से स्थापित करने का वर्ष था। उन्होंने कहा, लेकिन अच्छी खबर यह है कि ये झटके अब पीछे छूट चुके हैं। चालू वित्त वर्ष में हम अधिक सामान्य वृहद माहौल की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, शराब उद्योग के लिए चुनौतीपूर्ण बाजार स्थितियों के बावजूद सुला ने वित्त वर्ष 2024-25 से अपना सबसे ऊंचा 619।4 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व दर्ज किया था। सामंत ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा, हमने अपनी अग्रणी स्थिति को मजबूती से कायम रखा है। हम देश का सबसे बड़ा शराब ब्रांड हैं।

नमक की कीमत का पाक को अहसास

भारत के झटके से टूटा कारोबार; अब चीन के सहारे पड़ोसी मुल्क

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। भारत की ओर पाकिस्तानी हिमालयन पिंक सॉल्ट (सेंधा नमक) के आयात पर प्रतिबंध लगाने के बाद पाकिस्तान का नमक कारोबार गहरे संकट में है। 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले, जिसमें 26 लोगों की जान गई, के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी व्यापारिक रिश्ते तोड़ लिए। इस फैसले ने पाकिस्तानी नमक व्यापारियों की कमर तोड़ दी, जो भारत जैसे बड़े बाजार पर निर्भर थे। अब वे अपने नमक को चीन और अन्य देशों में बेचने को मजबूर हैं, लेकिन भारत जैसा मुनाफा मिलना मुश्किल हो गया है। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में खेवड़ा की सेंधा नमक खदान दुनिया की सबसे बड़ी खदानों में से एक है। यहां 30 से अधिक प्रोसेसिंग यूनिट्स

सालाना लाखों टन नमक का निर्यात करती हैं। 2024 में पाकिस्तान ने 3.5 लाख टन नमक निर्यात किया, जिसकी कीमत करीब 12 करोड़ डॉलर थी। इसमें भारत सबसे बड़ा खरीदार था। लेकिन, अब बैन के कारण यह बाजार पूरी तरह बंद हो गया। गनी इंटरनेशनल के मंसूर अहमद के मुताबिक, भारत में सेंधा नमक की कीमत 45-50 रुपये प्रति किलो से बढ़कर 70-80 रुपये हो गई है फिर भी पाकिस्तानी कारोबारियों को कोई राहत नहीं मिल रही।

चीन से बढ़ाया निर्यात

पाकिस्तान ने अब चीन को नमक निर्यात बढ़ाया है। इत्तेफाक कंपनीज के सीईओ शहजाद जावेद के अनुसार, 2025 की पहली तिमाही में चीन को 136.4 करोड़ किलो नमक निर्यात किया गया, जिसकी कीमत 18.3 लाख डॉलर रही। यह पिछले साल से 40% अधिक है। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का बाजार अस्थायी है, क्योंकि वह खुद नमक उत्पादन में सक्षम है। भारत की तरह स्थायी और बड़ा मुनाफा देना उसके लिए मुश्किल है। पाकिस्तान अब अमेरिका, वियतनाम, मलेशिया, ऑस्ट्रेलिया, तुर्किये, इटली, ब्रिटेन, जापान और रूस जैसे देशों में नमक निर्यात की कोशिश कर रहा है। लेकिन अलग-अलग व्यापारिक नियम, टैक्स और टेस्टिंग मानक इस राह को कठिन बना रहे हैं। पाकिस्तान नमक विनिर्माता संघ की अध्यक्ष साइमा अख्तर कहती हैं कि भारत का बाजार खोना उनके लिए बड़ा झटका है।

ईरान-इजराइल जंग ने भारत में मचाया हड़कंप, 63% कंपनियों ने ठप की भर्ती!

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। ईरान-इजराइल में चल रहे युद्ध और वैश्विक स्तर पर बढ़ते जियोपॉलिटिकल टेंसन ने भारतीय कंपनियों को भी हिलाकर रख दिया है. एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, देश की 63% कंपनियों ने भर्ती पर रोक लगा दी है और कई ने तो कर्मचारियों की छंटनी शुरू कर दी है. स्टाफिंग सॉल्यूशंस और एचआर सर्विसेज देने वाली कंपनी जीनियस कंसल्टेंट्स की एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि , 15% कंपनियों ने कॉन्ट्रैक्ट-बेस्ड या फ्रीलांस रोल्स की ओर रुख किया है, क्योंकि वैश्विक तनाव बढ़ता जा रहा है. इस रिपोर्ट के लिए 12 मई से 6 जून तक देशभर के विभिन्न सेक्टर्स के 2,006 कर्मचारियों से ऑनलाइन सर्वे किया गया. सर्वे में सामने आया कि जियोपॉलिटिकल अस्थिरता का असर न सिर्फ भर्ती प्रक्रिया पर पड़ रहा है, बल्कि कर्मचारियों की सैलरी, बोनस, अप्रेजल, वर्कलोड और नौकरी की सुरक्षा पर भी गहरा प्रभाव डाल रहा है. रिपोर्ट में सबसे चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि 63% कर्मचारियों ने बताया कि उनकी कंपनियों ने नई भर्तियां बंद कर दी हैं या फिर टीमें छोटी की जा रही हैं. इसका मतलब साफ है कि कंपनियां इस अनिश्चितता के माहौल में जोखिम लेने से बच रही हैं. वैश्विक तनाव, खासकर मध्य पूर्व में चल रहे युद्ध, ने कंपनियों को अपने खर्चों पर काबू करने और लागत कम करने की रणनीति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है.इसके अलावा, 15% कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनियां अब स्थायी नौकरियों के बजाय कॉन्ट्रैक्ट-बेस्ड या फ्रीलांस काम को बढ़ावा दे रही हैं. इसका कारण यह है कि कॉन्ट्रैक्ट-बेस्ड काम में कंपनियों को लंबी अवधि की जिम्मेदारी नहीं लेनी पड़ती, और वे जरूरत के हिसाब से कर्मचारियों को हायर या रिलीज कर सकती हैं. यह बदलाव खासकर उन सेक्टर्स में देखा जा रहा है जो वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भर हैं. सर्वे में शामिल 36% कर्मचारियों ने बताया कि जियोपॉलिटिकल अस्थिरता के कारण उनकी सैलरी वृद्धि, बोनस या अप्रेजल प्रभावित हो रहे हैं.

फ्रेडरिक ने 80 साल की उम्र में आखिरी सांस ली; सैनिक से बिजनेसमैन बने थे

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी लॉजिस्टिक्स कंपनियों में से एक एफईडीएक्स के संस्थापक और एग्जीक्यूटिव चेयरमैन फ्रेडरिक वॉलेस स्मिथ का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। एफईडीएक्स के सीईओ राज सुब्रमण्यम ने कंपनी के स्टाफ को ईमेल भेजकर इसकी जानकारी दी है। फ्रेडरिक ने 1973 में 389 लोगों और 14 छोटे प्लेन्स के साथ एफईडीएक्स की शुरुआत की थी। कंपनी आज 705 एयरक्राफ्ट, 2 लाख से ज्यादा गाड़ियों और 5,000 ऑपरेटिंग फैसिलिटी तक पहुंच गई है। 5 लाख से ज्यादा कर्मचारी रोज करीब 1.7 करोड़ शिपमेंट संभालते हैं। 1944 में जन्मे फ्रेडरिक स्मिथ ने वियतनाम युद्ध में अमेरिकी मरीन कॉर्प्स ऑफिसर के तौर पर काम किया था । इसके बाद उन्होंने 1973 में फेडरल एक्सप्रेस की नीव रखी। उस वक्त एफईडीएक्स ने 25 अमेरिकी शहरों में 186 पैकेज डिलिवर किए गए थे। आज कंपनी का नेटवर्क पूरी दुनिया में फैला है। फ्रेडरिक स्मिथ को फोर्ब्स की '100 ग्रेटेस्ट लिविंग बिजनेस माइंड' लिस्ट में जगह मिली चुकी है। इसके अलावा उन्हें टाइम्स, फार्च्यून जैसी मैगजीनों ने मोस्ट इन्फ्लुएंशियल कम्पनीज और वर्ल्ड्स मोस्ट एडमायर्ड कम्पनीज की लिस्ट में लगातार शामिल लिया है।

मुकेश अंबानी के राइट हैंड ने 75 करोड़ की सैलरी छोड़ अपनाया साधु जीवन

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के करीबी सहयोगी प्रकाश शाह ने साधु जीवन अपना लिया है। सांसारिक जीवन से संन्यास लेने के लिए उन्होंने 75 करोड़ रुपये की सैलरी वाली नौकरी छोड़ दी। वे रिलायंस इंडस्ट्रीज में वाइस प्रेसिडेंट के पद पर थे। प्रकाश शाह को मुकेश अंबानी का राइट हैंड माना जाता था। प्रकाश शाह ने 63 साल की उम्र में उन्होंने रिटायरमेंट लिया था। इसके तुरंत बाद उन्होंने 'दीक्षा' ले ली। प्रकाश शाह और उनकी पत्नी नैना शाह ने महावीर जयंती के अवसर पर दीक्षा ग्रहण की। वह बहुत पहले ही दीक्षा लेना चाहते थे, लेकिन कोरोना महामारी के कारण इसे कुछ समय के लिए टाल दिया था। दीक्षा

एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें एक व्यक्ति सादा जीवन जाता है। साथ ही वह मोक्ष पाने के लिए अच्छे कर्म करता है।प्रकाश शाह ने केमिकल इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन किया है। उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया है। उनकी पत्नी कॉमर्स ग्रेजुएट हैं। उनके दो बेटे हैं। उनके एक बेटे ने कुछ साल पहले दीक्षा ले ली थी। उनके दूसरे बेटे की शादी हो चुकी है और उनका एक बच्चा भी है।रिलायंस इंडस्ट्रीज में काम करने के दौरान प्रकाश शाह ने कंपनी के कई बड़े प्रोजेक्ट्स को सफलतापूर्वक संभाला। उन्होंने जामनगर पेटकोक गैसिफिकेशन प्रोजेक्ट और पेटकोक मार्केटिंग जैसे बड़े प्रोजेक्ट में महत्वपूर्ण योगदान दिया और पूरी जिम्मेदारी उठाई। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रिटायर होने का फैसला करते समय शाह 75 करोड़ रुपये का सालाना वेतन पा रहे थे।उन्होंने भौतिक सुख-सुविधाओं को त्याग कर आत्मिक शांति और मोक्ष की राह को चुना है। एक साधु के रूप में वह अब नंगे पैर चलते हैं। साधारण सफेद कपड़े पहनते हैं और भिक्षा पर जीवन यापन करते हैं। शाह अब 64 साल के हैं। उनका दीक्षा समारोह पूरी तरह से मुंबई के बोरीवली में आयोजित किया गया था।

गोरक्षनगरी में रात्रि विश्राम करेंगी राष्ट्रपति आयुष विश्वविद्यालय का करेंगी लोकार्पण

गोरखपुर, 22 जून (एजेंसियां)। गोरखपुर आगमन के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यहां रात्रि विश्राम भी करेंगी। उनके प्रवास की व्यवस्था रामगढ़ताल किनारे स्थित सर्किट हाउस में की जा रही है। संभावना जताई जा रही है कि राष्ट्रपति 30 जून को गोरखपुर पहुंचकर अगले दिन एक जुलाई को वापस जाएंगी। 30 जून को वह अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एमबीबीएस पहले बैच के दीक्षा समारोह में शामिल होंगी और मेधावियों को मेडल प्रदान करेंगी। राष्ट्रपति के संभावित कार्यक्रम के अनुसार वह 30 जून को एयरपोर्ट से सीधे एम्स जाएंगी। वहां से निकलकर वह सर्किट हाउस जाएंगी। राष्ट्रपति उसी दिन गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन भी कर सकती हैं। अगले दिन एक जुलाई को वह भटहट के पिपरी स्थित प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय पहुंचेंगी और उसका लोकार्पण करेंगी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने इसका शिलान्यास किया था।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी जाएंगी राष्ट्रपति

राष्ट्रपति 1 जुलाई को ही महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय भी जा सकती हैं। यहां एक परियोजना का लोकार्पण व एक का परियोजना शिलान्यास करेंगी। छात्र-छात्राओं के लिए यहां स्टेडियम बनाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के बाद राष्ट्रपति के वापस लौट जाने की संभावना है। राष्ट्रपति के गोरखपुर आगमन को लेकर प्रशासन, पुलिस, नगर निगम और जीडीए समेत सभी संबंधित विभाग तैयारी में जुट गए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार की शाम गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की और आयोजन को भव्य बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि तैयारी में किसी भी तरह की चूक नहीं होनी चाहिए।

अब तक पांच राष्ट्रपति आ चुके हैं गोरखपुर

गोरखपुर में अब तक पांच राष्ट्रपति आ चुके हैं। इनमें देश के प्रथम राष्ट्रपति डा। राजेंद्र प्रसाद, दूसरे राष्ट्रपति सर्वपल्ली डा। राधाकृष्णन, 11वें राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम, 12वीं राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल और 14वें राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का नाम शामिल है। पूर्व राष्ट्रपति डा। एपीजे अब्दुल कलाम गोरखपुर विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति प्रो।रेवती रमण पांडेय के बुलावे पर गोरखपुर आए थे। उन्होंने विश्वविद्यालय के दीक्षा भवन में छात्रों और शिक्षकों से 'विजन 2020 पर सीधा संवाद किया था। कार्यक्रम के दौरान ही उन्होंने संतकबीर की निर्वाण स्थली मगहर जाने की इच्छा जताई। प्रशासन ने आनन-फानन उनके वहां जाने की व्यवस्था की थी। कार्यकाल समाप्ति के बाद फरवरी 2011 में डा।कलाम एक बार फिर गोरखपुर आए।

तब गोरखनाथ क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफ हाई स्कूल में गोरखपुर-बस्ती मंडल के छात्र-छात्राओं से उन्होंने 'विज्ञान और प्रकृति' के संरक्षण विषय पर संवाद किया था। इसी तरह पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा देवी सिंह पाटिल, मार्च 2009 में वायुसेना केंद्र गोरखपुर में 105 हेलिकॉप्टर यूनिट और 108 स्क्वाड्रन को 'प्रेसिडेंशियल स्टैण्डर्ड्स सम्मान देने आई थीं। इसी कड़ी में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद तीन बार गोरखपुर आ चुके हैं।

चुनाव लड़ने की उम्र पर बहस: क्या 25 साल की सीमा अब पुरानी हो चुकी है? जयंत के बयान से गरमाई 'सियासत'

मेरठ, 22 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोकदल नेता और राज्यसभा सांसद जयंत चौधरी के हालिया बयान ने भारतीय लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका और प्रतिनिधित्व पर एक नई बहस को जन्म दे दिया है। जयंत ने संसद में एक प्राइवेट मेंबर बिल के जरिये चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष करने की मांग की है। उनका सवाल सीधा और तार्किक है जब कोई व्यक्ति 18 साल की उम्र में वोट डाल सकता है, शादी कर सकता है, ड्राइविंग लाइसेंस ले सकता है और सरकारी नौकरी के लिए आवेदन कर सकता है, तो वह विधायक या सांसद क्यों नहीं बन सकता? जयंत चौधरी की बात केवल तर्क तक सीमित नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र की संरचना, संविधान और युवाओं की भागीदारी को लेकर बुनियादी सवाल खड़े करती है। आंकड़े बताते हैं कि भारत, जो दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश माना जाता है, उसकी संसद सबसे बुजुर्गों में शुमार होती जा रही है। 2024 की 18वीं लोकसभा के 280 सांसद, यानी आधे से अधिक, 55 वर्ष से ऊपर की उम्र के हैं। वर्तमान लोकसभा में सबसे उम्रदराज सांसद हैं डीएमके के टी।आर। बालू, जो 82 वर्ष के हैं और तमिलनाडु के श्रीपेरुंबदूर से चुने गए हैं। उनके बाद समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद (79 वर्ष, फैजाबाद) और जीतन राम मांझी (78 वर्ष, गया) हैं।

चाची का भतीजे पर आया दिल, पति के सामने मंदिर में दोनों ने रचाई शादी

जमुई, 22 जून (एजेंसियां)। जिले में चाची और भतीजे के रिश्ते को शर्मसार करने का एक मामला सामने आया है। इससे समाज और पूरा गांव शर्मसार हो गया है। यहां टाउन थाना क्षेत्र के एक गांव में ग्रामीणों के सामने चाची और भतीजे ने एक-दूसरे से शादी रचा ली। इतना ही नहीं यह कारनामा पति की मौजूदगी में हुआ है। पति ने दोनों की शादी की इच्छा जताई है। हालांकि शादी करने के बाद दोनों गांव से फरार हो गए हैं। ग्रामीणों ने दोनों को गांव नहीं आने कि हिदायत भी दी है। दरअसल, महिला आयुषी की शादी 2021 में विशाल के साथ हुई थी। इस दौरान उसे एक पुत्री भी हुई। इसी बीच रिश्ते में भतीजा लगने वाले सचिन का भी घर आना-जाना होता था। करीब दो साल पहले दोनों के बीच धीरे-धीरे बात शुरू हुई और फिर फोन पर भी बातें होने लगीं। इस दौरान दोनों का प्यार बढ़ता गया। इसकी जानकारी पति व अन्य परिवार वालों को भी हो गई थी। पूरे गांव में दोनों के प्रेम प्रसंग की चर्चा थी। कई बार परिवार वालों ने दोनों को एक-साथ मिलते हुए पकड़ भी लिया था और फटकार भी लगाई, लेकिन चाची-भतीजे का प्यार और परवान चढ़ता गया। इसी बीच बीते रविवार को दोनों घर से फरार हो गए। शुक्रवार को दोनों गांव पहुंचे और शादी की इच्छा जताई। उसके बाद पति के सामने पत्नी ने भतीजे से शादी कर ली। पति विशाल ने बताया कि वह अपनी पत्नी से तंग आ गया था। उसे इस शादी से कोई एतराज नहीं है। हालांकि टाउन थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार ने बताया कि रविवार को पति द्वारा आवेदन देकर पत्नी के अपहरण करने की शिकायत की गई थी और आरोप सचिन कुमार नामक युवक पर लगाया गया था। हालांकि मामला प्रेम प्रसंग का सामने आया है।

सीएम नीतीश ने क्यों बढ़ाई पेंशन की राशि तेजस्वी यादव ने बताई असली वजह

पटना, 22 जून (एजेंसियां)। बिहार सरकार ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन को 400 से बढ़ाकर प्रतिमाह 1100 रुपये कर दिया है। राजद नेता तेजस्वी यादव इसे टेंशन की परिणाम बता रहे। प्रेस-वार्ता कर उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार आ रही है, इसी टेंशन में एनडीए सरकार ने पेंशन की राशि बढ़ाई है। राजद ने पिछले वर्ष 16 दिसंबर को ही वादा किया था कि सत्ता मिलने पर वृद्धों, विधवाओं और दिव्यांगों को प्रतिमाह 1500 रुपये की पेंशन दी जाएगी। सरकार हमारी नकल कर रही। उसके पास न तो सोच है, न विजन। तेजस्वी आगे-आगे हैं, और राज्य सरकार पीछे-पीछे।तेजस्वी ने कहा कि 20 वर्षों तक नीतीश सरकार ने देश में सबसे कम सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी। हमने पहले ही मांग की थी कि हमारी घोषणाओं को बजट-प्रस्ताव में सम्मिलित किया जाए, लेकिन सरकार ने ध्यान नहीं दिया, क्योंकि उसे डर था कि श्रेय तेजस्वी को जाएगा। अब बिना बजटीय प्रविधान के सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि की घोषणा हुई है। बिना बजट के एक करोड़ नौ लाख 69 हजार 255 लोगों को यह पेंशन कैसे दी जाएगी। इसके लिए प्रतिमाह लगभग 767 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च करना होगा। अब हम सरकार को घेरेंगे और जन-हित में और योजनाओं पर अमल के लिए विवश करेंगे। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक कार्यक्रम पर सरकारी खजाने से लगभग सौ करोड़ रुपये खर्च होते हैं। पिछले पांच चुनावों में मोदी की बिहार में 200 से अधिक रैलियां और जनसभाएं हुई हैं। उन आयोजनों पर लगभग 20 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए। जनता की गाढ़ी कमाई लुटाई जा रही और बिहार बाढ़ में डूबे रहता है। इससे निजात के लिए सरकार राशि क्यों नहीं खर्च कर रही। पटना भी डूब जाता है, लेकिन ड्रेनेज सिस्टम ठीक नहीं किया जा रहा। अमित शाह कहते हैं कि बाढ़ नियंत्रण का काम होगा, तो पहले क्या वे बाढ़ के लिए निमंत्रण दे रहे थे। शाह कह चुके हैं कि चुनाव तक ही नीतीश कुमार हैं। भुंजा पार्टी उनके इशारे पर जदयू को चला रही उन्हीं के अनुसार जदयू के प्रत्याशी भी तय होंगे। प्रेस-वार्ता में मंगनी लाल मंडल, रितु जायसवाल, संजय यादव, कारी मोहम्मद सोहेब, एजाज अहमद और अरुण यादव आदि उपस्थित रहे।

बलिया से ईरान की धार्मिक यात्रा पर गए 5 लोग तेहरान में फंसे, सपा सांसद ने केंद्र से लगाई मदद की गुहार

बलिया, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के रसड़ा कस्बे से ईरान में धार्मिक यात्रा पर पांच लोग गए हुए हैं। ईरान और इजरायल युद्ध के बीच बलिया जिले के ये लोग वहां फंस गए। वहां फंसने के बाद समाजवादी पार्टी के स्थानीय सांसद सनातन पांडेय ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर मामले में आवश्यक कार्रवाई का अनुरोध किया है। सुरक्षित वापसी को लेकर परिजनों ने मोदी सरकार से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। बलिया जिले के रसड़ा कस्बे के सैयद असद अली बकर, सैयद मोहम्मद मुजतबा हुसैन, सैयद मोहम्मद अन, शमा जहां और सैयद नज्मुसकिब धार्मिक यात्रा पर ईरान गए हैं। युद्ध के कारण ईरान की राजधानी तेहरान में फंस गए हैं। रसड़ा कस्बे के अतीफ ने ने कहा कि उनके परिवार के ये सभी सदस्य 25 मई को जियारत करने के लिए इराक के बाद ईरान पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि सभी लोग फिलहाल तेहरान के एक होटल में सुरक्षित हैं और उनका परिवार सभी के सकुशल देश वापसी के लिए प्रार्थना कर रहा है। अतीक ने कहा कि रसड़ा कस्बे के मशीउररहमान भी इनके साथ ही गए थे, लेकिन वह इराक से सात जून को ही भारत लौट आए। इस बीच, बलिया से सपा सांसद सनातन पांडेय ने शनिवार को विदेश मंत्रालय को पत्र लिखकर तेहरान में फंसे रसड़ा के पांच लोगों की सकुशल भारत वापसी के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया है। सपा सांसद पांडेय ने कहा कि सभी लोग तेहरान में फंस गए हैं। युद्ध के कारण विमान सेवा बंद है, जिससे उनके भारत आने की संभावना दिखाई नहीं दे रही है। उन्होंने केंद्र सरकार से मदद की अपील की है।

जासूस तो नहीं लखनऊ में गिरफ्तार उज्बेकिस्तान की युवतियां?

कराई थी प्लास्टिक सर्जरी; खुफिया एजेंसियां अलर्ट

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। उज्बेकिस्तान की होलिडा और नीलोफर के अवैध रूप से राजधानी लखनऊ में रहने की घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। इनके पास पासपोर्ट और वीजा भी नहीं मिला है। ऐसे में दोनों दिल्ली से यहां पहुंचीं कैसे? इसके बारे में जानकारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि दोनों युवतियां कब से और किन-किन शहरों में रह रही हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। जासूसी के बिंदु पर भी छानबीन की जा रही है। खुफिया एजेंसियां इसे लेकर अलर्ट हो गई हैं। माना जा रहा है कि दोनों युवतियों से खुफिया एजेंसियां भी पूछताछ करेंगी। खास बात यह है कि दोनों को लखनऊ में लाने वाली और यहां के लोगों से परिचय कराने वाली लोलो के खिलाफ उज्बेकिस्तान में लुकआउट नोटिस भी जारी हो चुका है। फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की टीम उसके बारे में पता लगा रही है। बताया जा रहा है कि पुलिस टीम ने जब छापा मारा था, तब लोलो भी वहीं दूसरे कमरे में थी। हालांकि, पुलिस के आने की भनक लगते ही वह भाग निकली। बता दें कि हाल ही में विभूतिखंड के एक होटल उज्बेकिस्तान की महिला का शव मिला था। उसकी रहस्यमय हालात में मौत हो गई थी। उधर, मामले के विवेचक महेश कुमार सिंह का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गर्लफ्रेंड लगाने वाली थी सरकार को चूना, बॉयफ्रेंड ने सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया सीक्रेट, लड़की के छूटे पसीने

बदायूं, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं में प्रेमिका सरकार को बहुत बड़ा चूना लगाने वाली थी। बॉयफ्रेंड को जब इसकी भनक लगी तो उसने इसका विरोध किया। दोनों में फिर खटपट हो गई। बौखलाए बॉयफ्रेंड ने सोशल मीडिया पर उसके खेल का भंडाफोड़ कर दिया। दरअसल, युवती ने वीडीओ की नौकरी पाने के लिए अलग-अलग जातियों के तीन सर्टिफिकेट बनवा रखे थे। मामला उसहैत तहसील के नरपत नगला गांव का है। यहां रहने वाली युवती प्रीति ने वीडीओ भर्ती के लिए आवेदन किया था, लेकिन मामला तब उजागर हुआ जब उसके एक्स बॉयफ्रेंड ने सच्चाई उजागर कर दी और उसावां थाने में एफआईआर दर्ज कराई। अब सवाल उठ रहा है कि कैसे एक ही व्यक्ति को अलग-अलग वर्गों के प्रमाणपत्र मिल गए? क्या तहसील स्तर पर बिना जांच के जाति प्रमाणपत्र जारी कर दिए जाते हैं? प्रमोद कुमार ने आरोप लगाया कि प्रीति ने सुधीर कुमार, बहनोई पप्पू राठौर और मुन्ना लाल, अशोक वर्मा के ऊपर झूठे बलात्कार का केस लगाया है।

ईरान और इजरायल जंग के बीच पीओके पर संजय सिंह का बड़ा बयान, आप सांसद ने अमेरिका का भी किया जिक्र

वाराणसी, 22 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने वाराणसी दौरे पर पार्टी के पंचायत चुनाव ऐलान के अलावा उत्तर प्रदेश व केंद्र सरकार की नीतियों पर जमकर जुबानी हमला बोला। संजय सिंह ने कहा कि यूपी में चिकित्सा व्यवस्था शिक्षा व्यवस्था और कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। बीजेपी की नीतियों से जनता पूरी तरह त्रस्त है। आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव लड़ने का ऐलान किया है और वह दिल्ली मॉडल के तर्ज पर अपने मुद्दों को जनता तक पहुंचाएगी। संकल्प शिविर के माध्यम से संगठन का विस्तार होगा, गांव से लेकर शहर तक जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। उत्तर प्रदेश के 8 जोन में आम आदमी पार्टी बैठक आयोजित कर रही है। वाराणसी में मीडिया से बातचीत के दौरान संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश सरकार पर जमकर जुबानी हमला बोला। उन्होंने कहा कि ललितपुर की घटना हैरान करने वाली है जहां अजीबो-गरीब वस्त्र पहनकर चिकित्सक अस्पताल में बैठा रहा लेकिन मरीज को इलाज नहीं मिल सका। प्रदेश में वेंटिलेटर चलाने के लिए कर्मचारियों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। उत्तर प्रदेश में 27000 प्राथमिक स्कूलों को बंद कर दिया जाएगा। बनारस के मशहूर दुकानों पर बुलडोजर चलाया गया लेकिन प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र में सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ और वह रक्षा नहीं कर पाए। यह बताता है कि उत्तर प्रदेश की शासन प्रशासन व्यवस्था कहाँ है।

वह चार खूंखार आतंकवादी कहां हैं- संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिका को भारत के मुद्दे पर घुसने का मौका दिया। देश का स्वाभिमान गिरवी रख दिया गया। जब ऑपरेशन सिंदूर जारी है तो हमारी बहनों के सिंदूर उजाड़ने वाले वह चार खूंखार आतंकवादी कहां हैं। दरअसल घाटी को वापस लेने का मौका हमने गवा दिया। तंज कसते हुए संजय सिंह ने कहा कि मोदी जी के डिअर फ्रेंड ट्रंप कहते हैं हमें पाकिस्तान से प्यार है।

पीएम मोदी देश के सामने एक्सपोज हो चुके हैं

प्रधानमंत्री जी अमेरिका से यह नहीं कह पा रहे हैं कि अगर आपको पाकिस्तान से दोस्ती करनी है तो हिंदुस्तान से नजदीकी नहीं चलेगी। अब भारतीय जनता पार्टी पाक अधिकृत कश्मीर को लेकर कुछ बोल नहीं सकती। पीएम मोदी देश के सामने एक्सपोज हो चुके हैं। पीओके पर कब्जा करने का बड़ा मौका भारत के पास था। भारतीय सेना पीओके पर पूरी तरह कब्जा कर सकती थी, लेकिन पीएम मोदी ने रोका निश्चित ही हम मानसून सत्र में सरकार से सवाल पूछेंगे।

पत्नी पर तेजाब फेंकने की धमकी देकर दिया तीन तलाक

मेरठ, 22 जून (एजेंसियां)। ब्रह्मपुरी की महिला नाजरीन ने पति पर तीन तलाक देने और तेजाब हमले की धमकी देने का आरोप लगाया है। एसएसपी ने थाना पुलिस को जांच कर कार्रवाई का आदेश दिया है। ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की महिला ने नाजरीन ने शनिवार को एसएसपी ऑफिस पर शिकायत पत्र देते हुए बताया कि उसकी शादी दिल्ली के सीलमपुर निवासी एक युवक से हुई थी। शादी के बाद दोनों के चार बच्चे हुए। पीड़िता के अनुसार पति ने कुछ दिन पूर्व उसे तीन तलाक दे दिया। आरोपी ने बच्चों सहित उसे पीटकर घर से निकाल दिया था। आरोप है कि पति पीड़िता को तेजाब हमले और बेटे की हत्या करने की धमकी दे रहा है। पीड़िता ने दस जून को पुलिस से शिकायत की थी। मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह का कहना है कि तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

गजब कारनामा: सीएम के एक कार्यक्रम का दो विभागों से करा लिया भुगतान

लाखों किए पार; खुलासा हुआ तो अफसर हैरान

लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में पार्वती अरगा झील के पास बीती दो फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम हुआ था। इस एक कार्यक्रम का महेंद्र सिंह टेंट हाउस, झिलाही बाजार ने दो विभागों से 13.95 लाख रुपये का भुगतान करा लिया। जांच में मामला सामने आया।इस पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) खंड एक के अवर अभियंता ने फर्म के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। अवर अभियंता ललित कुमार पाठक के अनुसार, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आर्द्रभूमि दिवस समारोह को पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड एक व सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग बलरामपुर ने मिलकर आयोजित किया। टेंट व खानपान की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह टेंट हाउस को सौंपी गई।

सभी मदों को मिलाकर 29 मार्च को पीडब्ल्यूडी की ओर से 69.30 लाख रुपये का भुगतान कर दिया गया। इससे पूर्व पांच मार्च को सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग से 19.95 लाख रुपये का भुगतान किया गया। फर्म ने पूर्व के भुगतान को छिपाकर धोखे से एक ही काम के 13.95 लाख रुपये दोबारा ले लिए।

यूपी की 'सोनम': पति बेचना चाहता था मकान पत्नी को नहीं था मंजूर; प्रेमी से करा दी हत्या

मुरादाबाद, 22 जून (एजेंसियां)। मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामगंगा विहार फिजियोथेरेपी सेंटर चलाने वाली रीना सिंधू ने अपने प्रेमी से पति रविंद्र कुमार की हत्या करा दी। इसके बाद उसके शव को कोटद्वार कोतवाली के दुगड्डा चौकी क्षेत्र के पांचवें मील के समीप झाड़ियों में फेंक दिया। उत्तराखंड पुलिस ने दोनों को बिजनौर के नगीना से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर आरोपियों को पौड़ी जेल भेज दिया गया है। कोटद्वार कोतवाल रमेश तनवार ने बताया कि पांच जून को दुगड्डा चौकी के क्षेत्रांतर्गत पांचवें मील के समीप एक अज्ञात शव मिला था। शव की शिनाख्त उसके परिजनों ने रविंद्र कुमार निवासी रजोकरी, बसंत कुंज, साउथ नई दिल्ली के रूप में की थी। इस मामले में मृतक के भाई राजेश कुमार ने 17 जून को कोतवाली में एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उन्होंने कहा कि उनका भाई रविंद्र कुमार का अपनी पत्नी आशा देवी से मनमुटाव चल रहा था। वर्ष 2007 में उसका भाई अपने घर बसंत कुंज, साउथ नई दिल्ली से हरिद्वार आकर रहने लगा।

अपना मकान बेचना चाहता था रविंद्र

इस दौरान उनके भाई के संपर्क में रीना सिंधू नाम की एक लड़की आई। वर्ष 2010-11 में उनके भाई ने रीना सिंधू से विवाह कर लिया था। इसके बाद दोनों मुरादाबाद के सिविल लाइंस के रामगंगा विहार में रहने वाले लगे। उसने बताया कि उसका भाई मुरादाबाद स्थित अपना मकान बेचना चाह रहा था, लेकिन रीना मकान बेचने को राजी नहीं थी।

इस बात पर दोनों में अक्सर मनमुटाव होता था। उन्होंने आशंका जताई कि इसी मनमुटाव के चलते रीना सिंधू ने अपने साथियों के साथ मिलकर उनके भाई रविंद्र कुमार की हत्या कर उसकी लाश को दुगड्डा क्षेत्र में सड़क किनारे जंगल में फेंक दिया। पुलिस टीमों ने कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। जिसमें 5 जून को एक संदिग्ध कार कोटद्वार के आसपास आती व कुछ समय पश्चात वापस जाती दिखाई दी। इसके बाद पुलिस टीम ने हत्यारोपी रीना सिंधू और पारितोष कुमार निवासी ग्राम सराय, पुरैनी, थाना नगीना, जनपद बिजनौर (यूपी) को नगीना से गिरफ्तार कर लिया था। दोनों ने पूछताछ में अपना गुनाह कबूल लिया।

'विरासत में गद्दी मिल सकती है, बुद्धि नहीं'

एक्सप्रेसवे को लेकर अखिलेश यादव के बयान पर नंदी का पलटवार

प्रयागराज, 22 जून (एजेंसियां)। मुलायम सिंह यादव ने पुत्र मोह की वजह से कुर्सी अखिलेश यादव को दे दी, लेकिन अखिलेश ने सत्ता छीनकर पिता को रास्ते से हटा देने वाली मुगलों की परंपरा वाला काम किया।" यह बात औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने संगम नोज पर कही। नंदी ने आगे कहा, "अखिलेश के बयान पर बोलना अपना और लोगों का समय बर्बाद करना है।" उन्होंने कहा कि गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण पूरा होने के बाद पूरे देश का 50 फीसदी एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश में हो जाएगा।" बता दें कि सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव ने शनिवार को कन्नौज में योगी सरकार पर हमला बोला था।

उन्होंने कहा था कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में लोकसभा चुनाव की तरह एकजुटता के साथ इंडिया गठबंधन मिलकर लड़ेगा। इस बार जनता का रुझान इंडिया गठबंधन के पक्ष में नजर आ रहा है। ऐसे में हम यह दावे के साथ कह सकते हैं कि हमारी पार्टी यूपी में बड़ी जीत दर्ज करके सरकार बनाएगी। इस बार पीडीए भारतीय जनता पार्टी का सफाया कर देगा। उन्होंने यह भी कहा था कि सरकार ने जो एक्सप्रेसवे बनाए हैं, वो एक्सप्रेसवे नहीं हैं। सीएम योगी को कौन समझाए। वे फोर लेन रोड हैं। यह सरकार केवल प्रदेश की जनता को धोखा देने का काम कर रही है। जिला पंचायत से लेकर अन्य विभागों में बड़े पैमाने पर लूट मची है। निचले स्तर से ऊपर तक भ्रष्टाचार है। योगी सरकार में भ्रष्टाचार चरम पर है और सरकार की नीतियां जनता के हित में नहीं है। हमें लगता है कि सही समय आने पर जनता इसका हिसाब लेगी।